Naresh Agarwal - 9848020960
Ankush Agarwal - 9885450000
Naresh Agencies
Dealers in :
Welding Electrodes, Welding Accessories, Safety Equipment, Power Tools, Self Drilling Screws and Cutting Wheels
15-9-216, Near Dargah, Gowliguda, Hyderabad - 500 012

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शुक्रवार, 28 जून, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-179

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 18वीं लोकसभा को संबोधित किया

आपातकाल संविधान का काला अध्याय, इससे आगाह रहना है

नई दिल्ली, 27 जून (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने लोकसभा और राज्यसभा की संयुक्त बैठक को संबोधित किया। अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली नवनिर्वाचित सरकार की प्राथमिकताओं को सामने रखा। 18वीं लोकसभा के गठन के बाद संसद की संयुक्त बैठक में मुर्मू का यह पहला संबोधन है। नई लोकसभा का पहला सत्र गत सोमवार को शुरू हुआ था। राज्यसभा का 264वां सत्र 27 जून से शुरू होगा।

अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने आपातकाल पर करारा हमला बोला। उन्होंने कहा कि आने वाले कुछ महीनों में भारत एक गणतंत्र के रूप में 75 वर्ष पूरे करने जा रहा है। भारतीय संविधान बीते दशकों में हर चुनौती और कसौटी पर खरा उतरा है। देश में संविधान लागू होने के बाद भी संविधान पर कई हमले हुए हैं। 25 जून 1975 को लागू किया गया आपातकाल संविधान पर सीधा हमला था। जब इसे लगाया गया तो पूरे देश में हाहाकार मच गया था, लेकिन देश ने ऐसी संवैधानिक ताकतों पर विजय प्राप्त की है। राष्ट्रपति ने कहा, आपातकाल संविधान का काला अध्याय है, हमें इससे आगाह रहना है और संविधान की हिफाजत के प्रति सचेत रहना है। हमारी सरकार भारतीय संविधान को सिर्फ शासन का माध्यम नहीं बना सकती। हम अपने संविधान को जन चेतना का हिस्सा बनाने का प्रयास कर रहे हैं। इसी के साथ भारत सरकार ने 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में मनाना शुरू किया है। जम्मू-कश्मीर में संविधान पूरी तरह लागू किया गया है, जहां अनुच्छेद 370 के कारण अलग स्थिति बनी हुई थी।राष्ट्रपति ने कहा, मैं 18वीं लोक सभा के सभी नव निर्वाचित सदस्यों को बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं देती हूं। आप सभी यहां देश के मतदाताओं का विश्वास जीतकर आए हैं। देशसेवा और जनसेवा का यह सौभाग्य बहुत कम लोगों को मिलता है। मुझे पूरा विश्वास है कि आप राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ अपना दायित्व निभाएंगे और 140 करोड़ देशवासियों की आकांक्षाओं की पूर्ति का माध्यम बनेंगे।

द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि यह दुनिया का सबसे बड़ा चुनाव था। करीब 64 करोड़ मतदाताओं ने उत्साह और उमंग के साथ अपना कर्तव्य निभाया है।

▶10 पर

> ‘अपने अभिभाषण में राष्ट्रपति ने रखा सरकार का रोडमैप
>
> भारत को बताया दुनिया की सबसे तेज बढ़ती अर्थव्यवस्था’

> ‘अनुच्छेद 370 हटाना और सीएए लाना ऐतिहासिक निर्णय
>
> इस चुनाव की सुखद तस्वीर जम्मू कश्मीर से सामने आई’

आने वाले बजट में कई ऐतिहासिक कदम उठाएगी सरकार

नई दिल्ली, 27 जून (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि आगामी बजट में कई ऐतिहासिक कदम उठाए जाएंगे और प्रमुख आर्थिक फैसले लिए जाएंगे। राष्ट्रपति ने कहा कि अगले संसद सत्र में सरकार द्वारा पेश किया जाने वाला बजट इसकी भविष्योन्मुखी दृष्टि का दस्तावेज होगा। राष्ट्रपति ने कहा कि बजट में बड़े आर्थिक और सामाजिक फैसले होंगे और कई ऐतिहासिक कदम उठाए जाएंगे। लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए ▶10 पर

पेपर लीक के दोषियों को सख्त सजा दी जाएगी

नई दिल्ली, 27 जून (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संसद की संयुक्त बैठक को संबोधित करते हुए यह भी आश्वासन दिया कि सरकार पेपर लीक की हाल की घटनाओं की जांच करने और यह सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है कि दोषियों को सख्त सजा मिले। राष्ट्रपति ने कहा कि उनकी सरकार देश के युवाओं को बड़े सपने देखने और उन्हें हासिल करने में सक्षम बनाने के लिए एक माहौल बनाने के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा, अगर किसी कारण से परीक्षाओं में बाधा ▶10 पर

नीतियों का विरोध अलग, पर संसद में व्यवधान न डालें

नई दिल्ली, 27 जून (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 18वीं लोकसभा की पहली संयुक्त बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि नीतियों का विरोध करना और संसद में बाधा डालना दो अलग-अलग बातें हैं। राष्ट्रपति ने संसद में होने वाले हंगामे और कम कामकाज पर संकेतों में यह बात कही। उन्होंने कहा कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाना देश के प्रत्येक नागरिक की आकांक्षा और संकल्प है और इन आकांक्षाओं को पूरा करने में कोई बाधा नहीं आनी चाहिए। ▶10 पर

मणिपुर में बेतहाशा बसाए जा रहे घुसपैठिए

मणिपुर को ‘कोलंबिया’ बनाने की कोशिश!

> म्यांमार से चीन-कुकी समुदाय के लोग मणिपुर में घुस रहे हैं
>
> फर्जी आधार कार्ड और वोटर आईडी बना कर घुसाया जा रहा

इंफाल, 27 जून (एजेंसियां)। मणिपुर को ड्रग्स का अंतरराष्ट्रीय हब बनाने के लिए म्यांमार से भारी तादाद में अवैध घुसपैठ कराया जा रहा है। मणिपुर की दुर्गम पहाड़ियों में अफीम और गांजे की फसल उगाई जा रही है और ड्रग्स का कारोबार चीन, दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों और सुदूर पश्चिम के ड्रग कार्टेल्स को भी आकर्षित कर रहा है। इसी वजह से मणिपुर में कूकियों और मैतियों का संघर्ष बढ़ा और उसमें कांग्रेस ने कूकियों को बढ़ावा दिया। ईसाई मतावलंबी कूकी समुदाय को अफीम की खेती में महारत हासिल है। अब हालत यह है कि माफिया शक्तियों के साथ-साथ राजनीतिक दल भी भारी मुनाफे के ड्रग्स-उद्योग को मणिपुर में विस्तृत करने में दिलचस्पी दिखा रहे हैं और बाहर से लोगों को लाकर यहां बसा रहे हैं। मणिपुर को ड्रग्स माफिया कोलंबिया की तरह बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

म्यांमार से चीन-कुकी समुदाय के लोग मणिपुर में बेतहाशा घुस रहे हैं। इससे वहां की आबादी (डेमोग्राफी) का संतुलन तेजी से बदल रहा है। संसद में खुद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह इसकी चर्चा कर चुके हैं। अब स्थिति यह आ गई है कि कुकी-जो समुदाय अपने लिए अलग केंद्र शासित प्रदेश मांग करने लगा है। घुसपैठ का सिलसिला 2021 से ही तेजी से बढ़ा है। कुछ अर्सा पहले इंडिजिनस ट्राइबल लीडर्स फोरम (आईटीएलएफ) ने अमित शाह से मिल कर अलग केंद्र शासित प्रदेश बनाने की मांग रखी थी। ज़ो समुदाय के लोगों को ज़ोमी या चीन-कुकी-मिजो भी कहा जाता है। इनमें से अधिकतर म्यांमार के चीन पहाड़ी से आए हैं। यह समुदाय कई अपराधों में शामिल रहता है। खास तौर पर अफीम गांजे की खेती और ड्रग्स के धंधे में यह समुदाय लिप्त है। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना भी कह चुकी हैं कि अमेरिका इन ईसाइयों के लिए अलग मुल्क बनाने की साजिश रच रहा है।

आधिकारिक आंकड़े बताते हैं कि मई 2018 में सिर्फ राजधानी इम्फाल में ही 98 घुसपैठियों को चिह्नित किया गया था। इसी तरह अक्टूबर 2021 में मणिपुर के टेंगनौपल में म्यांमार के 24 घुसपैठिए फर्जी दस्तावेजों के साथ पकड़े गए थे। इससे एक सप्ताह पहले इंफाल एयरपोर्ट से फर्जी आधार कार्ड का इस्तेमाल कर दिल्ली जाने की कोशिश में कुछ घुसपैठिए गिरफ्तार हुए थे। इसी तरह 2023 में 22 और 23 जुलाई को महज दो दिनों में 700 से भी अधिक घुसपैठिए मणिपुर में घुस गए थे। फर्जी दस्तावेज वाले गिरोह से न सिर्फ राष्ट्रीय सुरक्षा, बल्कि चुनावी प्रक्रिया को भी खतरा है। 2023 में कक्चिंग में कुकी ईसाइयों के ध्वस्त हुए घरों में से 1000 से भी अधिक फर्जी आईकार्ड जब्त किए गए थे। सरकार ने आधार कार्ड्स के वेरिफिकेशन की प्रक्रिया तेज की और चुनाव आयोग से लेकर पुलिस तक सब मिल कर इस समस्या से निपटने के लिए काम कर रहे हैं। लेकिन घुसपैठ रुकने का नाम नहीं ले रहा।

▶10 पर

तेलंगाना में तीन नए आपराधिक कानूनों को लेकर तैयारी पूरी

हैदराबाद, 27 जून (एजेंसियां)। तेलंगाना में तीन नए आपराधिक कानूनों भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम को लागू करने की प्रक्रिया चल रही है। तीन नए आपराधिक कानून एक जुलाई से लागू होने जा रहे हैं। इन नए कानूनों के अनुवाद की प्रक्रिया भी चल रही है। इसे भी एक जुलाई से पहले पूरा कर लिया जाएगा।

अधिसूचना का मसौदा तैयार है और अगले कुछ दिनों में नए कानूनों को अधिसूचित कर दिया जाएगा। नए कानूनों को सरकार की योजना के अनुसार लागू किया जाए, इसके लिए विभिन्न स्तरों पर टीमें गठित की गई हैं। पुलिस अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए गए हैं और तेलंगाना राज्य पुलिस अकादमी में आईपीएस अधिकारियों के लिए नए आपराधिक कानूनों पर एक वर्कशॉप भी आयोजित की गई और उन्हें नए कानूनों की भावना के बारे में बताया गया। लोगों को प्रशिक्षित करने और सभी के लिए अध्ययन सामग्री तैयार करने के लिए विशेष टीमें बनाई गई हैं। नए कानूनों के लिए अभियोजकों की टीम ने एसओपी और दिशा-निर्देश तैयार किए हैं और उन्हें सभी फील्ड अधिकारियों के पास भेजा गया है। तेलंगाना के मुख्य सचिव ने हाल ही में स्वास्थ्य, अभियोजकों और कानून विभाग जैसे विभागों के साथ समन्वय बैठक की। पिछले साल 11 अगस्त को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, भारतीय न्याय संहिता विधेयक और भारतीय साक्ष्य अधिनियम विधेयकों के साथ पहली बार लोकसभा में पेश किया गया था। ▶10 पर

संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान ने फिर अलापा कश्मीर राग

भारत ने पाकिस्तान को फिर लगाई लताड़

न्यूयॉर्क, 27 जून (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र में एक बार फिर भारत ने पाकिस्तान को जमकर खरी-खरी सुनाई। दरअसल, पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र के एक सत्र के दौरान जम्मू कश्मीर का मुद्दा उठाया। जिस पर जवाब देते हुए भारत ने जम्मू-कश्मीर पर पाकिस्तान की आधारहीन टिप्पणियों के लिए उसकी आलोचना की। उसने टिप्पणियों को राजनीति से प्रेरित और निराधार बताया। भारत ने कहा कि यह उसके अपने देश में बच्चों के खिलाफ जारी गंभीर उल्लंघनों से ध्यान हटाने का एक और आदतन प्रयास है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बच्चों और सशस्त्र संघर्ष पर खुली बहस के दौरान, संयुक्त राष्ट्र में भारत के उप प्रतिनिधि आर रवींद्र ने बुधवार को कहा कि केंद्र ▶10 पर

‘उड़ता’ पंजाब के बाद अब ‘गिरता’ गुजरात

गुजरात में ड्रग्स से 10 साल में हजार मौतें

कर्णावती, 27 जून (एजेंसियां)। गुजरात में पिछले चार साल में 9680 करोड़ का ड्रग्स जब्त किया गया है और सरकार ने ड्रग्स के बढ़ते उपयोग को रोकने के लिए एंटी ड्रग्स कैंपेन भी शुरू किया है। ड्रग्स का बढ़ रहा सेवन चिंता का विषय बना हुआ है। गुजरात में पिछले 10 साल में ड्रग्स की वजह से 1000 से ज्यादा लोगों की जान गई।गुजरात के युवाओं में पिछले कुछ सालों में ड्रग्स समेत की नशीली दवा की लत चिंताजनक रूप से बढ़ रही है। एक तरफ सरकार ने पिछले चार साल में 9680 करोड़ का ड्रग्स जब्त किया है वहीं दूसरी और गुजरात के युवाओं में ड्रग्स का बढ़ता उपयोग सरकार के लिए और समाज के लिए भी चिंता का विषय बना हुआ है। नेशनल क्राईम रिकॉर्ड्र्स ब्यूरो के अनुसार साल 2013 से 2022 के बीच में गुजरात में ड्रग्स के दुरुपयोग से 645 पुरुष और 66 महिला मिलाकर कुल 711 की मौत हो चुकी है। सबसे ज्यादा मौत साल 2021 में हुई, जिसमें 117 पुरुष और 10 महिलाएं शामिल हैं। ड्रग्स की लत की वजह से आत्महत्या करने वालों में साल 2022 में गुजरात भर में अहमदाबाद टॉप पर रहा। अहमदाबाद में 25, सूरत में पांच और बड़ौदा में एक व्यक्ति ने ड्रग्स के कारण आत्महत्या कर ली। जबकि ड्रग्स के ओ-वरडोज की वजह से पिछले 10 साल में 266 पुरुष और 105 महिला मिलाकर कुल 371 की जान गई।

गुजरात में ड्रग्स का सेवन करने के लिए 3 साल में 528 लोगों को गिरफ्तार किया गया। जिसमें 2020 में 117, 2021 में 200 और 2022 में 211 को गिरफ्तार किया गया। एनडीपीएस एक्ट के तहत साल 2020 में एक, 2021 में दो और 2022 में 3 इस प्रकार 18 से कम उम्र वाले बच्चों के सामने कार्रवाई की गई। महिलाओं की बात करे तो 2020 में 19, 2021 में 28 और 2022 में 32 महिलाओं को गिरफ्तार किया गया। इसके अलावा ड्रग्स की हेरा फेरी करने के जुर्म में साल 2020 में 343, साल 2021 में 479 और साल 2022 में 528 इस प्रकार कुल मिलाकर 1350 की गिरफ्तारी की गई।गुजरात में पिछले 10 सालों में ड्रग्स की वजह से हुई मौतों का आंकड़ा देखें तो आपको हैरत होगी। वर्ष 2013 में ड्रग्स से 61 मौतें हुईं। साल 2014 में 68 मौतें, 2015 में 65 मौतें, 2016 में 50 मौतें, 2017 में 30 मौतें, 2018 में 64 मौतें, 2019 में 75 मौतें, 2020 में 77 मौतें, 2021 में 127 मौतें और साल 2022 में 94 मौतें हुईं।

सीबीआई ने कहा, केजरीवाल के निर्देश पर हुआ घोटाला

लोग कोरोना से मर रहे थे, वे घोटाला रच रहे थे

नई दिल्ली, 27 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने कहा कि दिल्ली में जब कोरोना महामारी अपनी चरम पर थी और लोग मर रहे थे, तब साउथ लॉबी के सदस्य शराब नीति तैयार करने के लिए दिल्ली आए थे। उन्हें मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के निर्देश पर ही बुलाया गया था।

राउज एवेन्यू कोर्ट के विशेष जज अमिताभ रावत की अदालत में केजरीवाल की रिमांड की मांग पर सुनवाई के दौरान सीबीआई के वकील ने कहा कि दिल्ली में जब कोरोना से मौतें हो रही थीं, तब अरविंद केजरीवाल घोटाले की योजना बनाने में लगे थे। केजरीवाल ने एक रिपोर्ट तैयार की और अभिषेक बोइनपल्ली को दी। ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 29^{0}
न्यूनतम : 26^{0}

संविधान रक्षा का प्रहसन खेलते राहुल और अखिलेश की बचकानी हरकतें

आरक्षण विरोधी का ‘पॉकेट प्रोडक्ट संविधान’ लिए घूमते हैं राहुल

नई दिल्ली, 27 जून (एजेंसियां)। आजकल राहुल गांधी को आपने हाथ में भारत का संविधान लिए संविधान रक्षा का प्रहसन खेलते देखे जाते हैं। लाल रंग की डायरी की तरह दिखने वाला भारत के संविधान का पॉकेट वर्जन 20 सेंटीमीटर लंबा और 9 सेंटीमीटर चौड़ा है। इस पर चमड़े की जिल्द चढ़ी हुई है। राहुल गांधी ने लोकसभा चुनाव 2024 के चुनाव प्रचार के दौरान अपनी रैलियों में भी मंच से संविधान की इस पुस्तक को दिखाया और लोगों को डराया कि भाजपा संविधान बदल देना चाहती है। इस डायरी को राहुल गांधी बच्चों के कार्टून फिल्म की तरह अपने पॉकेट से निकलने वाला भूत बनाए रहते हैं। राहुल की देखादेखी अखिलेश यादव भी संविधान का पॉकेट प्रोडक्ट लिए फिरते हैं। 99 सीटों वाले राहुल संविधान का पॉकेट प्रोडक्ट लिए घूमते हैं तो 37 सीटों वाले अखिलेश क्यों न घूमें? वैसे भी भारतीय लोकतंत्र का बोंसाईकरण करने में लगे लोगों को संविधान का बौनापन तो पसंद आएगा ही।

> राहुल बयान दें कि वे गोपाल नारायणन के विचारों से सहमत हैं

▶10 पर

आपातकाल के खिलाफ निंदा प्रस्ताव से राहुल कुपित

नई दिल्ली, 27 जून (एजेंसियां)। आपातकाल के खिलाफ लोकसभा में पारित निंदा प्रस्ताव से कुपित राहुल गांधी आज लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मिले। राहुल ने सत्तारूढ़ गठबंधन के नेताओं द्वारा आपातकाल को लेकर संसद में की गईं टिप्पणियों पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि यह पूर्ण रूप से राजनीति से प्रेरित था और ऐसा नहीं किया जाना चाहिए था। विपक्ष के नेता के रूप में राहुल गांधी ने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष द्वारा आपातकाल पर बयानबाजी को नजरअंदाज किया जा सकता था। लोकसभा में आपातकाल के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पर बोलते हुए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने ▶10 पर

TIBCON CAPACITORS
It's all about SAVING ENERGY AND MONEY
GARG
Garg Power Products Pvt. Ltd.
Cell: -91 99 12 4444 26
-91 99 48 1234 59

पन्नू मामले में भारत की जांच का है इंतजार, अमेरिका ने एनएसए के दौरे के समय भी उठाया था ये मुद्दा

वॉशिंगटन, 27 जून। (एजेंसियां)। अमेरिका ने कहा है कि वह गुरपतवंत सिंह पन्नू के मामले में हो रही भारत की जांच के नतीजों का इंतजार कर रहा है। गौरतलब है कि चरमपंथी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू की अमेरिका में हत्या की कथित साजिश में भारतीय अधिकारी के शामिल होने के आरोप लगे हैं। इस मामले में बीते साल नवंबर में अमेरिका के संघीय अभियोजकों ने भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। निखिल गुप्ता पर भारतीय अधिकारी के साथ मिलकर पन्नू की हत्या की कथित साजिश रचने का आरोप है। आरोपी निखिल गुप्ता को बीते दिनों किया गया था अमेरिका प्रत्यर्पित गुरपतवंत सिंह पन्नू के पास कनाडा और अमेरिका की दोहरी नागरिकता है और वह भारत में वांछित आंतकी है। निखिल गुप्ता को बीते साल जून में चेक गणराज्य में गिरफ्तार किया गया था और उसे बीती 14 जून को ही अमेरिका प्रत्यर्पित किया गया है। अमेरिका के विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर से जब इसे लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि वे (भारतीय अधिकारी) कह रहे हैं कि वे जांच कर रहे हैं और हम भारत की जांच के नतीजों का इंतजार कर रहे हैं। सीनेट की समिति ने विदेश मंत्री को लिखा पत्र अमेरिका की सीनेट की विदेश संबंधी समिति के सदस्यों ने एंटनी ब्लिंकन को पत्र लिखकर अमेरिकी धरती पर एक अमेरिकी नागरिक की कथित हत्या के प्रयास में भारत सरकार की संलिप्तता पर एक मजबूत कूटनीतिक प्रतिक्रिया देने की मांग की गई है।

जब इसे लेकर मिलर से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि हमने पहले भी साफ किया था कि हमने इस मामले को भारत सरकार के समक्ष उठाया था और उन्हें बताया था कि हमें पूरी जांच की उम्मीद है। आरोपों के बाद, भारत ने साजिश पर अमेरिका द्वारा दिए गए इनपुट की आधार पर जांच करने के लिए एक उच्च स्तरीय जांच समिति नियुक्त की थी। मि अमेरिकी एनएसए के भारत दौरे पर भी उठा था ये मुद्दा पिछले सप्ताह अमेरिका के उप-विदेश मंत्री कर्ट कैंपबेल ने अपनी और अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन की भारत यात्रा पर मीडिया ब्रीफिंग के दौरान कहा कि, अमेरिका ने सिख अलगाववादी पन्नू की हत्या की कथित साजिश की भारतीय जांच के बारे में अपडेट के लिए लगातार भारत पर दबाव डाला है।

न्यूज़ ब्रीफ

एक समय ब्रिटेन का ताज रहा एनएचएस खस्ताहाल, आम चुनाव में ये भी बड़ा मुद्दा

लंदन। एक समय ब्रिटेन की पहचान मानी जाने वाली एनएचएस खस्ताहाल है। हालात ये हैं कि ब्रिटेन के लोगों को अब इलाज के लिए दूसरे देशों का रुख करना पड़ रहा है। एनएचएस की खराब व्यवस्था से ब्रिटेन के लोग भी वाकिफ हैं और यही वजह है कि आगामी आम चुनाव में खराब स्वास्थ्य व्यवस्था एक अहम मुद्दा होगा। ब्रिटेन के अस्पतालों में इलाज कराना टेढ़ी खीर हुआ द्वितीय विश्व युद्ध के बाद ब्रिटेन के लोगों को मुफ्त स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया कराने के लिए उद्देश्य से एनएचएस की शुरुआत की गई थी, लेकिन आज यह अपनी शुरुआत के बाद की छाया मात्र है। लगातार कम होती फंडिंग और कोरोना महामारी ने एनएचएस को बेहद कमजोर कर दिया है। स्थिति ये है कि ब्रिटेन के कई इलाकों में आज डॉक्टर या डेंटिस्ट की अपॉइंटमेंट लेना भी मुश्किल होता जा रहा है। आपातकालीन सेवाएं लगभग तय सीमा से ज्यादा काम कर रही हैं। अस्पताल में इलाज के लिए लंबा इंतजार करना पड़ा रहा है। यही वजह है कि 4 जुलाई को होने वाले आम चुनाव में एनएचएस एक बड़ा मुद्दा है। लोग इलाज कराने विदेशों का कर रहे रुख फातमे इब्रीनोवा नामक महिला ने हाल ही में इंग्लैंड के एसेक्स में शहर चेम्सफोर्ड में अपने स्थानीय डॉक्टर से मुलाकात की। इब्रीनोवा को कान के संक्रमण की समस्या थी। डॉक्टर ने तुरंत कान के ऑपरेशन की जरूरत बताई। इब्रीनोवा का कहना है कि मुझे तीन-चार महीने इंतजार करने के लिए कहा गया। ऐसे में इब्रीनोवा ने अपने देश तुर्की जाकर इलाज कराने का फैसला किया है। ब्रिटेन में 75 लाख से ज्यादा लोग अपने इलाज का इंतजार कर रहे हैं और वे प्रतिक्षा सूची में हैं। कंजर्वेटिव पार्टी की सरकार ने हाल ही में एनएसएस में निवेश किया था, लेकिन इसके बावजूद हालात नहीं सुधरे हैं। हाल ही में किए गए एक सर्वेक्षण से पता चला कि ब्रिटेन के एक चौथाई से भी कम लोग ही एनएचएस से संतुष्ट थे। लोगों को खून की जांच के लिए तीन सप्ताह तक इंतजार करना पड़ रहा है। एसेक्स में हर 2300 लोगों पर सिर्फ एक डॉक्टर उपलब्ध है, जो राष्ट्रीय औसत से काफी खराब है। एनएचएस में काम कर रहे डॉक्टर और स्वास्थ्य कर्मी काम के बोझ और कम वेतन से परेशान हैं। पर्याप्त संख्या में नर्सों की कमी भी एक बड़ी समस्या है। कई पेशेवर लोग नौकरी छोड़ रहे हैं या काम के घंटे कम करने की मांग कर रहे हैं।

असांजे ने लोगों की जिंदगी को खतरे में डाला, विकीलीक्स संस्थापक के ऑस्ट्रेलिया पहुंचने पर अमेरिका का बयान

वॉशिंगटन। विकीलीक्स के संस्थापक जूलियन असांजे के आजाद होकर अपने देश ऑस्ट्रेलिया पहुंचने के बाद अमेरिका के विदेश विभाग ने कहा है कि असांजे की गतिविधियों की वजह से कई लोगों की जान खतरे में आ गई थी, खासकर अमेरिका के सहयोगियों की और अमेरिकी राजनयिकों की। गौरतलब है कि अमेरिका के साथ समझौते के बाद जूलियन असांजे की कानूनी लड़ाई का अंत हो गया है। अमेरिकी विदेश विभाग के मैथ्यू मिलर ने दावा किया कि असांजे ने अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों में हस्तक्षेप करने वाले रूसी खुफिया विभाग की गुप्त जानकारी के वाहक के रूप में काम किया। कैनबरा में असांजे का भव्य स्वागत हुआ जूलियन असांजे के ऑस्ट्रेलिया के कैनबरा पहुंचने पर उनका भव्य स्वागत किया गया, कैनबरा हवाई अड्डे पर एकत्र उनके समर्थकों ने असांजे के समर्थन में नारेबाजी की। असांजे ने अपनी पत्नी स्टेला को गले लगाया और अपने समर्थकों की ओर हाथ हिलाया।

नेपाल में भारी बारिश से तबाही, 14 लोगों की मौत, लामजमग में भूस्खलन की वजह से बह गए तीन घर

काठमांडू। नेपाल में पिछले 24 घंटों में भारी बारिश, भूस्खलन और बिजली गिरने के कारण 14 लोगों की मौत हो गई। भूस्खलन के कारण कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच की मौत बिजली गिरने से हुई। वहीं बाढ़ के कारण एक की जान चली गई। लामजमग जिले में रात भर हुए भूस्खलन में तीन घर बह गए। जिला प्रशासक बुद्ध बहादुर गुरुंग ने इसकी जानकारी दी। राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीआरएमए) के प्रवक्ता दीजन भट्टाराई ने कहा, 26 जून को हमने 44 मामले दर्ज किए, जिसमें 14 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। आठ की मौत भूस्खलन के कारण, बिजली गरजने से पांच की मौत और बाढ़ में डूबने से एक की मौत हो गई। भूस्खलन के कारण दो लोग लापता हो गए, जबकि अन्य 10 घायल है। नेपाल के गृह मंत्रालय के अनुसार, मानसून के शुरू होने के बाद भारी बारिश और भूस्खलन के कारण अबतक 27 लोगों की मौत हो चुकी है।

बोलीविया में तख्तापलट की कोशिश नाकामयाब, बैरकों में लौटे सैनिक, राष्ट्रपति बोले- लोकतंत्र की रक्षा...

सूक्रे, 27 जून (एजेंसियां)। बोलीविया की राजनीति में सियासी भूचाल आ गया है। दक्षिण अमेरिकी देश बोलीविया में टैंक और सैनिकों ने राष्ट्रपति भवन का दरवाजा तोड़ने की कोशिश की। राष्ट्रपति लुइस आर्से ने इसे तख्तापलट की कोशिश बताया। हालांकि, आर्से ने तख्तापलट की कोशिश के नाकामयाब होने के बाद लोगों को धन्यवाद दिया।

जनरल कमांडर को किया गिरफ्तार

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, सैनिकों के चौक से पीछे हटने के बाद बोलीविया के अधिकारियों ने सेना के निवर्तमान जनरल कमांडर जुआन जोस जुनिगा को गिरफ्तार कर लिया। वहीं, नवनियुक्त सेना प्रमुख जोस विल्सन सांचेज ने सभी सैनिकों को अपने बैरकों में लौटने का आदेश दिया।

सैनिक पीछे हटे

सशस्त्र सैनिक ला पाज के मुख्य चौराहे मुरिलो प्लाजा के आसपास इकट्ठा हुए, जहां राष्ट्रीय कार्यकारी और विधायी कार्यालय स्थित हैं। इसका एक वीडियो सामने आया है, जिसमें आर्से को राष्ट्रपति भवन के दालान में जुनिगा का सामना करते हुए दिखाया गया है। राष्ट्रपति भवन में मंत्रियों से घिरे आर्से ने एक वीडियो में कहा, देश तख्तापलट की कोशिश का सामना कर रहा है। हम यहां कासा ग्रांडे में किसी भी तख्तापलट की कोशिश का सामना करने के लिए मजबूती से तैयार हैं। हमें बोलिवियाई लोगों को संगठित करने की जरूरत है।

सेना के जनरल कमांडर जुआन जोस जुनिगा के नेतृत्व में सैनिकों ने राष्ट्रपति भवन के आसपास के क्षेत्र से पीछे हटना शुरू कर दिया। हालांकि, इस बीच आर्से ने नौसेना व वायु सेना के प्रमुखों के साथ जुनिगा को बाहर का रास्ता दिखा दिया। राष्ट्रपति ने कहा कि बोलिवियाई लोगों को बहुत धन्यवाद, लोकतंत्र जिंदाबाद।

इस तरह का व्यवहार बर्दाश्त नहीं

बोलीविया के राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर, मैं आपका कैप्टन हूं और मैं आपको सैनिकों को पीछे हटाने का आदेश देता हूं। मैं इस तरह का व्यवहार बर्दाश्त नहीं करूंगा। लोकतंत्र की रक्षा करना जरूरी है। हम बोलीविया सेना की कुछ इकाइयों की अनियमित लामबंदी की निंदा करते हैं। लोकतंत्र का सम्मान किया जाना चाहिए।

नवनियुक्त सेना प्रमुख जोस विल्सन सांचेज ने सभी तैनात सैनिकों को अपने बैरक में लौटने का आदेश देते हुए कहा कि हम जो सड़कों पर देख रहे हैं, इसे कोई भी नहीं देखना चाहता।

आपराधिक जांच होगी

सरकारी अभियोजक के कार्यालय ने कहा कि वह सरकार के खिलाफ असफल प्रयास के पीछे के लोगों की आपराधिक जांच शुरू करेगा। बोलीविया के पूर्व राष्ट्रपति इवो मोरालेस ने भी इस घटना की निंदा की। मोरालेस, जो सार्वजनिक रूप से अपने एक समय के सहयोगी आर्से से अलग हो गए थे, उन्होंने लोकतंत्र की रक्षा के लिए ग्रामीण इलाकों और शहर के सामाजिक आंदोलनों का भी आह्वान किया।

सेना का कदम लोकतंत्र पर हमला

चुनावों में धोखाधड़ी के आरोपों पर बढ़ते विरोध के बाद मोरालेस ने 2019 में इस्तीफा दे दिया था। उस समय उन्होंने दावा किया कि उन्हें तख्तापलट में मजबूर किया गया था। लैटिन अमेरिकी नेताओं और संगठनों ने भी इस प्रयास पर चिंता व्यक्त की, ब्राजील, मैक्सिको, क्यूबा, चिली, पेरू, होंडुरास, पैराग्वे और कोलंबिया जैसे देशों के अधिकारियों ने सेना के कदमों को लोकतंत्र पर हमला बताया। रिपोर्ट के अनुसार, व्हाइट हाउस के एक प्रवक्ता ने कहा कि अमेरिका शांति और संयम का आग्रह करता है और बाइडन प्रशासन घटनाक्रम की निगरानी कर रहा है। ऑर्गनाइजेशन ऑफ अमेरिकन स्टेट्स (ओएएस) के नेता लुइस अल्माग्रो ने राष्ट्रीय भवन के दरवाजे पर एक टैंक के टकराने की खबरों के बाद कहा कि हमने बोलीविया में हुई घटनाओं की निंदा की। सेना को खुद को वैध रूप से चुनी गई नागरिक शक्ति के सामने सौंपना चाहिए।

पत्नी और दो बच्चों को कार समेत पहाड़ी से नीचे गिराया, भारतीय मूल के आरोपी डॉक्टर को नहीं मिली जेल की सजा

वॉशिंगटन, 27 जून। (एजेंसियां)। अमेरिका की अदालत ने, अपनी पत्नी और दो बच्चों को कार समेत पहाड़ी से गिराने के आरोप में भारतीय मूल के एक डॉक्टर को जेल भेजने से इनकार कर दिया है। अदालत ने आरोपी को फिलहाल उसके माता-पिता के पास रहने और देश से बाहर न जाने का आदेश दिया है। साथ ही आरोपी का ड्राइविंग लाइसेंस भी जब्त कर लिया गया है।

मानसिक स्वास्थ्य के आधार पर अदालत ने दी राहत

दरअसल मनोवैज्ञानिकों ने अदालत को बताया कि कैलिफोर्निया में रेडियोलॉजिस्ट धर्मेश पटेल पिछले साल से ही मानसिक समस्या से जूझ रहे हैं और इसी के चलते उन्होंने अपने पत्नी और सात और चार साल की दो बच्चों को अपनी टेस्ला कार समेत पहाड़ी से नीचे गिरा दिया। डॉक्टरों के अनुसार, पटेल दुर्घटना से कुछ सप्ताह पहले सिजोफेक्टिव डिसऑर्डर और मेजर डिप्रेसिव डिसऑर्डर से पीड़ित थे। उन्हें पैरों की पदचाप का लगातार आभास हो रहा था और उन्हें लगता था कि कोई उनका पीछा कर रहा है। मनोवैज्ञानिकों ने अदालत को बताया कि पटेल को उनके बच्चों के साथ यौन तस्करी होने का डर था और उसी डर के चलते और बच्चों और पत्नी को कथित तौर पर बचाने के लिए ही उन्होंने पत्नी समेत बच्चों की हत्या करने की कोशिश की।

पत्नी की मांग- पति के खिलाफ न चलाया जाए मुकदमा

भारतवंशी डॉक्टर धर्मेश पटेल ने एक चट्टान से अपनी टेस्ला कार को नीचे गिरा दिया था। हालांकि इस दुर्घटना में डॉक्टर का परिवार चमत्कारिक रूप से बच गया था। बचाए जाने के बाद डॉक्टर की पत्नी ने माना कि उसके पति ने जानबूझकर उन्हें पहाड़ी से गिराया, लेकिन उन्होंने ये भी कहा कि वह नहीं चाहतीं कि उनके पति पर मुकदमा चलाया जाए। डॉक्टरों और वकीलों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने मानसिक स्वास्थ्य के आधार पर आरोपी डॉक्टर को जेल की सजा के बजाय मानसिक उपचार की अनुमति दे दी। अमेरिका का कानून कहता है कि इस तरह के प्रावधान पर तभी विचार हो सकता है।

समलैंगिक संबंधों के दोषी पूर्व सैनिकों को राष्ट्रपति का क्षमादान, व्हाइट हाउस ने कहा- ऐतिहासिक गलती सुधारी

वॉशिंगटन,27 जून (एजेंसियां)। राष्ट्रपति बाइडन ने एक बयान में कहा, आज, मैं अपने क्षमादान अधिकार का उपयोग करके कई पूर्व सेवा सदस्यों को क्षमा करने के लिए एक ऐतिहासिक गलती को सही कर रहा हूं, जिन्हें केवल उनकी पहचान के कारण दोषी ठहराया गया था। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने अमेरिका के पूर्व सैन्यकर्मियों को क्षमादान दिया, जिन्हें सैन्य कानूनों के तहत समलैंगिक यौन संबंध बनाने का दोषी ठहराया गया था। अमेरिकी सेना में बीते 60 वर्षों से समलैंगिक यौन संबंधों को गैरकानूनी घोषित किया हुआ था। बाइडन ने सैन्य कानूनों के तहत साल 1951 से लेकर 2013 के बीच समलैंगिक संबंधों के दोषी करार दिए गए दो हजार लोगों को क्षमादान दिया।

देशभक्त अमेरिकियों ने दशकों तक अन्याय झेला

राष्ट्रपति बाइडन ने एक बयान में कहा, आज, मैं अपने क्षमादान अधिकार का उपयोग करके कई पूर्व सेवा सदस्यों को क्षमा करने के लिए एक ऐतिहासिक गलती को सही कर रहा हूं, जिन्हें केवल उनकी पहचान के कारण दोषी ठहराया गया था। उनके साहस और महान बलिदान के बावजूद, हजारों समलैंगिक सैनिकों को उनकी लिंग पहचान के कारण सेना से बाहर कर दिया गया। इनमें से कुछ देशभक्त अमेरिकियों को कोर्ट-मार्शल का सामना करना पड़ा और दशकों तक इस अन्याय का बोझ ढोया।

ऐतिहासिक गलती सुधारी

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरीन जीन-पियरे ने इस कदम को एक ऐतिहासिक गलती को सुधारने की दिशा में बढ़ाया गया कदम बताया और कहा कि अमेरिकी सेना का हर सदस्य सुरक्षित और सम्मानित महसूस करने का हकदार है। अमेरिकी सेना के यूनिफ़ॉर्म कोड ऑफ़ मिलिट्री जस्टिस के अनुच्छेद 125 के तहत आपसी सहमति से भी समान या विपरीत लिंग के किसी अन्य व्यक्ति के साथ अप्राकृतिक शारीरिक संबंध बनाना अपराध था।

उत्तर कोरिया ने बहु-युद्धक मिसाइल का सफलतापूर्वक परीक्षण किया

प्योंगयांग, 27 जून (एजेंसियां)। उत्तर कोरिया ने बुधवार को बहुयुद्धक मिसाइल का सफलतापूर्वक परीक्षण किया। उत्तर कोरिया सरकारी समाचार एजेंसी केसीएनए ने गुरुवार को यह जानकारी दी। एजेंसी ने बताया कि परीक्षण में 170 से 200 किलोमीटर के दायरे में एक मध्यवर्ती दूरी की ठोस-ईंधन बैलिस्टिक मिसाइल के पहले चरण के इंजन को शामिल किया गया जो व्यक्तिगत मोबाइल वारहेड्स की अधिकतम सुरक्षा सुनिश्चित करने और उड़ान विशेषताओं को मापने के लिए अनुकूल है।

केसीएनए ने बताया कि अलग किए गए हथियारों को तीन लक्ष्यों तक सही ढंग से निर्देशित किया गया था। इसके साथ ही मिसाइल से अलग किए गए डिकॉय की प्रभावशीलता को हवाई रडार के जरिए भी सत्यापित किया गया। रिपोर्ट में कहा गया है कि नवीनतम परीक्षण का उद्देश्य उत्तर कोरिया द्वारा मल्टीपल इंडिपेंडेंट टारगेटेबल रीएंट्री व्हीकल (एमआईआरवी) क्षमता को सुरक्षित करना है। उत्तर कोरिया ने कथित तौर पर जापान सागर की ओर कल ही एक बैलिस्टिक मिसाइल दागी। दक्षिण कोरियाई समाचार एजेंसी योनहाप ने एक सैन्य सूत्र के हवाले से कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि उत्तर कोरिया ने एक हाइपरसोनिक मिसाइल का परीक्षण किया है, लेकिन माना जाता है कि परीक्षण विफल हो गया। जापानी प्रसारक एनएचके ने एक सरकारी सूत्र का हवाला देते हुए बताया कि ऐसा प्रतीत होता है कि उत्तर कोरिया की मिसाइल जापान के विशेष आर्थिक क्षेत्र के बाहर गिरी है। जापानी और दक्षिण कोरियाई विदेश मंत्रालयों और अमेरिकी विदेश विभाग ने उत्तर कोरिया के नवीनतम मिसाइल प्रक्षेपण की निंदा की।

आसियान देशों ने अंतरराष्ट्रीय अपराध के खिलाफ कड़ा रुख करने का लिया संकल्प

वियनतियाने, 27 जून (एजेंसियां)। दक्षिण-पूर्व एशियाई राष्ट्रों के संगठन (आसियान) के सदस्य देशों ने अंतरराष्ट्रीय अपराध के खिलाफ अपने रुख को सख्त करने का संकल्प लिया है, साथ ही अंतरराष्ट्रीय अपराध पर 24वीं आसियान वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक (एसओएमटीसी) के दौरान मजबूती से सहयोग देने पर जोर दिया।लाओ सुरक्षा समाचार की ओर से गुरुवार को प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार 24वीं एसओएमटीसी और इससे संबंधित बैठकें बुधवार को लाओ की राजधानी वियनतियाने में शुरू हुईं। बैठक नीतियों, योजनाओं और परियोजनाओं को तैयार करेगी और आसियान क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय अपराध के खिलाफ लड़ाई में शामिल कार्यों के कार्यान्वयन का समन्वय करेगी। बैठक के दौरान प्रतिनिधि अपने विचार साझा करेंगे तथा क्षेत्र और विश्व में अपराध की स्थिति और प्रवृत्तियों का आकलन करेंगे। आने वाले दिनों में अंतरराष्ट्रीय अपराध के संबंध में आसियान सदस्य देशों के बीच अधिक जानकारी साझा की जाएगी। साथ ही कानून प्रवर्तन अधिकारियों की क्षमता बढ़ाई जाएगी। आसियान देश इस क्षेत्र में अपने सहयोग को मजबूत करेंगे तथा अंतरराष्ट्रीय अपराध से निपटने के लिए समूह की क्षमता बढ़ाने के लिए भागीदार देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों से अधिक तकनीकी सहायता और धन जुटाएंगे।

स्ट्राइकर लड़ाकू वाहन को बनाने में भारत ने दिखाई दिलचस्पी, अमेरिका ने दिया बड़ा संकेत

वॉशिंगटन, 27 जून (एजेंसियां)। वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर भारत और चीन के बीच तनाव अभी भी बरकरार है। चीन की हरकतों और नापाक मंसूबों को ध्यान में रखते हुए भारत भी लगातार अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है। सेना पूर्वी लद्दाख जैसे ऊंचाई वाले इलाकों में सैनिकों को मोबाइल (स्वचालित) बख्तरबंद सुरक्षा वाहन उपलब्ध कराने की दिशा में काम कर रही है। अब अमेरिका ने संकेत दिया है कि आठ पहियों वाले बख्तरबंद पैदल सेना के लड़ाकू वाहन (आईसीवी) स्ट्राइकर की नई पीढ़ी को साथ मिलकर बनाने के संबंध में बात आगे बढ़ गई है।

अमेरिकी उप विदेश मंत्री कर्ट कैंपबेल ने संकेत दिया कि स्ट्राइकर की नवीनतम पीढ़ी को मिलजुलकर बनाने के संबंध में अमेरिका और भारत के बीच बातचीत नई दिल्ली में हुई बैठकों के बाद आगे बढ़ गई है।

नई दिल्ली यात्रा के दौरान बातचीत आगे बढ़ी

हाल ही में व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन नई दिल्ली की यात्रा पर आए थे। इस दौरान भारत और अमेरिका ने उच्च प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने पर सहमति जताई। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से भी मुलाकात की थी। महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकी (आईसीईटी) पर अमेरिका-भारत पहल की प्रमुख बैठकों में सुलिवन के साथ कैंपबेल भी मौजूद रहे थे।

कैंपबेल ने आईसीईटी समीक्षा के लिए नई दिल्ली का दौरा करने के एक सप्ताह बाद एक ऑनलाइन ब्रीफिंग की। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत ने बैठकों के दौरान स्ट्राइकर लड़ाकू वाहन के सह-उत्पादन में रुचि दिखाई है। अमेरिकी सेना भारतीय सेना के सामने स्ट्राइकर की क्षमताओं का प्रदर्शन करेगी।

रूस पर खत्म होगी निर्भरता

भारत ने देश की सैन्य क्षमताओं को बढ़ावा देने के लिए स्ट्राइकर बख्तरबंद वाहनों का सह-उत्पादन करने की योजना बनाई है। इस सौदे के पूरा होने के बाद स्ट्राइकर का विदेश में पहला उत्पादन शुरू हो जाएगा। इस समझौते से न केवल भारत के लिए आर्थिक रूप से एक वरदान हो सकता है, बल्कि यह देश को रूसी हथियारों पर निर्भरता कम करने में भी मदद कर सकता है।

रूस रक्षा हथियारों का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता बना हुआ है, जो भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले हथियारों का लगभग 60 प्रतिशत हिस्सा है।

जब उनसे पूछा गया कि अमेरिका भारत के साथ संवेदनशील प्रौद्योगिकी साझा करने के बारे में कितना चिंतित है, जिस तक रूस की पहुंच हो सकती है, तो कैंपबेल ने जवाब दिया, हमने स्पष्ट किया है कि भारत और रूस के बीच जारी संबंधों से कौन से क्षेत्र (सैन्य और तकनीकी रूप से) प्रभावित हो सकते हैं। मुझे लगता है कि हम उन कुछ जुड़ावों को कम करने के लिए जो भी कदम उठा सकते हैं, उठाएंगे और हमने कुछ चिंताएं व्यक्त की हैं।

हस्ताक्षर करने का इंतजार

कैंपबेल ने भारत को एमक्यू-9बी ड्रोन की स्थिति पर भी सवालों का जवाब देते हुए कहा कि ड्रोन के लिए प्रस्ताव और स्वीकृति का पत्र मार्च की शुरुआत में भारत को दिया गया था। उन्होंने कहा, फिलहाल हम आगे बढ़ने के लिए हस्ताक्षर का इंतजार कर रहे हैं। जनरल एटॉमिक्स इस बिक्री के ब्योरे के लिए भारतीय रक्षा मंत्रालय के साथ बातचीत कर रहा है।

दो लाख सुरक्षाकर्मियों की निगरानी में अमरनाथ यात्रा

- पहला दर्शन 29 जून को, पहला जत्था आज रवाना होगा
- 135 से अधिक लंगर लगे, सैकड़ों ड्रोन भी सेवा में तैनात

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 27 जून।

शुक्रवार यानि 28 जून की सुबह जम्मू से पहला जत्था बाबा अमरनाथ की पवित्र यात्रा के लिए रवाना होगा। अगर मौसम ने साथ दिया तो 29 जून की शाम को ही पहले जत्थे के श्रद्धालु 14500 फुट की ऊंचाई पर बनने वाले हिमलिंग के प्रथम दर्शन करेंगे। यात्रा में शामिल होने जा रहे लाखों श्रद्धालुओं की सेवा के लिए लखनपुर से लेकर पवित्र गुफा तक 135 से अधिक लंगरों की व्यवस्था स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा की गई है। यही नहीं सेना समेत दो लाख से अधिक सुरक्षाकर्मी करीब 52 दिनों तक लखनपुर से लेकर गुफा तक श्रद्धालुओं की सेवा में लगे रहेंगे।

प्रतिदिन 15 हजार श्रद्धालुओं को पहलगाम तथा बालटाल के रास्ते यात्रा में शामिल होने की अनुमति दी गई है। अभी तक करीब तीन लाख श्रद्धालुओं ने अपना पंजीकरण विभिन्न माध्यमों से करवाया है जबकि 26 जून से आन स्पाट पंजीकरण

की आरंभ हो चुका है। यात्रा का मुख्य बेस कैंप जम्मू के यात्री भवन में बनाया गया है जहां पिछले कई दिनों से चल रही तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया गया है।

जम्मू से लेकर बालटाल तथा पहलगाम तक के यात्रा मार्ग की सुरक्षा को केरिपुब के हवाले किया जा चुका है। पहलगाम से गुफा तथा बालटाल से गुफा तक के रास्तों पर सेना और बीएसएफ भी स्थानीय पुलिस का साथ दे रही है। जबकि गुफा के बाहर इस बार सुरक्षा का जिम्मा आईटीबीपी के हवाले है। अनुमानतः दो लाख से अधिक सुरक्षाकर्मी यात्रा के मोर्चे पर तैनात किए जा चुके हैं। यही नहीं प्रदेश के सभी कर्मचारी और अधिकारी तक का ध्यान अब अमरनाथ यात्रा के प्रति ही इसलिए है क्योंकि यह अब धार्मिक से राष्ट्रीय यात्रा का रूप धारण कर चुकी है जिस कारण आतंकी नजरें भी इस पर टिकी हुई हैं।

आने वाले करीब 8 से 10 लाख श्रद्धालुओं के लिए 135 से अधिक लंगरों की स्थापना के साथ-साथ ठहरने की व्यवस्था का इंतजाम पूरा हो चुका था। स्वास्थ्य सेवाएं हाई अलर्ट पर कर दी गई थीं क्योंकि पिछले कई सालों से यात्रा में शामिल होने वालों में 100 के करीब प्रतिवर्ष हृदय गति रुकने से मौत के मुंह में जा रहे हैं।

आतंकियों से निपटने की तैयारियों में कहीं ढील नहीं है। इसकी पुष्टि वे सुरक्षाधिकारी कर रहे हैं जिनके जिम्मे अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा का भार है। केंद्र की ओर से अतिरिक्त सुरक्षाबलों को अमरनाथ यात्रा मार्ग, गुफा के आसपास के इलाकों और यात्रियों की सुरक्षा की खातिर आधार शिविरों व राजमार्ग पर तैनात किया जा चुका है। अंदाजन दो लाख सुर-क्षाकर्मियों को अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा के लिए तैनात कर दिया गया है। इसमें वे सैनिक शामिल नहीं हैं जो रूटीन में आतंकवादग्रस्त क्षेत्रों में अपने आतंकवाद विरोधी अभियान चलाते रहते हैं। सैकड़ों की तादाद में ड्रोन और मुश्की कुत्ते भी श्रद्धालुओं की सेवा में लगाए जा चुके हैं। आतंकी खतरे को देखते हुए अब सभी राजमार्गों पर स्थानीय लोगों के लिए सुबह कई घंटों की रोडबंदी भी घोषित की जा चुकी है।

अधिकारियों के मुताबिक, आतंकवादियों और उनकी हरकतों पर नजर रखने के लिए वायुसेना की भी मदद मांगी गई है। ऐसा इसलिए किया गया है क्योंकि अमरनाथ यात्रा पहाड़ों से हो कर गुजरती है और पहाड़ों के चप्पे चप्पे पर सैनिकों को तैनात नहीं किया जा सकता। इसी प्रकार राष्ट्रीय राजमार्ग पर भी अमरनाथ यात्रा के जत्थों की सुरक्षा के लिए वायुसेना के लड़ाकू हेलिकाप्टरों को भी तैनात किया गया है।

रोगाणुरोधी चुनौती से निपटने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता: पाल

नई दिल्ली, 27 जून (एजेंसियां)। नीति आयोग में स्वास्थ्य सदस्य डॉ. विनोद पॉल ने कहा है कि जूनोसिस- रोगाणुरोधी प्रतिरोध (एएमआर), खाद्य सुरक्षा और जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न गंभीर स्वास्थ्य चुनौतियों के मुद्दे आपस में जुड़े हुए हैं और मानव स्वास्थ्य, पशु स्वास्थ्य और पर्यावरण क्षेत्रों के बीच की खाई को पाटने के लिए एक व्यापक और बहु आयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है।

डॉ. पाल ने गुरुवार को यहां वन हेल्थ पहल के लिए कानूनी पर्यावरण मूल्यांकन पर दो दिवसीय राष्ट्रीय परामर्श का उद्घाटन करते हुए कहा कि विभिन्न आवश्यकताओं के अनुरूप, भारत ने रोगाणुरोधी प्रतिरोध के कारण उत्पन्न मुद्दों के समाधान के लिए राष्ट्रीय कार्य योजना-द्वितीय तैयार करना शुरू की है।

इसके लिए वन हेल्थ मिशन की अवधारणा बनाई है और जलवायु परिवर्तन के व्यापक मुद्दों पर काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वन हेल्थ लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित करने के लिए, राज्य की भागीदारी, भारतीय कानूनों को अंतर्राष्ट्रीय कानूनों के साथ अनुरुप करना और विभिन्न क्षेत्रों को जोडने की आवश्यकता है। डॉ. पाल ने कहा कि वन हेल्थ पहल को सुदृढ़ करने के लिए कानूनी रूपरेखा के लिए राष्ट्रीय परामर्श न केवल महत्वपूर्ण है, बल्कि समयानुकूल भी है। उन्होंने कहा कि कोविड 19 ने जूनोटिक रोगों के महत्व और मानव, पशु और पौधे पारिस्थितिकी तंत्र के बीच जटिल संबंधों पर अपना ध्यान केंद्रित करने के लिए मजबूर किया है।

इस अवसर पर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सचिव अपूर्व चंद्रा, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की सचिव लीना नंदन और विधि एवं न्याय मंत्रालय के सचिव राजीव मणि भी उपस्थित थे। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, नीति आयोग, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, विधि एवं न्याय मंत्रालय तथा पशुपालन एवं डेयरी विभाग ने वन हेल्थ के लिए एकीकृत कानूनी एवं नीतिगत रूपरेखा तय करने के लिए एक साथ काम करना आरंभ किया है। श्री चंद्रा ने कहा कि मनुष्यों को प्रभावित करने वाली 75 प्रतिशत से अधिक बीमारियाँ जूनोटिक बीमारियाँ हैं तथा स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय वन हेल्थ दृष्टिकोण से मानव-पशु-पौधे संपर्क जोखिमों को रोकने और प्रबंधित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि वन हेल्थ एक बहु- आयामी और बहुपक्षीय पहल है जिसे जमीनी स्तर पर सफल करने के लिए सामूहिक और समन्वित कार्रवाई की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि राज्यों को जूनोटिक और अन्य बीमारियों की निगरानी, रोकथाम और प्रबंधन में मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत के मौजूदा विधायी ढांचे में मानव स्वास्थ्य, पशु स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण के लिए अलग-अलग कानून हैं, लेकिन क्षेत्रीय प्राथमिकताओं के कारण कुछ अंतर और दोहराव हैं।

लोकसभा अध्यक्ष को अपना व्यवहार बदलना होगा : फारूक अब्दुल्ला

श्रीनगर, 27 जून (एजेंसियां)। नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के अध्यक्ष और जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने गुरुवार को कहा कि अगर लोकतंत्र को जीवित रखना है तो इसके लिए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को अपना व्यवहार बदलना होगा।

श्री अब्दुल्ला ने एक्स पर नेकां के आधिकारिक पेज पर एक वीडियो साझा कर कहा कि अब सत्ता पक्ष को प्रचंड बहुमत नहीं है। मुझे उम्मीद है कि यह बदल जाएगा। लोकतंत्र को बचाए रखना है तो इसके लिए लोकसभा अध्यक्ष को अपने व्यवहार को बदलना होगा। यह एक नई चीज़ है। श्री अब्दुल्ला ने यह बात नेशनल कॉन्फ्रेंस के सांसद आगा सैयद रूहुल्लाह मेहदी की धारा 370 और एक पूर्व सांसद को मुस्लिम आतंकवादी टैग को लेकर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के साथ तीखी नोकझोंक के एक दिन बाद कही।

उन्होंने कहा कि मुझे खुशी है कि सभी विपक्ष संविधान के साथ खड़े हैं और मुझे उम्मीद है कि वे संविधान को समाप्त करने की बजाय संविधान को मजबूत करेंगे। उन्होंने कहा कि अब एक विपक्ष है, एक मजबूत विपक्ष और युवा विपक्ष है जो संसद में लोगों की समस्याओं को उठाना चाहता है। नेकां के वरिष्ठ नेता ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि लोकसभा अध्यक्ष उन समस्याओं को लोगों के सामने लाने की अनुमति देंगे, अन्यथा इस संसद का कोई मतलब नहीं है।

कांग्रेस का लोकतंत्र और लोकतांत्रिक व्यवस्था में यकीन नहीं : भाजपा

नई दिल्ली, 27 जून (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने संसद में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के अभिभाषण में आपातकाल के उल्लेख पर कांग्रेस की प्रतिक्रिया पर कटाक्ष करते हुए गुरुवार को कहा कि कांग्रेस लोकतंत्र एवं लोकतांत्रिक व्यवस्था में यकीन नहीं करती है, तभी आपातकाल की चर्चा से वह परेशान हो जाती है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने संवाददाताओं से कहा कि आपातकाल लगे 50 साल हो गए। कल लोकसभा अध्यक्ष ने भारत के लोकतंत्र के काले अध्याय की चर्चा की और आज राष्ट्रपति ने भी अपने अभिभाषण में आपातकाल की चर्चा की। उन्होंने कहा, सबसे आश्चर्य की बात यह है कि 50 साल बाद भी कांग्रेस पार्टी अपने इस पाप को ढो रही है। इसकी चर्चा होते ही तल्खी लग जाती है, कांग्रेस पार्टी छटपटाने लग जाती है। श्री प्रसाद ने कहा कि वरिष्ठ पत्रकारों को मीसा के तहत गिरफ्तार कर लिया गया। प्रेस को सेंसर कर दिया गया और इंडियन एक्सप्रेस का प्रकाशन बंद कर दिया गया। किसी को भी सरकार के खिलाफ कुछ भी लिखने की इजाजत नहीं थी। जबरन नसबंदी की गई थी।

भाजपा नेता ने कहा कि सरकार के खिलाफ आप एक शब्द भी नहीं लिख सकते थे। हजारों की संख्या में जबरन नसबंदी की गई थी, दिल्ली में तुर्कमान गेट को नेस्तनाबूद कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि एडीएम जबलपुर मामले में न्यायमूर्ति एच आर खन्ना ने कहा था कि आपातकाल के बावजूद लोगों के मौलिक अधिकार नष्ट नहीं होंगे, तो उन्हें एक महीने के लिए भी भारत का मुख्य न्यायाधीश नहीं बनने दिया गया था। उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों को पद से हटा दिया गया क्योंकि उन्होंने अनुकूल निर्णय नहीं दिये। श्री प्रसाद ने कहा, कांग्रेस न तो लोकतंत्र में विश्वास करती है और न ही लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में। आपातकाल का जिक्र और चर्चा मात्र से राहुल गांधी और उनकी पार्टी परेशान हो जाती है।

चमलियाल मेले में न दिल मिले और न बंटा शक्कर-शर्बत

चमलियाल सीमा चौकी (जम्मू सीमा से), 27 जून (ब्यूरो)। चमलियाल सीमा चौकी पर हर साल अद्भभुत नजारा होता था जब सीमा पर बंदूकें शांत होकर झुक जाती थीं और दोनों देशों की सेनाएं शक्कर और शर्बत बांटती दिखती थीं।

जीरो लाइन पर बीएसएफ के अफसर पाक रेंजरों अफसरों को गले लगाते थे तो जैसे समय रुक जाता था।

एतिहासिक क्षण कैमरों में कैद हो जाते थे। लेकिन पाक रेंजरों के अड़ियल रवैये ने इस नजारे से लोगों को लगातार 7वीं बार वंचित रखा है।

यही कारण था कि पंजाब के फिरोजपुर से आने वाले लखबर बग्गा और उड़ीसा से आए रतिकांत पहली बार चमलियाल मेले में आए तो सही लेकिन उन्हें निराशा ही हाथ लगी।

वे इस मेले के बारे में कई साल से सुन रहे थे और पहली बार आने पर उन्हें मालूम हुआ कि इस बार भी दोनों मुल्कों के बीच शक्कर और शर्बत का आदान प्रदान नहीं हुआ जो इस मेले का मुख्य आकर्षण हुआ करता था और लगातार 7वें साल यह परंपरा टूट गई। जम्मू से करीब 45 किमी की दूरी पर रामगढ़ सेक्टर में एक बार फिर वह अद्भुत नजारा देखने आई हजारों की भीड़ को निराशा ही हाथ लगी।

स्वास्थ्य मंत्री नड्डा का हिमाचल को बड़ा तोहफा, आठ मिनट में अस्पताल तैयार

शिमला, 27 जून (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में अब कहीं भी बड़ी प्राकृतिक आपदा या फिर मानवीय संकट के दौरान भीष्म प्रोजेक्ट के जरिए तत्काल चिकित्सा सहायता प्रदान की जा सकेगी।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सहयोग से अखिल भारतीय आर्युविज्ञान संस्थान (एम्स) बिलासपुर में आपदा अस्पताल अरोग्य मैत्री उपलब्ध होगा। अगले दो से तीन महीनों के अंदर एम्स में यह महत्त्वपूर्ण सुविधा उपलब्ध हो जाएगी। खास बात यह है कि आपात स्थिति में जरूरत पडऩे पर मोबाइल यूनिट को हेलिकॉप्टर या

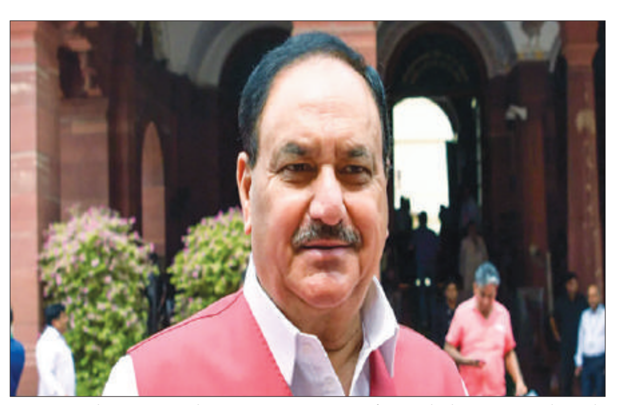

फिर ट्रक के माध्यम से स्पॉट पर ले जाया जाएगा। कहीं भी आपदा होने पर इस अस्पताल को महज आठ मिनट में तैयार कर मरीजों का इलाज शुरू किया जा सकता है। लगभग 720 किलो के 36 बॉक्स में इसका सारा सामान आ जाता है, जिसे हेलिकॉप्टर से नीचे फेंकने पर भी बॉक्स नहीं टूटते हैं और न ही पानी का असर होता है।

बिलासपुर के उपायुक्त आबिद हुसैन सादिक ने बताया कि एम्स बिलासपुर में भीष्म प्रोजेक्ट के तहत मोबाइल अस्पताल की सुविधा अगले दो से तीन महीने में शुरू हो जाएगी। कहीं भी बड़ी आपदा व घटना होने पर त्वरित उपचार के लिए एम्स के डॉक्टर्स टीम व अन्य स्टाफ पूरे सेट के साथ स्पॉट पर पहुंचेंगे और एक साथ 200 घायलों का इलाज किया जा सकेगा। सेट में एक्स-रे, ब्लड सैंपल, वेंटिलेटर, आ-परेशन थियेटर, दवाइयां व अन्य उपकरण और सारा जरूरी सामान उपलब्ध होगा। एम्स ने अलग से स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर तैयार किया है, जो कि आपदा के दौरान लोगों का समय पर इलाज के लिए महत्त्वपूर्ण कदम साबित होगा।

उपराज्यपाल के द्वारा डीडीसीडी को भंग करने का फैसला अवैध: आपा

नई दिल्ली, 27 जून (एजेंसियां)। केजरीवाल सरकार ने उपराज्यपाल वीके सक्सेना द्वारा दिल्ली डायलॉग एंड डेवलपमेंट कमीशन (डीडीसीडी) को भंग कर इसके तीनों सदस्यों को हटाने के आदेश पर कड़ी आपत्ति जताते हुए इसे अवैध और असंवैधानिक करार दिया है।

दिल्ली के शहरी विकास मंत्री सौरभ भारद्वाज ने गुरुवार को कहा कि उपराज्यपाल द्वारा डीडीसीडी को भंग करने का निर्णय तुच्छ राजनीति का उदाहरण है। यह सर्वविदित है कि देश भर में केंद्र सरकार और राज्य सरकारों के सभी आयोगों, समितियों और बोर्डों में अक्सर बिना किसी औपचारिक टेस्ट या साक्षात्कार के जरिए राजनीतिक नियुक्तियां होती हैं। इसमें भाजपा शासित राज्य भी शामिल हैं। यह एक लंबे समय से चली आ रही प्रथा है। महिला आयोग, एससी/एसटी आयोग और अल्पसंख्यक आयोग जैसे विभिन्न पब्लिक कमीशन इसी प्रथा के उदाहरण हैं।

उन्होंने कहा कि यह भी बेहद दुर्भाग्यपूण है कि विनय कुमार सक-सेना की बतौर दिल्ली के उपराज्यपाल नियुक्ति भी बिना किसी विज्ञापन, टेस्ट या साक्षात्कार के की गई एक राजनीतिक नियुक्ति ही है। अगर दिल्ली के उपराज्यपाल पद की नियुक्ति के लिए कोई सार्वजनिक विज्ञापन जारी किया गया है, तो उन्हें देश के सामने सार्वजनिक करना चाहिए। डीडीसीडी दिल्ली के मुख्यमंत्री के अधीन आता है और इसके सदस्यों पर कार्रवाई करने का अधिकार केवल मुख्यमंत्री के पास है।

पर्चा लीक मामले में सुभासपा विधायक पर एफआईआर करने की मांग

वाराणसी, 27 जून (एजेंसियां)। आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने डीजीपी यूपी से सुभासपा के जखनिया विधायक बेदी राम पर पर्चा लीक मामले में एफआईआर दर्ज किए जाने की मांग की है।

अपनी शिकायत में उन्होंने कहा कि बेदी राम के खिलाफ पिछले दिनों दो वीडियो सामने आए हैं। इसमें एक वीडियो में पर्चा लीक का आरोपी विजेंद्र बेदी राम को पर्चा लीक का सरगना बता रहा

हैं। लगभग 3 माह पुराने गाजीपुर के बताए गए दूसरे वीडियो में एक युवक बेदी राम से भर्ती करने के लिए दिया गया अपना पैसा मांग रहा है, जिस पर उनके द्वारा न सिर्फ पैसा देने से इनकार किया जा रहा है बल्कि तमाम भर्ती घोटाले में अपनी संलिप्तता भी खुले आम बताया जा रहा है।

अमिताभ ठाकुर ने कहा कि बेदी राम के 2022 में चुनाव आयोग के समक्ष दिए हलफनामे के अनुसार उन पर 2006 में थाना कृष्णा नगर, लखनऊ में रेलवे भर्ती परीक्षा लीक का पहला मुकदमा हुआ था और अभी तक यूपी, राजस्थान तथा मध्य प्रदेश में रेलवे भर्ती के पांच, पुलिस भर्ती का एक तथा एमपीपीसीएस के दो एफआईआर दर्ज हैं। जो उनके इस प्रकार के कार्यों में संलिप्तता को पूरी तरह प्रमाणित करते हैं। उन्होंने इन दोनों वीडियो में आए तथ्यों को गंभीर संज्ञेय अपराध बताते हुए एफआईआर की मांग की।

सीएम योगी ने की राष्ट्रपति के अभिभाषण की सराहना

लखनऊ, 27 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के संसद के दोनों सदनों में दिए गए संयुक्त अभिभाषण की प्रशंसा करते हुए इसे विकसित और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में बढ़ते नए भारत की आकांक्षाओं की सिद्धि के संकल्पों से भरा हुआ करार दिया।

इस प्रेरक अभिभाषण के लिए सीएम योगी ने राष्ट्रपति का अभिवादन भी किया। सीएम योगी ने कहा, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु जी द्वारा आज संसद के दोनों सदनों में दिया गया संयुक्त अभिभाषण विकसित भारत-आत्मनिर्भर भारत की दिशा में बढ़ चले नए भारत की आकांक्षाओं और अभिलाषाओं की सिद्धि के संकल्पों से भरा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के यशस्वी और विजनरी नेतृत्व में बीते 10 वर्षों में एनडीए की सरकार ने विकास व विरासत के मंत्र के साथ 140 करोड़ देश वासियों के जीवन में नया सवेरा लाने का अद्भुत प्रयास किया है। माननीय राष्ट्रपति जी के प्रेरक अभिभाषण के लिए उनका हार्दिक अभिनंदन। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने लोकसभा चुनाव के बाद पहली बार संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित किया। अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने सबसे पहले आम चुनाव के सफल आयोजन के लिए चुनाव आयोग को बधाई दी। दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने पूर्वोत्तर में हुई हिंसा से लेकर 1975 में तत्कालीन कांग्रेस सरकार द्वारा लगाई गई इमरजेंसी समेत कई अहम मुद्दों पर अपनी बात रखी।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

बदलती परिस्थितियों के कारण आप नई रणनीति चुनेंगे. आपकी छवि में निखार आएगा. भागेदारी में आप में से कुछ नवीन व्यवसाय आरंभ कर सकते हैं. आप में से जो किसी बैंक या वित्तीय संस्थान से ऋण की तलाश कर रहे हैं, उन्हें सफलता प्राप्त होने की पूर्ण संभावना है. आपका स्वास्थ्य संतोषजनक रहेगा, लेकिन आपको पेट से संबंधित बीमारियों के लिए सावधानी बरतनी चाहिए. प्रियजनों के साथ लंबी दूरी की यात्रा लाभदायक होगी. आप में से कुछ के जीवन में प्रेम प्रवेश कर सकता है.

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अच्छी प्लानिंग और सोच-विचार के उपयोग से आपको बड़ा फायदा हो सकता है. सोचे हुए कुछ खास काम पूरे होने के योग बन रहे हैं. आपको नौकरी या दिनचर्या में थोड़ा बदलाव करने के बारे में विचार करना चाहिए. आपके लिए खरीदारी भी फायदेमंद हो सकती है. अपनी योजनाओं से आप सबको प्रभावित कर सकते हैं. स्टूडेंट्स को सफलता मिल सकती है. धन लाभ के भी योग बन रहे हैं.

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आज आप जिम्मेदारियों को बखूबी निभाने में सफल हो सकते हैं. आज आप घर के लिए कुछ नया सामान खरीद सकते हैं. आप जीवनसाथी की मदद कर सकते हैं. जीवन में आगे बढ़ने के नए रास्ते खुलेंगे. इस राशि के कारोबारियों के लिए धन लाभ के योग बन अरहे हैं. नए कार्य प्रारंभ करने का मन बन सकता है. अगर आप कलआ के क्षेत्र से जुड़े हैं, तो आपको तरक्की के कई नये रास्ते खुले नजर आएंगे. इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन फेवरेबल है. आपको किसी समस्या को सुलझाने का तुरंत रास्ता मिल सकता है. गायत्री मंत्र का पाठ करें, तरक्की के नए रास्ते खुलेंगे.

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज निजी मामलों में आपके विचारों को आसपास के लोगों का समर्थन मिलेगा. मेहनत ज्यादा करनी पड़ेगी. आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहेंगे. पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा. मित्रों का सहयोग मिलेगा. कुछ नए अवसर आपके सामने आ सकते हैं. आप बहुत बातूनी मूड में हो सकते हैं. आर्थिक मामलों में भाग्य का साथ मिलेगा जिस से आय के साधनों में वृद्धि होगी. नई नौकरी या बिजनेस की रूपरेखा आज बन सकती है.

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आप लगातार सिरदर्द और कुछ अन्य बीमारियों के कारण पीड़ित हो सकते हैं. आपके जीवनसाथी का स्वास्थ्य भी बिगड़ सकता है. चूंकि आपको चोटों का खतरा है, इसलिए वाहन चलाते समय सावधानी बरतें. आप अथक प्रयासों के साथ लंबित कार्यों को पूरा करेंगे. आप एक नया संभावित प्रोजेक्ट शुरू कर सकते हैं, जो आपको भविष्य में अच्छा लाभ प्रदान करेगा. आपकी वित्तीय स्थिति स्थिर होगी और व्यावसायिक क्षेत्र में आप अच्छी प्रगति करेंगे.

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

ऑफिस में आज आप कई मामलों में सफल हो सकते हैं. करियर से जुड़े कुछ उलझे हुए मामलों में समाधान मिल सकता है. आप परेशान न हों. ऑफिस में आपके काम की तारीफ हो सकती है. प्रमोशन मिलने के योग हैं. गिफ्ट मिल सकता है. नए दोस्तों से मुलाकात होसकती है. बिजनेस करने वाले लोगों को रुका हुआ पैसा मिल सकता है. अधिकारी आपके कामकाज से खुश हो सकते हैं.

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

माता-पिता के स्वास्थ्य में सुधार आयेगा. आज बच्चे पार्क में खेलने जा सकते हैं. आपका पैसा कहीं अटक सकता है. बढ़ता खर्च आपको थोड़ा परेशान कर सकता है. जीवनसाथी के साथ कहीं हील स्टेशन पर घूमने की प्लानिंग कर सकते हैं. किसी काम में ज्यादा मेहनत और समय लग सकता है. आप रिश्तों में सुधार लाने की कोशिश कर सकते हैं. आज आपको कोई भी फैसला सोच-समझकर लेना चाहिए, बेहतर रहेगा. परिवार वालों का सहयोग मिलता रहेगा. बहते जल में तिल प्रवाहित करें, आपका दिन अच्छा बीतेगा.

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी तथा घर-परिवार की स्थिति सामान्य रहेगी. पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बन सकता है. स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा. रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे. पठन-पाठन व लेखन के काम में मन लगेगा. काम को लेकर काफी उत्साह बना रहेगा. पुराने दोस्तों से मिलने का संयोग बन सकता है. पको आपके काम के लिए सराहा जाएगा, इससे आपको बहुत खुशी होगी. आपको कोई इनाम भी मिल सकता है.

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

इस समय आप अपनी कार्यशैली में नया प्रयोग कर सकते हैं. आपके कार्यों को प्रशंसा मिलेगी. आपके काम सफल होंगे. आपको थोड़ी सी सावधानी बरतनी होगी. कुछ अनावश्यक खर्चे भी सामने आ सकते हैं. आज आप धर्म या समाज से जुड़ा कोई कार्य कर सकते हैं. सप्ताह के मध्य भाग में बेकार की यात्राओं से बचें और घर परिवार का ख्याल रखें. स्त्री वर्ग से पूर्ण सहयोग मिलेगा.

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

बहुत धैर्य और नियमितता के साथ आपने जो मेहनत की थी, उसका नतीजा आपके ही फेवर में होगा. पुराने दोस्तों से बातचीत होगी या मुलाकात की संभावना है. आपकी जिम्मेदारियां पूरी हो सकती हैं. सोचे हुए काम पूरे हो जाएंगे. पैसा कमाना आपके लिए सरल है.कामकाज और यात्रा को लेकर आपके पास एक से ज्यादा विकल्प हो सकते हैं. साथ के लोगों का ध्यान आप पर रहेगा. ऑफिस में कोई नई चीज सीखने का मौका आपको मिल सकता है.

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आपको कोई महत्वपूर्ण समाचार मिलेगा. कोर्ट-कचहरी के मामलों में जीत हासिल होगी. आपके मान-प्रतिष्ठा में बढ़ोतरी होगी. कारोबार में कुछ नए लोग आपसे जुड़ सकते हैं. किसी महिला मित्र का सहयोग प्राप्त होगा. आर्थिक पक्ष पहले से बेहतर रहेगा. करियर में आगे बढ़ने के नए अवसर सामने आएंगे. सोचे हुए कुछ जरूरी काम पूरे होंगे. आप बड़े ही खुश नजर आयेंगे. तकनीकी क्षेत्र के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन फेवरेबल है. शिवलिंग पर जल अर्पित करें, जीवन के हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त होगी.

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

मीन राशि वालों की आय में वृद्धि होगी. सौंदर्य से संबंधित वस्तुओं पर पैसा और समय खर्च हो सकता है. शारीरिक कष्ट की वजह से बाधा संभव है. उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे. वरिष्ठ जनों का सहयोग तथा मार्गदर्शन प्राप्त होगा. पूरी कोशिश कर के भी आप सबको संतुष्ट नहीं कर सकेंगे. वाणी में ओजस्विता के चलते जैसी सफलता चाहें हासिल करें, आज व्यापारी हैं तो और अच्छा लाभ मिलेगा. किसी नई जगह पर भी जाने के योग हैं.

शुक्रवार का पंचांग

दिनांक : 28 जून 2024 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2081
मास : आषाढ़ , कृष्ण पक्ष
तिथि : सप्तमी सायं 04:29 तक
नक्षत्र : पूर्वाभाद्रपद प्रातः 10:11 तक
योग : सौभाग्य रात्रि 09:38 तक
करण : विष्टि प्रातः 05:35 तक
चन्द्रराशि : मीन
सूर्योदय : 05:44 , सूर्यास्त 06:54 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:56, सूर्यास्त 06:49 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:47 , सूर्यास्त 06:43 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:37 , सूर्यास्त 06:43 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : कालाष्टमी , पंचक चालू है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

दो ट्रकों में टक्कर के बाद आग लगी चालक की मौत, तीन घायल

श्रीगंगानगर, 27 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के बीकानेर जिले में महाजन थाना क्षेत्र में जैतपुर टोल नाका के समीप आज सुबह एक खड़े ट्रक में पीछे से दूसरे ट्रक ने टक्कर मार दी, जिससे एक ट्रक चालक की मौत हो गई तथा तीन व्यक्ति घायल हो गये। घायलों को बीकानेर के पीबीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ट्रकों में लगी आग को बुझाने के लिए सूरतगढ़ थर्मल पावर प्लांट से दमकल वाहन बुलाने पड़े। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका।

पुलिस ने बताया कि इस दुर्घटना में खड़े ट्रक में पीछे से टकराने वाले ट्रक के चालक कुलदीपसिंह (35) निवासी रतिया जिला फतेहाबाद (हरियाणा) की मृत्यु हो गई। इस ट्रक का परिचालक सतवीर (34) निवासी मंडेला जिला सिरसा (हरियाणा) और खड़े ट्रक के चालक कुलविंदर सिंह (36) निवासी परवाही और परिचालक अग्नवीरसिंह (38) निवासी पांडा जिला बरनाला (पंजाब) घायल हो गए।

पुलिस ने बताया कि कुलविंदर सिंह और अग्नवीर सिंह का ट्रक जैतपुर टोल नाका के पास खराब हो गया था। ट्रक की शाफ्ट टूट गई थी। यह दोनों ट्रक के नीचे शाफ्ट को ठीक कर रहे थे, तभी कुलदीप सिंह का ट्रक पीछे से आ टकराया। टक्कर इतनी जोर से हुई कि कुलविंदर सिंह ट्रक केबिन की विंडस्क्रीन को तोड़ते हुए बाहर दोनों ट्रकों के बीच आ गिरा, जिसके कारण उसकी मौते पर मौत हो गयी। इसी दौरान दोनों ट्रकों में आग लग गई। राजमार्ग से गुजर रहे वाहनों में सवार लोगों ने आग को बुझाने के प्रयास किये, लेकिन ट्रकों के डीजल टैंकों में विस्फोट हो जाने की आशंका से लोग दूर हो गए। इस दौरान तीन घायलों को बाहर निकालने कामयाबी हासिल कर ली। धटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची।

आग क बुझाने के लिए सूरतगढ़ थर्मल पावर प्लांट से दमकल वाहन बुलाने पड़े जो कि घटनास्थल से काफी दूरी पर है। पुलिस ने बताया कि बाद में घायलों को बीकानेर रैफर कर दिया गया।

आग काबू में आने के बाद दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को साइड में करवा कर यातायात को बहाल किया गया। एक ट्रक में कबाड़ का सामान और दूसरे ट्रक में स्टील चद्दरों के रोल लदे हुए थे। दुर्घटना में मारे गए युवक और घायलों के परिवारजनों को सूचना दी गई है।

कुख्यात बदमाश के अवैध निर्माण पर चला बुलडोजर

अलवर, 27 जून (एजेंसियां)। राजस्थान में अलवर के एनई बी थाना क्षेत्र में गुरुवार को कुख्यात बदमाश फिरोज खान सहित कई बदमाशों की सरकारी संपत्तियों पर किए गए अवैध कब्जे हटाए गए।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि इनमे दो मकान हिस्ट्रीशीटर फिरोज खान के बताये गये हैं। नगर विकास न्यास के अधिकारी जेसीबी लेकर सुबह मौके पर पहुंचे। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी भी मय पुलिस बल के पहुंच गये। मन्नाका इलाके में सरकारी जमीन पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की गयी। करीब 100 पुलिसकर्मी तैनात किये गये। इसके लिये नगर विकास न्यास ने करीब 10 लोगों को नोटिस देकर सरकारी संपत्ति से अतिक्रमण हटाने की चेतावनी दी थी। सूत्रों ने बताया कि 26 जून को नगर विकास न्यास के नोटिस की अवधि पूरी हो गयी, तब सुबह नगर विकास न्यास के दस्ते ने आरोपियों के अतिक्रमण को जेसीबी की सहायता से हटाना शुरू कर दिया और जेसीबी की सहायता से पक्के निर्माण को तोड़ दिया। मुख्य आरोपी फिरोज खान के मकान की चार दीवारी और उसके मकान के टावर को तोड़ा गया है। उपखंड अधिकारी प्रतीक जुईकर ने बताया कि यूआईटी द्वारा सरकारी जमीन पर अतिक्रमण हटाया जा रहा है। पहले नोटिस दिये गये थे और जिसमें 10 मकान चिह्नित किये गये। उल्लेखनीय है कि तीन दिन पहले कुख्यात बदमाश फिरोज खान को पकड़ने गई पुलिस पर वैशाली थाना नगर इलाके के मन्नाका में पुलिस पर पथराव किया गया जिसमें तीन पुलिस कर्मी घायल हो गए। पुलिस वाहन को क्षतिग्रस्त किया गया और परिवार की महिलाओं एवं पुरुषों ने आरोपी को पुलिस की गिरफ्त से छुड़ा लिया। इसके बाद बदमाश भागने में सफल हो गया । इस आरोपी के खिलाफ एक दर्जन से अधिक मुकदमे हैं। गत दिनों पांच लाख की रंगदारी मामला भी था। उस मामले में पुलिस पकड़ने गई थी। पुलिस ने इस मामले को गंभीरता से लिया और आरोपियों की सरकारी जमीन पर बनी संपत्तियों का सर्वे किया गया, जिसमें काफी संपत्ति सरकारी जमीन पर कब्जे की पायी गयी।

हाईटेंशन लाइन टूटने से एक बालिका की मौत, पांच अन्य झुलसीं

भरतपुर, 27 जून (एजेंसियां)। राजस्थान में भरतपुर सम्भाग के करौली में सपोटरा के बूकना गांव मे गुरुवार तड़के हाईटेंशन लाइन टूटने से एक बालिका की मौत हो गई तथा एक ही परिवार की पांच बालिकाएं झुलस गईं।

पुलिस ने मृतका प्रिया महावर के शव को पोस्टमार्टम के लिए सपोटरा अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। बताया जा रहा है कि हादसे में झुलसी दो बालिकाओं आयुष और अन्नू को गंगापुर के एक निजी अस्पताल में और मोनिका को करौली अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दो बालिका संध्या और सोनम को गंभीर अवस्था में जयपुर भेजा गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गाव में हाईटेंशन लाइन के टूट कर सिंगल फेस ट्रांसफार्मर के ऊपर गिरने से पीड़ित परिवार के घर मे बिजली का करंट फैल गया जिसकी चपेट में सो रहे बच्चे आ जाने से हुए इस हादसे के बाद गांव में हाहाकार मच गया।

हरियाणा में 23 आईपीएस और 27 एचपीएस अधिकारियों का तबादला

चंडीगढ़, 27 जून (एजेंसियां)। विधानसभा चुनावों से पहले हरियाणा सरकार ने हरियाणा पुलिस विभाग में बड़ा बदलाव किया है। 23 आईपीएस अधिकारियों के साथ 27 एचपीएस अधिकारियों के तबादले किए गए हैं। इनमें 11 जिलों के एसपी बदले गए हैं, जबकि तीन आईजी की रेंज बदली गई है। करनाल के एसपी दीपक सहारण को हिसार लगाया गया है, जबकि हिसार के एसपी मोहित हांडा को करनाल की जिम्मेदारी दी गई है। इस संबंध में बुधवार देर रात प्रदेश के गृह सचिव टीवीएसएन प्रसाद ने नियुक्ति और तबादले आदेश जारी किए हैं।

तबादला सूची के अनुसार, आईपीएस डा. राज श्री को आईपीपी मधुबन लगाया है। करनाल के आईजी सतेंद्र गुप्ता को सोनीपत, सोनीपत के आईजी बी सतीश बालन को झज्जर और आईपीएस कुलविंद्र सिंह को करनाल रेंज का आईजी नियुक्त किया है। नाजनीन भसीन को डीआईडी आरटीसी भोंडसी, राजेश दुग्गल को डीआईजी स्टेट क्राइम ब्रांच, दीपक गहलावत को एसपी भोंडसी, अर्पित जैन डीसीपी गुरुग्राम, भूपेंद्र सिंह को एचएपी मधुबन, नीकिता खट्टर को एसीबी का एसपी, लोकेश कुमार को डीसीपी झज्जर, प्रबीना पी को डीसीपी सोनीपत लगाया है।

इसी प्रकार, एचपीएस अधिकारियों में राजेश कुमार को एसपी एसटीफ-3, मुकेश कुमार एसपी लॉ एंड ऑर्डर, वीरेंद्र सिंह सांगवान को डीसीपी क्राइम पंचकूला और पुष्पा को एसपी हाईवे करनाल नियुक्त किया है। इनके अलावा, 23 एचपीएस अधिकारियों को इधर से उधर किया गया है। करनाल के एसपी दीपक सहारण को हिसार और हिसार के एसपी मोहित कांडा करनाल, अंबाला के एसपी जशनदीप रंधावा को कुरुक्षेत्र, कुरुक्षेत्र के एसपी सुरेंद्र सिंह भौरिया को अंबाला, रेवाड़ी के एसपी शशांक कुमार सावन को डीसीपी झज्जर, नूंह के एसपी नरेंद्र बिजारनिया को एसटीएफ का एसपी, एसीबी के एसपी चंद्र मोहन को पलवल का एसपी नियुक्त किया है।

इसी प्रकार, सोनीपत में डीसीपी रहे गौरव को रेवाड़ी का एसपी, सिरसा में अतिरिक्त एसपी रही दीप्ति गर्ग को एसपी डबवाली नियुक्त किया है। पलवल की एसपी अंशु सिंगला को एसीबी में एसपी लगाया है और विजय प्रताप को डीसीपी क्राइम गुरुग्राम से एसपी नूंह की जिम्मेदारी दी गई है।

सेवानिवृत न्यायाधीश गंगाराम मूलचंदानी मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष नियुक्त

जयपुर, 27 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने सेवानिवृत न्यायाधीश गंगाराम मूलचंदानी को राज्य मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष और भारतीय पुलिस सेवा के सेवानिवृत अधिकारी अशोक गुप्ता को सदस्य के रूप में नियुक्त किया है।

श्री मिश्र ने राजस्थान मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम 1993, (मानवाधिकार संरक्षण, (संशोधन) अधिनियम 2019 अधिनियम संरक्षण 19, 2019 द्वारा संशोधित) की धारा 22 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए इन दोनों को पद धारण करने की तारीख से तीन वर्ष की अवधि अथवा 70 वर्ष की आयु प्राप्त करने तक, जो भी पहले हो के लिए यह नियुक्ति की है।

कोटा जिले के दो लाख लाभार्थियों को पच्चीस करोड़ रुपए हस्तांतरित

कोटा, 27 जून (एजेंसियां)। राजस्थान में कोटा जिले के सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के लाभार्थियों को मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने गुरुवार को 24 करोड़ 89 लाख रुपए हस्तांतरित किए। कोटा जिले में कुल दो लाख 13 हजार लाभार्थी हैं, जिन्हें सामाजिक सुरक्षा पेंशन मिलती है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को झुंझुनू से आयोजित राज्य स्तरीय सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के लाभार्थियों को अभिवृद्धित राशि के सीधे हस्तांतरण कार्यक्रम में एक क्लिक से राज्य के 88 लाख लाभार्थियों के खातों में एक हजार 37 करोड़ की राशि हस्तांतरित की। इसमें कोटा जिले के दो लाख 13 हजार लाभार्थियों को 24 करोड़ 89 लाख रुपये से अधिक की सामाजिक सुरक्षा पेंशन राशि सीधे उनके बैंक खातों में हस्तांतरित की गयी। समारोह में लाभार्थियों के साथ मुख्यमंत्री ने सीधे संवाद किया। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना में 15 प्रतिशत राशि बढ़ाने का फैसला लिया था।

भाजपा-जजपा गठबंधन से हमें नुकसान हुआ : दुष्यंत चौटाला

चंडीगढ़, 27 जून (एजेंसियां)। जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) के नेता व हरियाणा के पूर्व उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस प्रेस वार्ता में उन्होंने आगामी लोकसभा व राज्यसभा चुनाव को लेकर अपनी बात रखी। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि गठबंधन (भाजपा-जजपा) से हमें नुकसान हुआ है। किसान आंदोलन का जो गुस्सा है, वह जनता ने निकाला है। गेहूं के साथ घुन भी पीसता है। उन्होंने कहा कि यह स्पष्ट कि आने वाले समय मे भाजपा के साथ गठबंधन नहीं होगा। भविष्य में किसके साथ गठबंधन होगा यह अभी नहीं कह सकता।

जिला स्तरीय बैठकें आगामी पांच जुलाई से शुरू होगी। इसमें लोकसभा चुनाव की फीडबैक और विधानसभा चुनाव पर भी मंथन किया जाएगा। डॉ. अजय चौटाला प्रत्येक जिले में जाकर बैठके करेंगे। लोकसभा चुनाव में नरेंद्र मोदी हराओ और जिताओ ही मुद्दा रहा, लेकिन विधानसभा चुनाव के नतीजे बिल्कुल अलग होंगे। यह बात तो तय है कि एक दल संविधान को बचाने की बात करेगा, दूसरा दल मोदी को जीताने की बात करेंगे। लेकिन, इन दोनों दलों ने जनता को लूटने का काम किया।

दुष्यंत चौटाला ने कहा कि हरियाणा में विपक्ष का सबसे बड़ा दल कांग्रेस है। विपक्षी दल का यह कहना की छोटे दल अपने नुमाइंदा राज्यसभा चुनाव में लेकर आए। अगर कांग्रेस राज्यसभा चुनाव में अपना उम्मीदवार लेकर आती है तो हम कांग्रेस का समर्थन करेंगे। यदि किसी ऐसे खिलाड़ी को राज्यसभा चुनाव में उम्मीदवार कांग्रेस बनाती है, जिसने देश और प्रदेश में नाम रोशन किया हो, तो हम कांग्रेस का समर्थन करेंगे। लेकिन, विपक्ष का यह कहना कि हमारे पास नंबर नहीं है यह सही नहीं है। आप उम्मीदवार तो मैदान में उतारो फिर देखा जाएगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी गृह मंत्रालय संभाल रहे हैं तो अच्छे से संभाले प्रदेश में लगातार कानून व्यवस्था गिरती जा रही है। इससे तो अनिल विज ही अच्छे थे। नेताप्रतिपक्ष भूपेंदर हुड्डा की मैच फिक्सिंग आज की नहीं है। अगर कांग्रेस और बीजेपी की मिलीभगत न होती तो यूपी, पंजाब और हरियाणा के नतीजे यह नहीं होते। हमारे पास 100 दिन बाकी हैं, सभी कार्यकर्ता मैदान में उतरेंगे और मजबूती के साथ सरकार बनाने का काम करेंगे।

राहुल गांधी को नेताप्रतिपक्ष बनने पर शुभकामनाएं, यह तो देश देखेगा कि वह नेताप्रतिपक्ष बनने पर कामयाब होंगे या नहीं। आज प्रदेश सरकार अल्पमत में है। भाजपा का सारा नंबर मिलाकर भी 43 होता है। ऐसे में राज्यपाल से गुजारिश है कि वह राष्ट्रपति शासन लगाए। आज स्पीकर से समय लेकर उनसे मिलेंगे और दोनों जेजेपी विधायकों के विरुद्ध एन्टी पार्टी एक्टिविटी के तहत कार्रवाई होनी चाहिए। मैं हैरान हूं कि आजतक स्पीकर ने इस पर कोई संज्ञान नहीं लिया। एन्टी डिफेक्शन लॉ के तहत राम निवास सुरजाखेड़ा और जोगी राम सिहाग की विधायक की सदस्यता रद्द की जाए। चौधरी बीरेंदर सिंह को टिकट मिले न मिले मैं वही खड़ा हूं।

ट्रैफिक नियम तोड़ना पड़ा महंगा, मनामानी करने वाले 6000 चालकों के लाइसेंस सस्पेंड

चंडीगढ़, 27 जून (एजेंसियां)। सिटी ब्यूटीफुल चंडीगढ़ में ट्रैफिक नियमों का सख्ती से पालन न करने पर बड़ा जुर्माना भरना पड़ता है। नियमों की अनदेखी करना वाहन चालकों के लिए मुसीबत बन जाता है। क्योंकि शहर के हर सड़क व चौराहे पर तीसरी आंख यानी सीसीटीवी कैमरे हैं। छोटी सी गलती पर भी चालान कट जाता है। बावजूद लोग शहर की सड़कों पर धड़ल्ले से नियमों को तोड़ रहे हैं। रोजाना सैकड़ों लोग ट्रैफिक नियमों की अवहेलना करते हैं। अगर पुलिस के आंकड़ों पर ही नजर डाली जाए तो पिछले चार साल में सबसे अधिक चालान केवल विदआउट हेलमेट के हुए हैं। इसके बाद ओवरस्पीड के चालान की संख्या सबसे ज्यादा है।

आंकड़ों के मुताबिक पिछले चार सालों में करीब छह हजार वाहन चालकों को ट्रैफिक नियमों की अवहेलना करने पर ड्राइविंग लाइसेंस सस्पेंड हुए हैं। पुलिस के मुताबिक ट्रैफिक नियमों को लेकर यूटी पुलिस की ओर से रोजाना स्कूल सहित अन्य शिक्षण संस्थानों में विद्यार्थियों को नियमों का पाठ पढ़ाने के लिए जागरूकता शिविर लगाए जा रहे है। इन शिविरों में ट्रैफिक पुलिस के कर्मी व अधिकारी बच्चों को नियमों के बारे में जानकारी देते हैं और उन्हें वाहन चलाने से लेकर पार्क करने, रेड लाइट पर रूकने, साइड देने, दस्तावेज पूरे करने सहित अन्य नियमों बारे बताया जाता है। अगर पुलिस के रिकॉर्ड पर नजर डाले तो वर्ष 2021 व वर्ष 2022 में सबसे अधिक वाहन चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस रजिस्ट्रिंग लाइसेंसिंग अथॉरिटी (आरएलए) की ओर से सस्पेंड किए गए हैं। हालांकि अगर वर्ष 2023-24 की बात करें तो लाइसेंस सस्पेंड के आंकडों में काफी कमी आई है। वर्ष 2024 में एक जनवरी से जून महीने तक करीब 292 वाहन चालकों के नियम तोड़ने पर लाइसेंस सस्पेंड किए गए है। ऐसे में जिन वाहन चालकों के लाइसेंस सस्पेंड हो जाते है, उन्हें फिर से नियमों का पाठ पढ़कर ट्रैफिक नियमों की परीक्षा से गुजरना पड़ता है। साथ ही चालान कटने का जुर्माना भी भुगतना पड़ता है।

सीएम नायब ने 50 नए डोर-टू-डोर कचरा एकत्रित करने वाले वाहनों को दिखाई हरी झंडी

चंडीगढ़, 27 जून (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गुरुवार को गुरुग्राम में 50 नए डोर-टू-डोर कचरा एकत्रित करने वाले वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इन्हें मिलाकर वाहनों की संख्या 500 से अधिक हो गयी है।

गौरतलब है कि गुरुग्राम क्षेत्र में डोर-टू-डोर कचरा उठान सहित सफाई व्यवस्था को बेहतर करने के लिये युद्ध स्तर पर कार्य किया जा रहा है। इसके तहत एक ओर जहां वाहनों और मशीनरी की संख्या दिन-प्रतिदिन बढ़ाई जा रही है, वहीं दूसरी ओर निगम क्षेत्र के सभी वार्डों में सफाई व्यवस्था की बेहतर निगरानी के लिए 19 राज्य सिविल सेवा अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी हुई है। नगर निगम गुरुग्राम द्वारा डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन व्यवस्था में अधिक से अधिक इलेक्ट्रिक वाहनों को शामिल किया जा रहा है।

विशेष संयोगों के साथ शुरू होगा सावन माह, भगवान शिव की पूजा से मिलेगा लाभ

भगवान शिव का प्रिय महीना सावन जल्द ही शुरू होने वाला है। इस साल सावन का महीना 22 जुलाई से शुरू होने जा रहा है। यह 19 अगस्त को समाप्त होगा। सावन का महीना बेहद ही पवित्र माना जाता है। श्रावण मास शंकर भगवान को समर्पित होता है। भक्त देवों के देव महादेव और माता पार्वती की विशेष पूजा-आराधना करते हैं।

इस महीने को भगवान शिव के प्रिय माह में से एक कहा जाता है। हर साल श्रावण मास के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि से सावन आरंभ हो जाते हैं। भगवान भोलेनाथ के भक्तों को सावन के महीने का बेसब्री से इंतजार होता है। इस बार सावन में कुल 5 सावन सोमवार पड़ रहे हैं।

विधि-विधान से करें शिव पूजा

पंडित नरेन्द्र नंदन दवे ने बताया कि इस महीने विधि-विधान से भगवान शिव की पूजा करने से सभी इच्छाएं पूरी होती हैं। साथ ही मनचाहे वर की प्राप्ति होती है। सावन सोमवार के व्रत का भी बहुत महत्व होता है। सावन सोमवार व्रत पर कुछ बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

हिंदू पंचांग के अनुसार, सावन माह का आरंभ श्रावण माह के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि के साथ होता है। इस साल श्रावण प्रतिपदा तिथि की शुरुआत 21 जुलाई को दोपहर 3 बजकर 47 मिनट से हो रही है, जो 22 जुलाई को दोपहर 1 बजकर 11 मिनट पर समाप्त होगी। इसलिए श्रावण मास का आरंभ 22 जुलाई से हो रहा है। इसके साथ ही श्रावण पूर्णिमा यानी 19 अगस्त को सोमवार के दिन ही इसका समापन हो जाएगा।

सावन सोमवार तिथियां

22 जुलाई, सोमवार - श्रावण का पहला दिन, सावन का पहला सोमवार

29 जुलाई, सोमवार- सावन का दूसरा सोमवार

5 अगस्त, सोमवार - सावन का तीसरा सोमवार

12 अगस्त, सोमवार - सावन का चौथा सोमवार

19 अगस्त, सोमवार - सावन का पांचवा सोमवार

सोमवार से शुरू हो रहा है सावन

इस साल सावन मास काफी खास है, क्योंकि सोमवार के दिन से शुरू हो रहा है। इसके अलावा प्रीति, आयुष्मान योग के साथ सर्वार्थ सिद्धि योग भी बन रहे हैं। इस शुभ योग में भोलेनाथ की पूजा करने से कई गुना अधिक फलों की प्राप्ति होगी।

गुड लक के लिए आप भी करते हैं अंगुलियों को क्रॉस

कैसे हुई शुरूआत? क्या सच में पूरी होती है मनोकामना?

कहते हैं किस्मत से ज्यादा कभी किसी को नहीं मिलता। जो आपको मेहनत करने से नहीं मिलता, वह आपको भाग्य से मिल जाता है। अलग- अलग धर्म में भाग्य और किस्मत को अलग- अलग तरह से देखा जाता है और इसके लिए कई उपाय किए जाते रहे हैं। जैसे हिन्दू धर्म में कोई अपनी कुंडली दोष को दिखाता है तो कई लोग अपनी किस्मत को चमकाने के लिए दान आदि का सहारा लेते हैं। किस्मत को चमकाने के उपायों में से एक है अंगुलियों को क्रॉस करना। इसे ईसाई धर्म से जुड़ा माना गया है। इसे क्रॉस्ड फिंगर्स के नाम से जाना जाता है। क्या वाकई अंगुलियों को क्रॉस करने से किसी का भाग्य चमक सकता है। क्यों किया जाता है इसका उपयोग? क्या है क्रॉस्ड फिंगर्स का इतिहास और कैसे हुई इसकी शुरूआत? आइए जानते हैं..

क्या है क्रॉस्ड फिंगर्स

क्रॉस को एक पवित्र और शुभता के रूप में देखा जाता है और ईसाई धर्म की शुरुआत से बहुत पहले रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा रहा है। क्रॉसिंग अंगुलियों की प्रक्रिया अपनी किस्मत चमकाने के लिए या कुछ अच्छा होने के उम्मीद के साथ ही की जाती रही है। ऐसा कहा जाता है कि इसके लिए दो लोगों की आवश्यता होती है और वे जोड़ी के साथ अपने अंगूठे को छूते हैं और एक क्रॉस बनाते हैं।

कैसे हुई इसकी शुरूआत?

किस्मत को चमकाने के लिए अंगुलियों को क्रॉस करने की शुरूआत को लेकर दो अलग-अलग बातें सामने आती हैं। जिसमें से एक ईसाई धर्म से आता है, जिसमें क्रॉस के शक्तिशाली प्रतीकवाद को मना जाता था। इनमें अच्छी आत्माओं को बुलाने के लिए अंगुलियों को क्रॉस किया जाता था। ऐसा तब तक किया जाता था, जब तक की उसकी इच्छा पूरी ना हो जाए।

प्रथा कैसे बनी परंपरा

अंगुलियों को क्रॉस करने की परंपरा को लेकर कहा जाता है कि शुरुआती यूरोपीय कल्चर में क्रॉस्ड फिंगर्स इच्छा पूर्ति की एक प्रथा थी, जो धीरे-धीरे यह परंपरा में बदल गई। अंगुलियों को क्रॉस कर व्यक्ति उम्मीद करता था कि उसकी इच्छा पूरी होगी। लेकिन बाद में अंगुलियों को क्रॉस कर अपनी इच्छा पूर्ति करने वालों को अहसास हुआ कि इसे वे अकेले भी कर सकते हैं।

सबसे पहले, एक व्यक्ति द्वारा अपनी दो तर्जनी अंगुलियों को क्रॉस किया गया। जिससे यह इशारा एक-हाथ वाले अभ्यास में बदल गया, जिसका आज भी उपयोग किया जाता है।

क्रॉस्ड फिंगर्स को लेकर यह मत भी

वहीं अंगुलियों को क्रॉस कर किस्मत आजमाने को लेकर एक और मत सामने आता है। ऐसा कहा जाता है कि ईसाई धर्म के शुरुआती दिनों में जब अनुयायियों को अक्सर उनकी मान्यताओं के लिए सताया जाता था। इसके बाद अपने साथी ईसाइयों को पहचानने के लिए, लोगों ने हाथ के इशारों की एक सीरीज शुरू की, जिसमें अंगुलियों को क्रॉस कर मछली का प्रतीक बनाया जाना शामिल था।

कालाष्टमी पर आज रवि व शोभन योग में बाजनामठ में भैरवनाथ की होगी विशेष पूजा

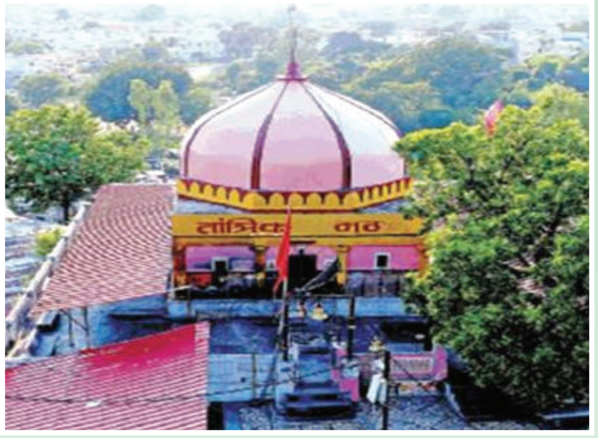

भैरवनाथ की उपासना का मासिक पर्व कालाष्टमी है। शहर के भैरव व बजरंगबली के मंदिरों में पूजन के लिए भीड़ उमड़ेगी। शास्त्री नगर स्थित बाजना मठ मन्दिर में भैरव पूजन के लिए भक्तों का तांता लगेगा। इस अवसर पर मन्दिर में विशेष अनुष्ठान भी होंगे। अन्य भैरव व शिव मंदिरों में भी शिवजी व भैरवनाथ की विशेष पूजा की जाएगी।

निशिता मुहूर्त से कल है कालाष्टमी

ज्योतिषाचार्यो के अनुसार 28 जून को कालाष्टमी मनाई जाएगी। आषाढ़ माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि की शुरुआत 28 जून को दोपहर 04 बजकर 27 मिनट पर शुरू हो रही है। साथ ही इस तिथि का समापन 29 जून को दोपहर 02 बजकर 19 मिनट पर होगा। कालाष्टमी व्रत के दिन बाबा काल भैरव की पूजा रात्रि के समय निशिता मुहूर्त में की जाती है, इसलिए इस माह की कालाष्टमी 28 जून शुक्रवार को मनाई जाएगी।

रवि व शोभन योग में पूजन शुभ

ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, इस दिन रवि योग पूरे दिन रहेगा। वहीं सौभाग्य योग रात 09 बजकर 39 मिनट तक रहेगा। इसके बाद शोभन योग का निर्माण होगा। मान्यता है कि इन योगों में भगवान शिव की पूजा करने से व्यक्ति को शुभ फलों की प्राप्ति हो सकती है। शोभन व रवि योग का संयोग भैरव पूजन के लिए सर्वाधिक उपयुक्त माना जाता है। बाजनामठ के पुजारी ने बताया कि कालाष्टमी पर सुबह से मंदिर में दर्शन, पूजन के अलावा दान-पुण्य करने वालों की भीड़ उमड़ेगी।

अग्नि पंचक 30 जून तक रहेंगे

जानिए इस दौरान क्यों नहीं किए जाते शुभ कार्य

ज्योतिष शास्त्र में पंचक काल को विशेष महत्व दिया गया है। पंचक काल में कोई भी नया कार्य करना शुभदायी नहीं होता। कथा सुनने, पूजा-पाठ करने आदि कार्यो से शुभ फल प्राप्त होता है। इस बार पंचक काल 26 जून से शुरू हो गया है, जो कि 30 जून तक चलेगा। ज्योतिषियों के अनुसार, इस काल में शुभ कार्य ना करें। दक्षिण दिशा की यात्रा, गृह प्रवेश, भूमि पूजन, नींव खोदना शुभ नहीं माना जाता है।

पांच प्रकार के होते हैं पंचक

वैदिक ज्योतिष के अनुसार, पंचक पांच प्रकार के होते हैं, जिनमें से प्रत्येक पंचक वार पर आधारित होता है। शनिवार को शुरू होने वाले पंचक को मृत्यु पंचक कहा जाता है, रविवार को शुरू होने वाले पंचक को रोग पंचक कहा जाता है, सोमवार को शुरू होने वाले पंचक को राज पंचक कहा जाता है और मंगलवार को शुरू होने वाले पंचक को अग्नि पंचक कहा जाता है। शुक्रवार को शुरू होने वाले पंचक को चोर पंचक कहा जाता है। बुधवार से शुरू होने वाला पंचक अशुभ नहीं होते हैं।

अग्नि पंचक की हुई शुरुआत

पंचांग के अनुसार, पंचक धनिष्ठा नक्षत्र से शुरू होते हैं और रेवती नक्षत्र पर समाप्त होते हैं। जून में 26 जून से धनिष्ठा नक्षत्र शुरू हो गया है। धनिष्ठा नक्षत्र शुरू होते ही पंचक भी शुरू हो जाते हैं।

अग्नि पंचक के दौरान अग्नि देव प्रबल होते हैं, इसलिए इस अवधि के दौरान अग्नि से संबंधित कार्य जैसे यज्ञ, हवन, दीपक जलाना आदि वर्जित होते हैं। अग्नि पंचक का समय बहुत ही अशुभ माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, अग्नि पंचक में विवाह, गृह प्रवेश, नया व्यवसाय शुरू करना आदि शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

पंचक जुलाई 2024

जुलाई माह में 23 जुलाई, 2024 मंगलवार सुबह 09 बजकर 22 मिनट से शुरू हो रहे हैं। यह 27 जुलाई, 2024 शनिवार दोपहर 01 बजकर 02 मिनट तक रहेंगे।

ये है रात का सबसे चमत्कारी समय हर मनोकामना होती है पूरी

सुबह और शाम के समय पूजा-पाठ तो हम सब लोग करते हैं। ज्यादातर लोग पूजा के बाद भगवान से अपने मन की बात करते हैं, कोई मनोकामना मांगते हैं। अगर आपकी ये मनोकामना पूरी नहीं हो रही तो आप रात के इस चमत्कारी समय में अपनी मनोकामना सिर्फ 11 दिनों में पूरी कर सकते हैं। ज्योतिष के जानकारों के अनुसार रात का ये समय ऐसा होता है जब ब्रह्माण के सभी दरवाजे खुले होते हैं। आपकी मनोकामना यूनिवर्स सुनता है और उसे पूरी करता है, बस शर्त ये है कि आप उस समय पूरे विश्वास के साथ वो कहें जो आप चाहते हैं। लेकिन, क्या सिर्फ कहने से मनोकामना पूरी हो जाएगी, किस्मत हुई तो शायद इतने से काम बन जाए लेकिन फिर भी आपको ऐसा अचूक उपाय बताते हैं तो 11 दिनों के अंदर आपका बड़े से बड़ा काम बना देगा।

क्या है रात का सबसे चमत्कारी समय

ज्योतिष के जानकारों के अनुसार रात ग्यारह बजकर ग्यारह मिनट का समय सबसे शुभ माना जाता है। कहा जाता है कि इस समय ब्रह्माण से आप जो भी मांगते हैं वो जरूर पूरा होता है। विद्वानों द्वारा माना जाता है की अगर आप अचानक से 11:11 समय देख लें और भगवान से कुछ मांग लें तो वह मांगी हुई बात ज़रूर पूरी होती है। अगर आपकी किस्मत इतनी अच्छी नहीं है कि आपको ये समय यूं ही दिख जाए तो आप किसी भी रात से ये उपाय शुरू करें।

11 दिनों तक लगातार रात को 11:11 बजे आप साफ जगह पर बैठकर एक प्लेन पेपर पर अपनी मनोकामना इस तरह लिखें कि वो पूरी हो चुकी है। ध्यान रखें कि काले रंग के अलावा आप किसी भी रंग की श्याही की कलम से अपनी विश लिख सकते हैं। कैसे लिखनी है ये भी जान लें। आपको लिखना है थैंक यू डियर यूनिवर्स, थैंक यू थैंक यू थैंक यू, थैंक यू हनुमान जी थैंक यू जिस भी भगवान को आप मानते हैं उनका नाम लेते हुए पूरे विश्वास से मनोकामना लिखें जैसे मेरी मनचाही नौकरी मुझे मिल गयी है। थैंक यू यूनिवर्स। कोशिश करें कि आपकी विश एक लाइन में ही आ जाएं। अब इस विश को आप 11 बार लिखें और इसे अपनी ओर 2 बार फोल्ड करें। इसे सीधे हाथ से पकड़कर आप अपने सीने से लगाएं और दृढ़ निश्चय रखते ही ये मानें की आपकी मनोकामना पूर्ण हो चुकी है और मन को शांत करके पूरा ध्यान अपनी मनोकामना पर लगाते हुए आप 11 बार ये मंत्र पढ़ें - ॐ एन्ते रक्षाय नमः इस मंत्र को पढ़ने के बाद आप इस पेपर को अपने तकिये के नीचे रखकर सो जाएं। अब इस पेपर को जिसमें आपने विश लिखी है लगातार 11 रातों तक 11:11 बजे मिनट पर अपने सीधे हाथ में लें सीने से लगाकर 11 बार फिर इस मंत्र को पढ़ें- ॐ एन्ते रक्षाय नमः।

ये उपाय चमत्कारी माना जाता है। 11 दिनों के अंदर कहते हैं कि हर मनोकामना पूरी हो जाती है या उस मनोकामना के पूरे होने के रास्ते खुल जाते हैं। अगर आप ये उपाय कर रहे हैं तो बस एक बात का ध्यान रखें कि आप जो भी मनोकामना मांगे वो पूरे विश्वास के साथ मांगे। आपके मन में थोड़ा सा संदेह भी हुआ तो आपकी विश डीले हो सकती है।

99% लोग बनाते हैं गलत स्वास्तिक!

जानें इसे बनाने की सही विधि और होने वाले फायदे

सनानत धर्म में स्वास्तिक का काफी महत्व है। कोई भी शुभ कार्य हो या धार्मिक अनुष्ठान, आप यहां स्वास्तिक को देख सकते हैं। नए घर में प्रवेश से पहले, नए वाहन को घर लाने से पहले, किसी भी नई वस्तु फ्रिज, वॉशिंग मशीन, मशीन आदि की शुरुआत से पहले स्वास्तिक बनाया जाता है। दरअसल, स्वास्तिक को शुभता का प्रतीक माना गया है, इसलिए इस चिह्न को सिर्फ बनाया ही नहीं जाता, बल्कि इसकी पूजा भी की जाती है। ऐसा माना जाता है कि स्वास्तिक जिस भी दिशा में बना दिया जाए, वहां सकारात्मक ऊर्जा 108 गुना तक बढ़ जाती है। इसे बनाने का सही तरीका बहुत से लोगों को नहीं पता होता, स्वास्तिक बनाने की सही विधि और इससे होने वाले फायदे..

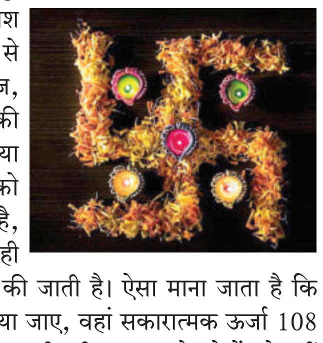

सूर्य का प्रतीक है स्वास्तिक

ऋगवेद में स्वास्तिक को सूर्य का प्रतीक माना है और इसकी 4 भुजाओं को चार दिशाएं बताया गया है। लेकिन स्वास्तिक को सही तरीके से बनाना भी महत्वपर्ण है क्योंकि यह सकारात्मक ऊर्जा के साथ नकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह भी करता है। यदि इसे ठीक से ना बनाया जाए तो इसके नकारात्मक प्रभाव देखने को मिल सकते हैं। आइए जानते हैं स्वास्तिक को बनाने का सही तरीका और इससे होने वाले लाभ के बारे में।

क्या है स्वास्तिक बनाने का सही तरीका?

स्वास्तिक बनाते समय सबसे जरूरी बात का ध्यान रखें ये कि कभी इसकी शुरुआत क्रॉस बना कर न करें। अधिकांश लोगों को इसकी जानकारी नहीं होती, इसलिए वे सबसे पहले प्लस का निशान बनाते हैं और फिर इसके बाद चारों ओर से भुजाएं। लेकिन इस तरह बनाया हुआ स्वास्तिक शुभ नहीं होगा।

इसे बनाने के लिए आपको सबसे पहले स्वास्तिक का दायां भाग बनाना होगा और फिर बायां भाग। यह शुभ स्वास्तिक होगा, जो आपको शुभ फल देता है। इसके बाद इसकी चारों भुजाएं बनाएं।

स्वास्तिक से होने वाले लाभ, वास्तु दोष दूर होगा

वास्तु शास्त्र में स्वास्तिक का बड़ा महत्व है। यदि किसी के मुख्य द्वार में किसी भी प्रकार का दोष होता है तो स्वास्तिक इन दोषों को दूर करता है। स्वास्तिक से वास्तु दोष का प्रभाव कम हो जाता है और घर में सुख-समृद्धि आती है।

व्यापार में लाभ होगा

यदि आप व्यापारी हैं और लगातार हानि का सामना कर रहे हैं तो आप अपने व्यापार स्थल के ईशान कोण में स्वास्तिक बनाएं। ध्यान रहे स्वास्तिक 7 गुरुवार तक सूखी हल्दी से बनाना है। ऐसा करने से आपको व्यापार में धीरे-धीरे लाभ मिलने लगेगा।

पान के पत्ते से क्या भाग्य बदल सकता है?

हिंदू धर्म में होने वाले पूजा पाठ के दौरान उपयोग की जाने वाली पूजा सामग्रियों का खास ध्यान रखा जाता है । क्योंकि अधूरी पूजा सामग्री से पूजा संपन्न नही होती। पूजा-पाठ के दौरान उपयोग की जानी वाली प्रमुख सामग्रियों में एक है पान का पत्ता।

पान पत्ते को संस्कृत में तांबूल कहा जाता है। स्कंद पुराण में भी पान पत्ते का वर्णन मिलता है। इसके साथ ही पौराणिक मान्यताओं के अनुसार यह भी कहा जाता है कि, समुद्र मंथन के दौरान भी पान पत्ते का उपयोग हुआ था। इसलिए पान के पत्ते का धार्मिक दृष्टिकोण से विशेष महत्व होता है।

इससे जुड़े कौन से उपाय करने से लक्ष्मी जी होती हैं मेहरबान

लेकिन इसी के साथ पान का पत्ता कई समस्याओं को भी दूर कर सकता है। ज्योतिष में पान के पत्ते से जुड़े ऐसे कई उपाय बताए गए हैं, जो आपका सोया भाग्य जगा सकते हैं। इतना ही पान पत्ते के उपाय से मां लक्ष्मी भी प्रसन्न होकर आशीर्वाद देती हैं। आइये जानते हैं पान पत्ते से जुड़े उपायों के बारे में :..

लक्ष्मी जी होती हैं मेहरबान:- लक्ष्मी जी की कृपा से व्यक्ति को धन-समृद्धि का सुख हासिल होता है। यदि लक्ष्मी जी किसी कारण रुष्ट हो जाए तो धन हानि और आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ता है। अगर आप मां लक्ष्मी को प्रसन्न कर उनका आशीर्वाद प्राप्त करना चाहते हैं तो लक्ष्मी जी की पूजा करते समय पान पत्ते को जरूर शामिल करें। पान का पत्ता मां लक्ष्मी के चरणों के पास चढ़ाकर सिंदूर का टीका लगाएं।

शिव को भी प्रिय है पान के पत्ते :- भगवान शिव को बेलपत्र के साथ ही पान के पत्ते भी प्रिय है। शिवजी की पूजा में पान के पत्ते अर्पित करने से महादेव प्रसन्न होते हैं।

हनुमान को लगाएं पान का बीड़ा :- मंगलवार और शनिवार के दिन हनुमान जी को पान का बीड़ा अर्पित करें। ऐसा करने से बजरंगबली प्रसन्न होकर आपकी मनोकामना पूरी करेंगे।

वरुण धवन की फिल्म बेबी जॉन की रिलीज तारीख से उठा पर्दा

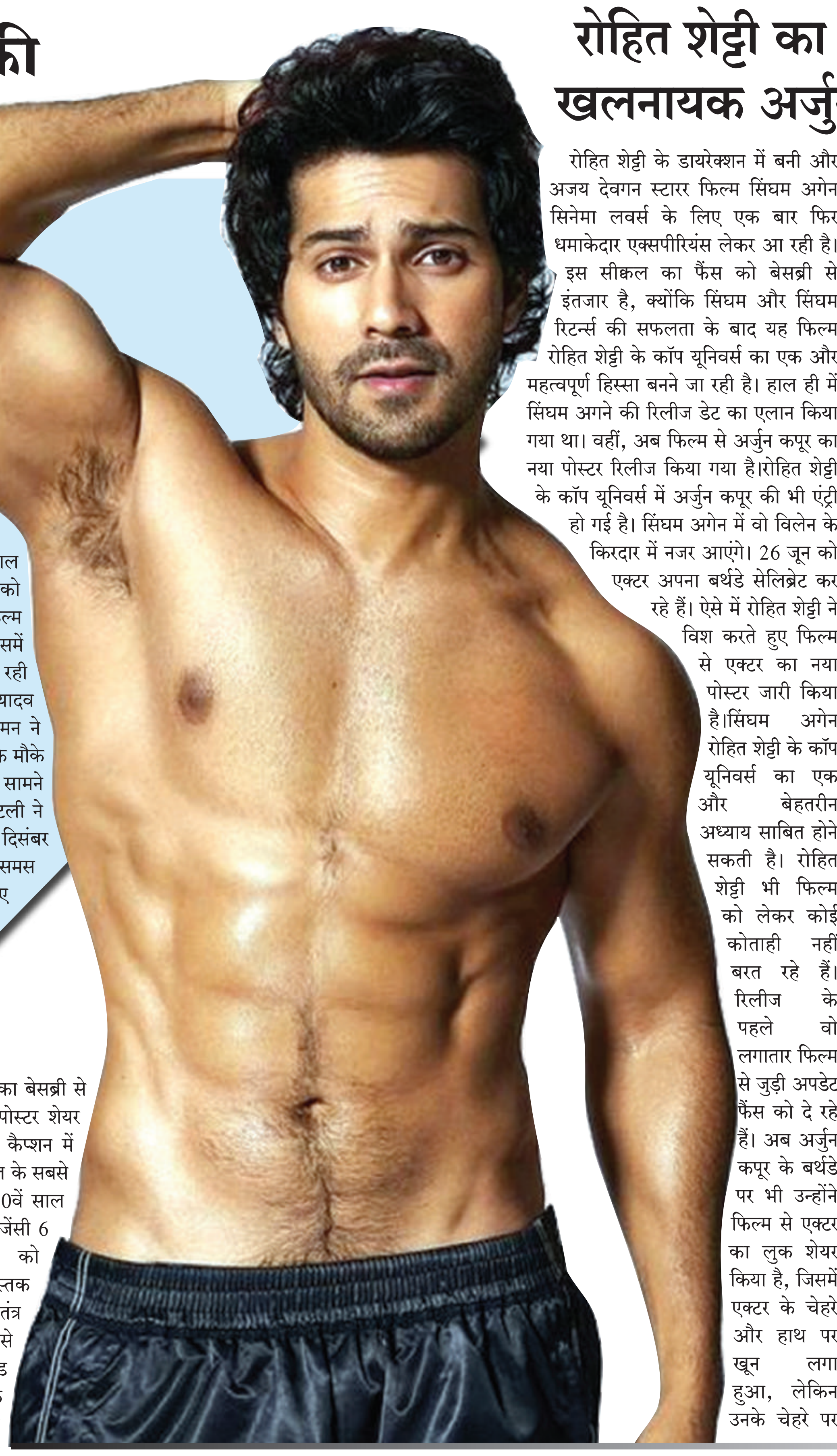

वरुण धवन को आखिरी बार फिल्म बवाल में देखा गया था, जिसमें उनके काम की खूब तारीफ हुई। यह फिल्म बीते साल 21 जुलाई को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई थी।अब वरुण फिल्म बेबी जॉन में नजर आएंगे, जिसका दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।इसके निर्देशन की कमान एटली ने संभाली है, जिन्होंने बीते साल शाहरुख खान के साथ फिल्म जवान दी थी।अब निर्माताओं ने बेबी जॉन की रिलीज तारीख से पर्दा उठा दिया है।उन्होंने कैप्शन में लिखा, इस साल क्रिसमस और भी मजेदार हो गया है। 25 दिसंबर को बेबी जॉन की रिलीज़ के लिए तैयार हो जाइए।यह फिल्म अभिनेत्री कीर्ति सुरेश की हिंदी फिल्म डेब्यू है और इसमें वामिका गब्बी भी हैं, जो सिल्वर स्क्रीन पर डेब्यू कर रही हैं। एक्शन एंटरटेनर में जैकी श्रॉफ और राजपाल यादव जैसे नाम भी शामिल हैं। फिल्म का संगीत एस थमन ने दिया है।बेबी जॉन इस साल क्रिसमस (25 दिसंबर) के मौके पर सिनेमाघरों में दस्तक देगी।फिल्म से वरुण की नई झलक सामने आ गई है, जिसमें उनका धांसू अवतार दिख रहा है।एटली ने पोस्टर साझा करते हुए लिखा, फिल्म बेबी जॉन 25 दिसंबर को दुनिया भर में रिलीज़ हो रही है। इस साल क्रिसमस और भी मजेदार हो गया है। बेबी जॉन के लिए तैयार हो जाइए।बेबी जॉन में वामिका गब्बी और कीर्ति सुरेश जैसी अभिनेत्रियां भी नजर आएंगी।

रोहित शेट्टी का सिंघम अगेन के खलनायक अर्जुन कपूर को तोहफा

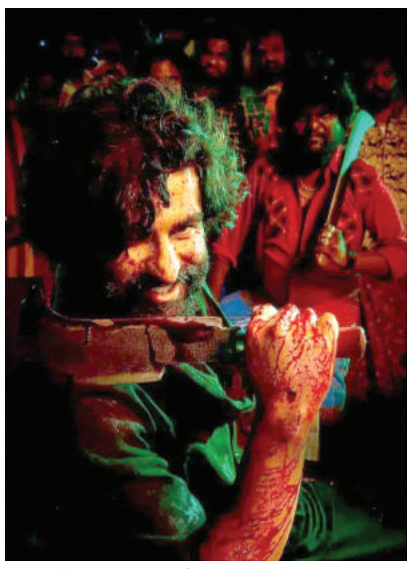

रोहित शेट्टी के डायरेक्शन में बनी और अजय देवगन स्टारर फिल्म सिंघम अगेन सिनेमा लवर्स के लिए एक बार फिर धमाकेदार एक्सपीरियंस लेकर आ रही है। इस सीक्वल का फैंस को बेसब्री से इंतजार है, क्योंकि सिंघम और सिंघम रिटर्न्स की सफलता के बाद यह फिल्म रोहित शेट्टी के कॉप यूनिवर्स का एक और महत्वपूर्ण हिस्सा बनने जा रही है। हाल ही में सिंघम अगने की रिलीज डेट का एलान किया गया था। वहीं, अब फिल्म से अर्जुन कपूर का नया पोस्टर रिलीज किया गया है।रोहित शेट्टी के कॉप यूनिवर्स में अर्जुन कपूर की भी एंट्री हो गई है। सिंघम अगेन में वो विलेन के किरदार में नजर आएंगे। 26 जून को एक्टर अपना बर्थडे सेलिब्रेट कर रहे हैं। ऐसे में रोहित शेट्टी ने विश करते हुए फिल्म से एक्टर का नया पोस्टर जारी किया है।सिंघम अगेन रोहित शेट्टी के कॉप यूनिवर्स का एक और बेहतरीन अध्याय साबित होने सकती है। रोहित शेट्टी भी फिल्म को लेकर कोई कोताही नहीं बरत रहे हैं। रिलीज के पहले वो लगातार फिल्म से जुड़ी अपडेट फैंस को दे रहे हैं। अब अर्जुन कपूर के बर्थडे पर भी उन्होंने फिल्म से एक्टर का लुक शेयर किया है, जिसमें एक्टर के चेहरे और हाथ पर खून लगा हुआ, लेकिन उनके चेहरे पर डरा देने वाली हंसी है।सिंघम अगेन की कहानी एक बार फिर से ईमानदार और निडर पुलिस अधिकारी बाजीराव सिंघम के इर्द-गिर्द घूमेगी। इस बार सिंघम को और भी बड़े और खतरनाक दुश्मनों का सामना करना पड़ेगा। फिल्म में अजय देवगन का दमदार एक्शन और उनका वही पुराना अंदाज दर्शकों को एक बार फिर से मंत्रमुग्ध करेगा। अब देखना यह है कि सिंघम अगेन बॉक्स ऑफिस पर क्या नया रिकॉर्ड बनाती है और कितनी सफलता प्राप्त करती है।सिंघम अगेन में अजय देवगन और अर्जुन कपूर के साथ- साथ करीना कपूर खान भी नजर आएंगी, जिन्होंने पहले भी सिंघम रिटर्न्स में अहम भूमिका निभाई थी। इनके अलावा फिल्म में रणवीर सिंह भी अपने सिंबा वाले किरदार में दिखेंगे। वहीं, दीपिका पादुकोण और टाइगर श्रॉफ फिल्म में सरप्राइज पैकेज होंगे। सिंघम अगेन में जबरदस्त एक्शन, कॉमेडी और ड्रामा का तड़का होगा, जो दर्शकों को सीट से बांध कर रखने में कोई कसर नहीं छोड़ेगा।रोहित शेट्टी की सिंघम अगेन का प्रोडक्शन बड़े पैमाने पर किया गया है। फिल्म के पोस्टर्स ने पहले ही सोशल मीडिया पर धूम मचा दी है। दमदार एक्शन, रोमांचक कहानी और शानदार अभिनय के साथ ये फिल्म दर्शकों को एक बार फिर से सिनेमाघरों में लौटने पर मजबूर कर सकती है। सिंघम अगेन इस साल दीवाली के मौके पर रिलीज होगी। हालांकि, रिलीज डेट अभी रिवील नहीं की गई है।

कंगना रनौत की इमरजेंसी की नई रिलीज डेट आई सामने

6 सितंबर को बड़े पर्दे पर दस्तक देगी फिल्म

एक्ट्रेस कंगना रनौत की अपकमिंग पॉलिटिकल ड्रामा फिल्म इमरजेंसी को लेकर नया अपडेट सामने आया है। लोकसभा चुनाव खत्म होने के बाद एक्ट्रेस कंगना रनौत अब अपने फिल्मी करियर पर भी फोकस कर रही हैं। उनकी अपकमिंग पॉलिटिकल ड्रामा फिल्म इमरजेंसी को लेकर नया अपडेट सामने आया है। कई बार रिलीज डेट टलने के बाद अब यह फिल्म 6 सितंबर को रिलीज होने वाली है।एक्ट्रेस ने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर कर रिलीज डेट की घोषणा की।इस बारे में बात करते हुए, कंगना ने कहा, मैं विलियम शेक्सपियर के मैकबेथ से प्रेरित हूं। इमरजेंसी भारतीय लोकतंत्र का सबसे सनसनीखेज चैप्टर है, और मैं 6 सितंबर, 2024 को दुनिया भर में इसकी रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं।पोस्टर शेयर करते हुए कंगना ने कैप्शन में लिखा, आजाद भारत के सबसे काले अध्याय के 50वें साल की शुरुआत... इमरजेंसी 6 सितंबर 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। भारतीय लोकतंत्र के इतिहास के सबसे कंट्रोवर्शियल एपिसोड की विस्फोटक गाथा।फिल्म में कंगना रनौत भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का रोल निभाती हुई दिखाई देंगी। बता दें कि देश में आंतरिक और बाहरी खतरों के चलते 25 जून 1975 को भारत में 21 महीने के लिए इमरजेंसी लागू की गई थी।कंगना के अलावा, फिल्म में अनुपम खेर, मिलिंद सोमन, श्रेयस तलपड़े, महिमा चौधरी और दिवंगत सतीश कौशिक जैसे कलाकार नजर आएंगे।जी स्टूडियो और मणिकर्णिका फिल्म्स द्वारा निर्मित, फिल्म का म्यूजिक संचित बलहारा ने तैयार किया है, जबकि कहानी और डायलॉग रितेश शाह ने लिखे हैं।गौरतलब है कि इमरजेंसी की रिलीज डेट दो बार टल चुकी है। पहले यह 24 नवंबर 2023 में रिलीज होनी थी, लेकिन किसी वजह से यह थिएटर में नहीं जा पाई। बाद में फिल्म की रिलीज डेट 7 महीने आगे बढ़ा दी गई और कहा गया कि इसे 14 जून 2024 को रिलीज किया जाएगा, लेकिन कंगना रनौत ने लोकसभा चुनाव के चलते इसे भी पोस्टपोन कर दिया। ऐसे में फैंस इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अब जब फिल्म की नई रिलीज डेट को ऐलान किया गया है, तो लोगों में खुशी है।

साड़ी पहन एक्ट्रेस श्रिया सरन ने इंटरनेट पर लगाई आग

साउथ की हसीन अदाकारा श्रिया सरन आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती रहती हैं। उनका हर एक लुक सोशल मीडिया पर आते ही छा जाता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस की कुछ लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं, जिसमें वो काफी ज्यादा खूबसूरत नजर आ रही हैं।बॉलीवुड और साउथ इंडस्ट्री की खूबसूरत हसीना श्रिया सरन आए दिन अपनी हॉटनेस और बोल्डनेस के कारण सुर्खियों में बनी रहती हैं।

वो जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो अक्सर फैंस के बीच तेजी से वायरल होने लगती हैं।अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट हॉट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनके कातिलाना लुक से फैंस नजरें नहीं हटा पा रहे हैं।फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस श्रिया सरन ने ब्लैक कलर की बेहद ही स्टाइलिश साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वो काफी ज्यादा स्टनिंग नजर आ रही हैं।

फोटोशूट के दौरान एक्ट्रेस श्रिया सरन ने कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक किलर पोज दिए हैं। इन तस्वीरों में उनकी बेबाकी थमने का नाम नहीं ले रही हैं।बालों को खोलकर और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस श्रिया सरन ने अपने आउटलु को कंप्लीट किया है।एक्ट्रेस श्रिया सरन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है।

सोनाक्षी सिन्हा की फिल्म ककुड़ा की रिलीज तारीख से उठा पर्दा

हिंदी सिनेमा में हॉरर कॉमेडी मूवीज को काफी पसंद किया जा रहा है। हाल ही में रिलीज हुई मुंज्या बॉक्स ऑफिस पर अपनी कमाई से हर रोज धमाल मचा रही है। इस शैली में अब सुपरनैचुरल कॉमेडी ककुड़ा की चर्चाएं हो रही है।मेकर्स ने फिल्म का फर्स्ट लुक जारी किया है, साथ ही रिलीजिंग डेट से भी पर्दा उठाया है।फिल्म में सोनाक्षी सिन्हा, रितेश देशमुख और साकिब सलीम लीड रोल में हैं।सोशल मीडिया पर मेकर्स ने एक डरावना पोस्टर शेयर किया। इस पोस्टर में रितेश बीच में खड़े हैं और उनके हाथ में एक डिवाइस है। उनके बाएं हाथ पर टैटू है और आंखों में काजल लगा हुआ है। उनके बगल में सोनाक्षी हैं, जो डरी-सहमी नजर आ रही हैं। उन्होंने टॉर्च पकड़ी हुई है।रितेश के दूसरी तरफ साकिब हैं, जो गुंडे की तरह दिख रहे हैं और टॉर्च पकड़े हुए हैं। तीनों के पीछे डरावनी परछाई है, जो उन्हें करीब से देख रही है।मेकर्स ने पोस्ट को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, पुरुषों के हित में जारी। ककुड़ा आ रहा है। 12 जुलाई को घर पर रहें और ठीक 7:15 बजे दरवाजा खुला रखना ना भूलें। अब मर्द खतरे में है।ककुड़ा की कहानी उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले के शापित रतौड़ी गांव के ईद-गिर्द घूमती है।

यहां हर घर में दो दरवाजे होते हैं, एक सामान्य आकार का और दूसरा उससे छोटा।फिल्म में अजीबोगरीब अनुष्ठान होते हैं, जिसके तहत हर मंगलवार को शाम 7:15 बजे हर किसी को अपने घर के छोटे दरवाजे को खुला रखना होता है, जो ऐसा नहीं करता, उस पर ककुड़ा अपना प्रकोप बरसाता है। वह घर के मुखिया को भयंकर सजा देता है।ककुड़ा कौन है और वह गांव के पुरुषों को सजा क्यों देता है, गांव वालों को अभिशाप से कैसे मुक्ति मिलेगी?, यह सब फिल्म रिलीज होने पर पता चलेगा।फिल्म रोंगटे खड़े कर देने वाले पलों के साथ-साथ हंसी-मजाक से भरपूर भी है। इसमें आसिफ खान भी हैं।आदित्य सरपोतदार द्वारा निर्देशित और रोनी स्क्रूवाला द्वारा निर्मित यह फिल्म 12 जुलाई को जी5 पर रिलीज होगी।

प्रभास व महेश बाबू के साथ काम करना चाहती हैं राशि खन्ना

साउथ और हिंदी सिनेमा की फेमस एक्ट्रेस राशि खन्ना अपनी सुपरहिट फिल्मों के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने अपनी करियर की शुरुआत जॉन अब्राहम की फिल्म मद्रास कैफे से की थी, जो 2013 में रिलीज हुई। फिल्म में उनके काम को काफी पसंद किया गया। उन्हें इंडस्ट्री में आए एक दशक पूरा हो चुका है।एक्ट्रेस ने अपनी टॉलीवुड विश लिस्ट के बारे में बात की। उनकी विश लिस्ट में प्रभास और महेश बाबू जैसे स्टार्स के नाम शामिल हैं, जिनके साथ वह काम करना चाहती हैं।राशि ने कहा, मैं महेश बाबू के साथ काम करना चाहती हूं। मैंने यह कई बार कहा है। मुझे लगता है कि हमारी जोड़ी ऑन स्क्रीन काफी अच्छी लगेगी।एक्ट्रेस ने कहा कि वह प्रभास के साथ भी काम करना पसंद करेंगी।उन्होंने कहा, वह बहुत बढ़िया काम कर रहे हैं। मुझे कल्कि 2898 एडी का ट्रेलर बहुत पसंद आया। मैं इसका बेसब्री से इंतजार कर रही हूं।फिलहाल, राशि के पास कई फिल्में हैं, इनमें द साबरमती रिपोर्ट और तलाखों में एक शामिल हैं। दोनों फिल्मों में उनकी जोड़ी एक्टर विक्रांत मैसी के साथ नजर आएंगी। इसके अलावा, उनकी एक तेलुगु फिल्म तेलुसु कड़ा भी पाइपलाइन में है।द साबरमती रिपोर्ट की बात करें, तो यह ड्रामा थ्रिलर फिल्म 2002 में साबरमती एक्सप्रेस पर हुई सच्ची घटनाओं से प्रेरित है। यह फिल्म 2 अगस्त को रिलीज होने वाली है।राशि को पिछली बार सुंदर सी द्वारा निर्देशित कॉमेडी हॉरर फिल्म अरनमनई 4 में देखा गया था। उन्होंने डॉक्टर माया का किरदार निभाया।

156 एकड़ में बनेगी नोएडा फिल्म सिटी

तीन साल में तैयार हो जाएगा फिल्म इंस्टीट्यूट

नोएडा, 27 जून (एजेंसियां)। यूपी की फिल्म सिटी आकार ले रही है। यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण क्षेत्र के तहत नोएडा के सेक्टर 21 में बनने वाली यह फिल्म सिटी 8 वर्षों में पूरी तरह बनकर तैयार होगी, जबकि पहले चरण में तीन साल के अंदर यहां फिल्मों से संबंधित फैसिलिटीज और फिल्म इंस्टीट्यूट बनकर तैयार हो जाएगा। इस पूरे प्रोजेक्ट पर 1510 करोड़ रुपए का खर्च किया जाएगा।

गुरुवार को फिल्म सिटी का निर्माण करने वाली बोनी कपूर और आशीष भूटानी की कंपनी बेब्यू प्रोजेक्ट एलएलपी और यीडा के बीच कंसेशन एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किया गया। कंसेशन एग्रीमेंट प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अरुणवीर सिंह और बोनी कपूर के बीच हस्ताक्षरित हुआ। इस दौरान अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्रुति एवं आशीष भूटानी भी उपस्थित रहे।

यीडा के सीईओ अरुणवीर सिंह ने बताया कि फिल्म सिटी के पूरे प्रोजेक्ट को 8 वर्ष या 2920 दिन में पूरा किया जाएगा। वहीं फिल्म फैसिलिटीज और फिल्म इंस्टीट्यूट के लिए 3 वर्ष या 1095 दिनों का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस पूरे प्रोजेक्ट पर कुल 1510 करोड़ रुपए का खर्च आएगा। पहले दो साल में फिल्म सिटी के निर्माण में 50 करोड़ रुपए खर्च होंगे तो तीसरे वर्ष 75 करोड़ रुपए खर्च होंगे। वहीं चौथे से 8वें साल के बीच इस पर 100 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि स्टूडियो बैकलॉट्स और ओपेन सेट्स समेत फिल्मिंग कंपोनेंट्स पर 832.91 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे, जबकि हॉस्पिटैलिटी पर 373.93 करोड़ रुपए, सर्विस एकमोडेशन पर 315.07 करोड़ रुपए, ऑफिस पर 109.60 करोड़ रुपए और इंफ्रास्ट्रक्चर पर 76.44 करोड़ रुपए खर्च होंगे।

कुल 230 एकड़ क्षेत्र में फिल्म सिटी का निर्माण किया जाएगा, जिसमें 135 एकड़ क्षेत्र में फिल्मिंग फैसिलिटी विकसित की जाएंगी। वहीं 21 एकड़ क्षेत्र में फिल्म इंस्टीट्यूट बनेगा। इस तरह कुल 156 एकड़ में फिल्मिंग कंपोनेंट्स को विकसित किया जाएगा। वहीं शेष 75 एकड़ में कमर्शियल कंपोनेंट्स स्थापित किए जाएंगे। इनमें सर्विस एकमोडेशन 57 एकड़ में, हॉस्पिटैलिटी-डॉर्मिटरीज 2.37 एकड़ में, हॉस्पिटैलिटी-अपस्केल 5.15 एकड़ में, हॉस्पिटैलिटी अपर अपस्केल में 3.60 एकड़ में, एफएंडबी फोकस्ड रिटेल डेवलपमेंट 5.15 एकड़ में और कमर्शियल ऑफिस 2.37 एकड़ में निर्मित होगा।

साइनिंग सेरेमनी के दौरान मशहूर फिल्म निर्माता बोनी कपूर ने कहा, ये जो फिल्म सिटी का कार्य हो रहा है, हमारी तैयारी इसकी साइनिंग से पहले ही शुरू हो चुकी है।

हाल ही में मैं लंदन और एलए गया और वहां काफी स्टूडियोज का अवलोकन किया। जो नए स्टूडियोज बने हैं, वहां किस तरह की नई टेक्नोलॉजी का उपयोग किया जा रहा है, इसका भी जायजा लिया। यूपी में बन रही यह अंतर्राष्ट्रीय फिल्म सिटी पूरी तरह वर्ल्ड क्लास होगी। वहीं यीडा के सीईओ अरुणवीर सिंह ने कहा कि फिल्म सिटी की कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के लिए हम इसके एक्सेस का पूरा ध्यान रख रहे हैं। फिल्म सिटी में बड़े-बड़े सेट लगाने के लिए बड़ी गाड़ियों का आवागमन होगा, इसको देखते हुए यमुना अथॉरिटी ने 75 मीटर इंटरलिंक लेन बनाने का निर्णय लिया है। इसकी प्लानिंग हमने कर ली है, इसका सारा व्यय प्राधिकरण ही करेगा। यमुना प्राधिकरण का स्वभाव है कि वो अपने निवेशकों को नहीं मांगने पर भी उनकी सुविधा के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करता है।

उत्तर प्रदेश में भारी भरकम निवेश की असलियत

28 हजार करोड़ के निवेश का करार करने वाली कंपनी लापता

अलीगढ़, 27 जून (एजेंसियां)। प्रदेश में उद्योगों को बढ़ावा देने और कारोबारी स्थिति को मजबूत करने के इरादे से आयोजित यूपी इंवेस्टर्स समिट में 28 हजार करोड़ के करार का निवेश करने वाली कंपनी का अता-पता नहीं है। दक्षिण भारत की सेमी कंडक्टर बनाने का प्रस्ताव लाने वाली कंपनी से उद्योग विभाग के तमाम प्रयास के बाद भी संपर्क नहीं हो पा रहा है।

ऐसे में अगर यह कंपनी संपर्क में नहीं आई तो समिट में पचास हजार करोड़ के निवेश के करार में से 28 हजार करोड़ का यह हिस्सा सबसे बड़ा झटका हो सकता है। हैरान करने वाली बात ये है कि अभी तक जिले में मात्र छह हजार करोड़ के निवेश पर करार करने वाली कंपनियों ने काम शुरू किया है। शेष 44 हजार करोड़ के निवेश पर काम कराने के लिए उद्योग विभाग प्रयासरत है।

सूबे की सरकार ने फरवरी 2024 में यूपी इंवेस्टर्स समिट का आयोजन किया। प्रदेश स्तर पर हुए आयोजन में बड़े निवेशक व जिला स्तर पर छोटे निवेशक आमंत्रित किए गए। इनके द्वारा जिले में पचास हजार करोड़ रुपए के निवेश के 486 करार किए गए। इनमें एमएसएमई, होर्टिकल्चर, आईटी, एक्सप्रेस वे, यूपीएसआईडीसी, स्वास्थ्य, होटल आदि क्षेत्र के कई बड़े करार थे। इसके बाद से इन करार करने वाले निवेशकों के उद्यम जिले में स्थापित करने के प्रयास उद्योग विभाग द्वारा शुरू किए गए।

इनमें से अब तक प्रयास के बाद छह हजार करोड़ के निवेश वाले उद्यम शुरू हो पाए हैं। जिनमें से काफी उद्यम समिट से पहले के हैं। जून के पहले सप्ताह में हुई समीक्षा में सामने आया कि 44 हजार करोड़ के निवेश पर करार करने वाले निवेशक अभी तक काम शुरू नहीं कर पाए हैं, जिनमें सबसे बड़ा निवेश करने वाली दक्षिण भारत की ची-प्राइम फर्म है। जिसने 28921 करोड़ के निवेश पर करार कर सेमी कंडक्टर बनाने की यूनिट लगाने का प्रस्ताव दिया था। यह इस समिट का सबसे बड़ा करार था।

आज तक इस कंपनी की ओर से करार पर साइन के बाद कोई ध्यान नहीं दिया गया। इसे लेकर परेशान उद्योग विभाग द्वारा कंपनी से संपर्क करने का लगातार प्रयास किया जा रहा है। कई बार मेल के जरिये संवाद हुआ है। मगर आज तक कोई संतोषजनक जवाब नहीं आया। एक मर्तबा जरूर जमीन की जरूरत के संबंध में संवाद हुआ था। इसके बाद से फिर कंपनी की ओर से न तो किसी तरह का संपर्क किया गया और न उद्योग विभाग के किसी मेल का जवाब दिया गया है। इसे लेकर उद्योग विभाग के अधिकारी परेशान हैं।

बाकी अन्य निवेशकों से संपर्क व उनके करारों को धरातल पर लाने के प्रयास जारी हैं। समय समय पर उन्हें बुलाया जाता है। उनकी जरूरतें पूछी जाती हैं। उनमें कुछ जमीन तलाश रहे हैं तो कुछ सरकारी जमीन मांग रहे हैं। इस पर उद्योग विभाग के स्तर से सहयोग का भरोसा दिया जाता है।

जेल में अब थर्ड डिग्री नहीं, अब मिल रही है पढ़ाई की डिग्री

प्रयागराज, 27 जून (एजेंसियां)। प्रयागराज स्थित नैनी सेंट्रल जेल में हत्या लूट, डकैती, चोरी समेत अन्य संगीन अपराध में सजा काट रहे बंदी जेल में ही पढ़ाई-लिखाई शुरू कर दी है। ये बंदी पढ़-लिखकर समाज के लिए कुछ अलग करना चाहते हैं। इनका जेल से रिहा होने के बाद अपराध की राह छोड़कर नौकरी में जाने का लक्ष्य है। इनमें कई बंदी स्नातक तो कई परास्नातक की डिग्री लेने के लिए इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) से पढ़ाई कर रहे हैं। इनमें पुरुष और महिला बंदी दोनों शामिल है।

नैनी सेंट्रल जेल में बंदियों के रखने की क्षमता करीब दो हजार है। फिलहाल जेल में करीब 1700 बंदी है। जेल में आने वाले बंदियों को जेल प्रशासन देखता है कि बंदी कितना पढ़ा लिखा है। उस हिसाब से उसकी काउंसलिंग की जाती है। इनमें कई बंदी आगे पढ़ाई के लिए तैयार हो जाते हैं। डिग्री के हिसाब से इनका स्कूल या फिर विश्वविद्यालय में एडमिशन करवा दिया जाता है।

इनमें 57 बंदी ऐसे हैं, जिन्होंने इग्नू में स्नातक और परास्नातक की डिग्री लेने के लिए फार्म भरा था। अब इनकी छह जून से परीक्षा शुरू हो गई है। दो पालियों में चल रही परीक्षा 13 जुलाई तक चलनी है। जेल की कड़ी निगरानी में परीक्षा करवाई जा रही है। बताया गया कि ऐसे कई महिला पुरुष बंदी भी है जो बीच में ही रिहा होने के बाद उनकी पढ़ाई छूट गई है। बंदियों के विश्वविद्यालय में प्रवेश के बाद इनको मुफ्त में प्रबंधन की तरफ से पुस्तकें मुहैया करवाई जाती हैं। इसके बाद यह दिन-रात पढ़ाई करते हैं। इन बंदियों के पास न तो इंटरनेट और ना ही पढ़ाई के लिए कोई ऑनलाइन सुविधा रहती है। सिर्फ ऑफलाइन ही जेल की चार दिवारी के बीच पढ़ाई करते हैं। इनके पढ़ाई के लिए पुस्तकें विश्वविद्यालय देता है और परीक्षा नैनी सेंट्रल जेल में होती है।

नैनी सेंट्रल जेल में इस समय ऐसे 100 से ज्यादा बंदी हैं, जो पांचवीं से आठवीं की पढ़ाई कर रहे हैं। इसके लिए बाकायदा जेल की पांच में से चार सर्किल में क्लास चलती है। इसमें भी पुरुष बंदी के साथ-साथ महिला बंदी भी शामिल हैं। यहां पर बंदियों को नैतिक शिक्षा प्रदान की जाती है। ताकि वे अच्छे नागरिक बन सकें। दसवीं-बारहवीं में पढ़ाई के लिए जुलाई-अगस्त में इच्छुक बंदियों से आवेदन करवाया जाएगा। बताया गया कि इन कक्षाओं के लिए नैनी, फतेहपुर, चित्रकूट, कौशाम्बी, प्रतापगढ़, हमीरपुर, बांदा समेत अन्य जगहों की जेल में अगर कोई आवेदन करता है तो उसकी परीक्षा जिला बांदा जेल में करवाई जाती है। यानी यहां के जेलों में बंद अगर कोई बंदी दसवीं-बारहवीं की परीक्षा देने चाहता है तो उसे बांदा के जेल में ही परीक्षा देना पड़ेगा।

दूसरी तरफ, नैनी सेंट्रल जेल में शिव नाडर फाउंडेशन की तरफ से भी बंदियों को साक्षर करने की एक मुहीम चलाई जा रही है। अबतक चले 24-25 के दो बैच में बंदियों को साक्षर प्रमाणपत्र दे दिया गया है। जबकि 25 बंदियों के एक बैच की पढ़ाई चल रही है। कंप्यूटर और प्रोजेक्टर से 45 दिनों के कोर्स को पूरा करने के लिए प्रत्येक सोमवार से शनिवार रोजाना दो घंटे क्लास चलती है। इनमें 18 से लेकर 80 वर्ष उम्र के बंदी शामिल है। कुल तीन बैच में 74 महिला पुरुष बंदी को चिन्हित किया गया है।

अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस पर सीएम योगी ने कहा

यूपी की अर्थव्यवस्था आगे बढ़ाने में एमएसएमई की भूमिका अहम : योगी

लखनऊ, 27 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि उत्तर प्रदेश में एमएसएमई की 90 लाख से अधिक इकाइयां मौजूद हैं। 2017 में प्रदेश देशी की छठे नंबर की अर्थव्यवस्था थी, जो आज दूसरे स्थान पर आ गई है। यही कारण है कि रोजगार देने के मामले में यूपी आज पहले पायदान पर है। प्रदेश की अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में राज्य के एमएसएमई उद्यमियों की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका है। सीएम योगी गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस पर लोकभवन सभागार में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पूरी दुनिया में एमएसएमई अर्थव्यवस्था की रीढ़ होती है। यूपी सौभाग्यशाली है कि यहां सैकड़ों साल से स्थानीय स्तर पर हस्तशिल्पी, कारीगर अपने उत्पादों का निर्माण करते रहे हैं।

मगर विगत दशकों में उचित प्रोत्साहन के आभाव में हमारा सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम दम तोड़ रहा था। 2017 तक एमएसएमई उद्यमियों के बीच हताशा और निराशा थी। हमारा प्रदेश अर्थव्यवस्था और रोजगार में फिसड्डी था। कृषि के बाद एमएसएमई ही रोजगार सृजन का सबसे बड़ा क्षेत्र है। इसे ध्यान में रखते हुए 2017 के बाद से लगातार किये गये प्रयास के फलस्वरूप आज हमारा एमएसएमई उद्योग प्रदेश के विकास की रीढ़ बन चुका है।

सीएम योगी ने कहा कि आज हम इंटरनेशनल ट्रेड शो के जरिए प्रदेश के एमएसएमई प्रोडक्ट की शोकेसिंग करने में कामयाब हुए हैं। उन्होंने बताया कि आज 20 हजार करोड़ से अधिक के ऋण की सुविधा उद्यमियों को प्राप्त होने जा रही है।

इसके साथ ही रैम्प योजना के तहत बंद हो रही इकाइयों के उत्थान का काम किया गया है। इसके अलावा उद्यम को नये स्तर पर पहुंचाने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए गये हैं। प्रदेश में 90 लाख से अधिक एमएसएमई इकाई हैं। इनकी ब्रांडिंग, मार्केटिंग और शोकेसिंग में हमने लंबी छलांग लगाई है। उन्होंने बताया कि झांसी में आज उद्घाटित हुआ रानी लक्ष्मीबाई प्लेज पार्क प्रदेश का 11वां प्लेज पार्क है। निजी क्षेत्र में उद्यमियों के लिए ये प्लेज पार्क अत्यंत ही लाभकारी होते हैं।

मुख्यमंत्री ने बताया यूपी में आज निवेश का बेहतर वातावरण बना है। कानून का राज और सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ हुई है। उद्योग-धंधों के लिए ये कारक बहुत जरूरी होते हैं, इसके साथ ही औद्योगिक वातावरण के लिए एमएसएमई भी आवश्यक होते हैं। सीएम ने बताया कि डिफेंस उत्पादन में देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रदेश में डिफेंस कॉरीडोर बन रहा है। डिफेंस कॉरिडोर में अबतक 24 हजार करोड़ के निवेश को हमने यहां लागू कर लिया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में एमएसएमई पॉलिसी को कोविड काल में लागू किया था। सीएम ने पॉलिसी की खूबियां गिनाईं साथ ही फ्लेटेड फैक्ट्री को सफलतापूर्वक आगे बढ़ाने की जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि गत वर्ष की तरह इस वर्ष भी सितंबर में इंटरनेशनल ट्रेड शो का आयोजन होने जा रहा है। पिछले साल 70 हजार बायर्स ट्रेड शो में आए थे, इसबार यह संख्या और बढ़ेगी। इंटरनेशनल ट्रेड शो के जरिए हमें अपने प्रदेश के प्रोडक्ट की बेहतरीन मार्केटिंग का अवसर मिलता है।

सीएम योगी ने बताया कि प्रदेश सरकार एमएसएमई उद्यमियों को मुख्यमंत्री उद्यमी बीमा का कवर देती है, अबतक 24 लाख से अधिक उद्यमियों ने इसमें रजिस्ट्रेशन कराया है। इसके अंतर्गत अगर किसी आपदा की चपेट में कोई उद्यमी आता है तो उसे 5 लाख रुपए तक का लाभ सरकार प्रदान करेगी। साथ ही साथ मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के अंतर्गत 5 लाख तक के ऋण को ब्याज मुक्त करने के लिए हमने कदम बढ़ाए हैं। आगामी 10 साल में 10 लाख सूक्ष्म उद्यमियों को इससे जोड़ने का लक्ष्य है। सीएम ने सभी उद्यमियों को अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सरकार हर स्तर पर अपने उद्यमियों के साथ खड़ी है।

साबरमती रिवर फ्रंट जैसा मनोरम होगा कुकरैल रिवर फ्रंट

कुकरैल नदी पर रिवर फ्रंट बनाने की तैयारियां तेज

लखनऊ, 27 जून (एजेंसियां)। लखनऊ में कुकरैल नदी के किनारे प्रस्तावित रिवर फ्रंट अहमदाबाद में स्थित साबरमती रिवर फ्रंट जैसा मनोरम और आधुनिक सुविधाओं वाला हो सकता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर कुकरैल नदी को पुनर्जीवित करने के प्रयासों के क्रम में साबरमती रिवर फ्रंट, अहमदाबाद के अध्ययन के लिए गठित समिति द्वारा पिछले वर्ष ही इसका स्थलीय निरीक्षण एवं भ्रमण कर लिया गया है। रिवर फ्रंट बनाने की कार्रवाई लखनऊ नगर निगम के तहत पूर्ण की जाएगी। इसके लिए नगर निगम द्वारा एसपीवी के गठन से संबंधित ड्राफ्ट शासन को उपलब्ध कराया गया है, जो कि लखनऊ रिवरफ्रंट डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड के नाम से होगा। कुकरैल नदी के किनारे रिवर फ्रंट डेवलपमेंट के लिए संबंधित कंसल्टैंट द्वारा डीपीआर तैयार किए जाने की कार्रवाई की जा रही है तथा जल्द ही सीएम के समक्ष इसका प्रस्तुतिकरण किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि योगी सरकार के विजन के अनुरूप कुकरैल नदी को पुनर्जीवित किए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके साथ ही सीएम योगी के निर्देश पर विभागों को कुकरैल नदी को अविरल, निर्मल और प्रदूषणमुक्त किए जाने के मिशन पर लगाया गया है। इसका उद्देश्य गंदे नालों को कुकरैल में प्रवाहित होने से रोकना, नदी तट का सौन्दर्यीकरण, साइट डेवलपमेंट और ग्रीन बेल्ट विकसित करना है।

मुख्यमंत्री द्वारा कुकरैल नदी को प्रदूषण मुक्त और पुनर्जीवित करने के लिए नदी में गिरने वाले 39 नालों को इंटरसेप्ट करने के निर्देश दिए गए थे। इस क्रम में प्रथम चरण में 17 नालों को टेप करने का कार्य 95 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है। वहीं 12 नालों का आईडी कार्य क्रियाशील है और शेष इस महीने तक पूरा हो जाएगा। द्वितीय चरण में 22 नालों को टैपिंग कर 6 एमएलडी अशोधित सीवेज को कुकरैल नदी में गिरने से रोका जाएगा। वहीं तृतीय चरण में न्यूनतम जल प्रवाह बनाए रखने के लिए 40 एमएलटी क्षमता का एसटीपी बनाकर शोधित ट्रीटेड एफ्लुएंट को कुकरैल नदी में अपस्ट्रीम में छोड़ा जाएगा। अकबरनगर में नगर निगम की जमीन पर अवैध निर्माण ध्वस्त करने के बाद 1.50 हेक्टेयर भूमि पर एसटीपी का कार्य किया जाएगा।

कुकरैल नदी में पानी की अविरल आपूर्ति के लिए वन क्षेत्र में कुकरैल नदी के जल स्रोतों और जल निकायों को पुनर्जीवित करने के लिए वॉटरपॉन्ड बनाए जाएंगे। वहीं ग्रामीण क्षेत्र में जल स्रोतों और जल निकायों को पुनर्जीवित करने के लिए ग्रामीण विकास विभाग और लखनऊ विकास प्राधिकरण द्वारा कार्य किया जा रहा है।

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा

पुलिस का आधुनिकीकरण नहीं हुआ तो खतरे में पड़ेगा कानून का राज

लखनऊ, 27 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अगर आधुनिकीकरण नहीं हुआ तो पुलिस फोर्स पिछड़ जाएगी। जिसका कानून के राज पर खतरनाक असर पड़ेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डीजी कांफ्रेंस में स्मार्ट पुलिसिंग के जो सूत्र बताए थे, हमें उनका अनुसरण करना है। पुलिस को मॉडर्न होने के साथ मोबाइल होना पड़ेगा। अलर्ट के साथ अकाउंटेबिल, रिलायबल के साथ रिस्पांसिबल और टेक्नोसेवी होने के साथ फिजिकली ट्रेंड होना होगा। योगी गुरुवार को अपने सरकारी आवास पर यूपी 112 के दूसरे चरण के तहत उच्चीकृत पीआरवी के फ्लैग ऑफ और यातायात कर्मियों को एसी हेलमेट वितरण करने के कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

सीएम योगी ने पुलिस बल की सराहना करते हुए कहा कि सात साल में प्रदेश पुलिस ने देश में अपनी नई पहचान कायम की है। यूपी को भी नई पहचान दिलाई है। सात वर्षों में प्रदेश में कायम किए गये कानून के राज को दुनिया देख रही है। इसने पुलिस का सम्मान बढ़ाया है। निवेश और व्यापार की नई संभावनाओं तथा विकास एवं रोजगार के नए मुकाम तक पहुंचाने में मदद की है। कानून का राज स्थापित होने से यूपी देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनकर उभरा है।

पेरिस ओलंपिक कोटा हासिल करने के बाद जूडोका तूलिका मान की नजरें पदक पर

नई दिल्ली, 27 जून (एजेंसियां)।

तूलिका मान ओलंपिक में जगह बनाने को लेकर सुनिश्चित नहीं थी लेकिन अब पेरिस खेलों के लिए क्वालीफाई करने के बाद इस भारतीय जूडो खिलाड़ी को पदक जीतने की उम्मीद है और उन्होंने कम से कम कांस्य पदक के प्ले ऑफ में जगह बनाने को लक्ष्य बनाया है। राष्ट्रमंडल खेलों की रजत पदक विजेता 25 साल की तूलिका ने 78 किग्रा से अधिक वर्ग में पेरिस ओलंपिक के लिए महाद्वीपीय कोटा हासिल किया। तूलिका ने साइ मीडिया से कहा, जूडो हमेशा से ही हैरान करने वाली चीजों से भरा रहा है और कोई नहीं जानता कि कब क्या हो जाए। इसलिए कोई नहीं जानता कि उस दिन क्या होगा। देखिए कैसे मैंने पेरिस ओलंपिक में जगह बनाई। उन्होंने कहा, लेकिन अपनी ट्रेनिंग को देखते हुए मुझे उम्मीद है कि अगर मैं फाइनल में जगह नहीं भी बना पाई तो कम से कम कांस्य पदक के मुकाबले में पहुंचूंगी। हम स्वर्ण पदक के लिए ट्रेनिंग कर रहे हैं। क्वालिफाइंग चक्र 22 जून 2022 से 23 जून 2024 था और 2022 में चोट लगने के बाद तूलिका ओलंपिक में क्वालीफाई करने को लेकर आश्वस्त नहीं थी। हालांकि, पिछले महीने अबु धाबी में विश्व चैंपियनशिप के राउंड ऑफ 32 मुकाबले में कनाडा की पोर्तुओंदो इसासी के खिलाफ जीत ने उनकी ओलंपिक रैंकिंग में सुधार किया। ओलंपिक में हिस्सा लेने जा रही भारत की नौवीं महिला जूडो खिलाड़ी तूलिका ने कहा, यह यात्रा रोमांचक रही है। मेरे कोच (यशपाल सोलंकी) ने कार्यक्रमों का एक कैलेंडर तैयार किया था लेकिन ओलंपिक उसमें शामिल नहीं था। हालांकि, पिछले साल हांगझोउ में एशियाई खेलों में पांचवें स्थान पर रहने और इस साल अप्रैल में हांगकांग में एशियाई चैंपियनशिप ने उन्हें महत्वपूर्ण अंक हासिल करने में मदद की। दिल्ली की यह लड़की 1345 अंकों के साथ 36वें स्थान पर रही। उन्होंने कहा, मैंने एशियाई खेल और एशियाई चैंपियनशिप दोनों में तीन-तीन मुकाबले जीते। हांगकांग में मुझे सबसे पहले लगा कि मैं कर (क्वालीफाई) सकती हूं। विश्व चैंपियनशिप में जीत से मदद मिली। तूलिका का मानना है कि चीन की सू शिन खेलों के दौरान उनकी सबसे कड़ी प्रतिद्वंद्वी साबित हो सकती हैं। उन्होंने कहा, वह मेरी सबसे बड़ी प्रतिस्पर्धी होंगी क्योंकि 2022 एशियाई चैंपियनशिप में उनके साथ मुकाबले के दौरान मैं चोटिल हो गई थी।

न्यूज़ ब्रीफ

गोला फेंक खिलाड़ी तजिंदर पाल सिंह राष्ट्रीय अंतर राज्यीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप से हटे

नई दिल्ली। भारत के गोला फेंक खिलाड़ी तजिंदर पाल सिंह तूर ने टखने में दर्द के कारण राष्ट्रीय अंतर राज्यीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप से बाहर होने का फैसला किया है। पंचकुला में शुरू हो रही यह प्रतियोगिता आगामी पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई करने का अंतिम मौका है। कुछ दिन पहले तक एशियाई रिकॉर्ड धारक तूर विश्व रैंकिंग कोटा के जरिए पेरिस खेलों के लिए क्वालिफाई करने की राह पर थे। वह गत एशियाई चैंपियन और एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता हैं। हालांकि, अब उन्होंने अपना नाम वापस ले लिया है। तूर ने पीटीआई को बताया कि अभी उनके टखने में थोड़ा दर्द है जिसकी वजह से डॉक्टर ने सिंह को तीन से चार हफ्तों तक थ्रो नहीं करने की सलाह दी है। भारत के 29 साल के तूर के नाम कुछ समय पहले तक 21.77 मीटर का एशियाई रिकॉर्ड था। सऊदी अरब के मोहम्मद दाओबा तोलो ने 21 जून को मैड्रिड में एस्टाडियो वालेहर्मोसो प्रतियोगिता में 21.80 मीटर के प्रयास के साथ उनके रिकॉर्ड को तोड़ा। यह देखना होगा कि भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) तूर की नवीनतम समस्या से कैसे निपटता है क्योंकि अधिकारी अभी तक इस बारे में कुछ नहीं कह रहे हैं। पेरिस ओलंपिक में पुरुषों की गोला फेंक स्पर्धा दो अगस्त (क्वालीफाइंग दौर) को शुरू होगी और फाइनल तीन अगस्त को होगा। पिछले महीने एएफआई के अध्यक्ष आदिले सुमारिवाला ने स्पष्ट किया था कि ओलंपिक चैंपियन भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा को छोड़कर अन्य सभी खिलाड़ियों के लिए पेरिस ओलंपिक में चयन के लिए राष्ट्रीय अंतर-राज्यीय चैंपियनशिप (27-30 जून) में भाग लेना अनिवार्य होगा।

पेरिस ओलंपिक की पैदल चाल स्पर्धा में भाग लेंगे अक्षदीप

नई दिल्ली। आगामी पेरिस ओलंपिक में पैदल चाल स्पर्धा में भारत के अक्षदीप सिंह भाग लेंगे। पंजाब की ओर से खेलने वाले अक्षदीप ने ओलंपिक्स के लिए क्वालीफाई कर लिया है। अक्षदीप ने रांची में राष्ट्रीय ओपन पैदल चाल स्पर्धा में जीत के साथ ही ओलंपिक के लिए क्वालिफाई किया है। 20 किमी पैदल चाल में राष्ट्रीय रिकार्ड धारी अक्षदीप रांची में राष्ट्रीय ओपन पैदल चाल स्पर्धा जीतकर ओलंपिक के लिए क्वालिफाई किस था। तब अक्षदीप ने एक घंटे 19 मिनट 38 सेकंड का समय निकालकर एक घंटे 19 मिनट 55 सेकंड का अपना ही रिकॉर्ड तोड़ा था। इस खिलाड़ी का ओलंपिक तक का सफर आसान नहीं रहा है। अक्षदीप ने तरनतारन में आयोजित अंडर-18 नॉर्थ इंडिया चैंपियनशिप में अपना पहला कांस्य पदक जीता। इसके बाद उन्होंने अंडर-18 जूनियर नेशनल में भाग लिया और रजत पदक जीता। 2017 में ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में उसने फिर से रजत पदक जीता। हालांकि, 2019 में घुटने की चोट के कारण वह इटली में हुए विश्व विश्वविद्यालय खेलों में हिस्सा नहीं ले पाए। उन्होंने फरवरी 2020 में राष्ट्रीय स्तर के आयोजन में हिस्सा लिया, लेकिन 12वां स्थान हासिल किया। 2023 को उसने 47वीं ऑल जापान रेस वॉकिंग मीट में हिस्सा लिया और 12वें स्थान पर रहे।

शुभमन की कप्तानी में एक जुलाई को जिम्बाब्वे रवाना होगी भारतीय टीम

मुम्बई। शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम पांच मैचों की टी20 सीरीज खेलने एक जुलाई को जिम्बाब्वे रवाना होगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने हाल ही में इस दौरे के लिए 15 सदस्यीय टीम घोषित की थी। इस दौरे में बोर्ड ने अनुभवी खिलाड़ियों को आराम देते हुए युवाओं को अवसर दिया है। इस दौरे पर जाने वाले खिलाड़ी अभी राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में हाई-परफॉर्मेंस कैंप में प्रशिक्षण ले रहे हैं। वहीं इस दौरे के लिए चयनित यशस्वी जयसवाल, संजू सैमसन, रिंकू सिंह और खलील अहमद टी20 विश्वकप समाप्त होने के बाद रवाना होंगे। इस दौर के लिए युवा विकेटकीपर ध्रुव जुरेल और बल्लेबाज रियान पराग अभी राजस्थान रॉयल्स के उच्च प्रदर्शन केंद्र में तैयारी कर रहे हैं। वे वहां लगभग एक सप्ताह प्रशिक्षण में बिताएंगे और मुंबई में अन्य खिलाड़ियों से मिलेंगे। वर्तमान एनसीए प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण, अंतरिम भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच के रूप में युवा टीम के साथ यात्रा करेंगे। एनसीए के सहयोगी स्टाफ के भी लक्ष्मण के साथ रहने की उम्मीद है।

दक्षिण अफ्रीका ने अफगानिस्तान को 9 विकेट से हराकर टी20 विश्वकप के फाइनल में प्रवेश किया

त्रिनिदाद, 27 जून (एजेंसियां)।

दक्षिण अफ्रीका ने आईसीसी टी20 विश्वकप क्रिकेट के पहले सेमीफाइनल में अफगानिस्तान को 9 विकेट से हराकर पहली बार फाइनल में प्रवेश किया है। इसी के साथ ही अफ्रीकी टीम ने बड़े मुकाबलों में बिखरने के मिथक को भी तोड़ दिया। इस मैच में अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला कियो जो गलत साबित हुआ। दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों के सामने पहली बार सेमीफाइनल खेल रहे अफगानिस्तान के बल्लेबाज टिक नहीं पाये और पूरी टीम केवल 11.5 ओवर में केवल 56 रनों पर ही आउट हो गयी। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य को दक्षिण अफ्रीका ने 8.5 ओवर में ही एक विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। इस प्रकार दक्षिण अफ्रीकी टीम ने पहली बार किसी आईसीसी इवेंट के फाइनल में जगह बनाई है। इस मैच में दक्षिण अफ्रीका की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले मार्को यानसन को प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड मिला। यानसन ने 16 रन देकर 3 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका का एकमात्र विकेट क्विंटन डि कॉक का गिरा। डि कॉक ने केवल 5 रन बनाये थे। इसके बाद कप्तान एडन मारक्रम और रिजा हेंड्रिक्स ने अच्छी बल्लेबाजी कर अपनी टीम को जीत दिलायी। मारक्रम ने नाबाद 23 जबकि हेंड्रिक्स ने नाबाद 29 रनों की पारी खेली। इसी के साथ ही दक्षिण अफ्रीकी टीम ने पहली बार किसी आईसीसी टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनायी है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए अफगानिस्तान की शुरुआत बेहद खराब रही। सलामी बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज शून्य पर ही आउट हो गये। उसके बाद एक के बाद एक बल्लेबाज पेवेलियन लौटते गये। आधी से अधिक टीम 30 रनों तक ही पेवेलियन लौट गयी। सबसे ज्यादा 10 रन अजमतुल्लाह ओमरजई ने बनाये। टीम को 13 अतिरिक्त रन बने। इस प्रकार लीग स्तर से लेकर सुपर आठ में उलटफेर कर सबको हैरान करने वाली अफगान टीम का सफर समाप्त हो गया। यानसन के अलावा कागिसो रबाडा, एनरिक नॉर्खिया के सामने अफगान बल्लेबाजी बेबस नजर आयी। रहमानुल्लाह गुरबाज, इब्राहिम जादरान, अजमातुल्लाह उमरजई, गुलबदीन नईब, नांगेयालिया खरोटे और मोहम्मद नबी एक के बाद एक पेवेलियन लौट गये। दक्षिण अफ्रीका की ओर से यानसन ने 3 जबकि रबाडा और नॉर्खिया ने 2-2 विकेट लिए।

पीसीबी की समीक्षा बैठक में उठेगा खिलाड़ियों के निजी कार्यक्रमों में जाने का मामला

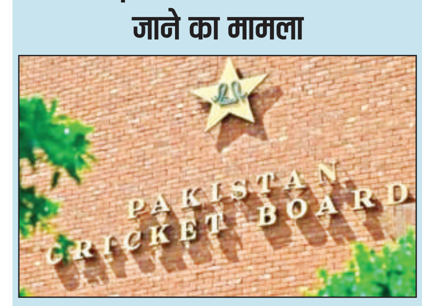

लाहौर। आईसीसी टी20 विश्वकप में खराब प्रदर्शन के बाद पाकिस्तान के क्रिकेटरों की मुश्किले बढ़ना तय है। इसका कारण है कि खिलाड़ियों पर टूर्नामेंट के दौरान निजी कार्यक्रमों के जरिये पैसा कमाने के आरोप लगे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक टीम के कुछ खिलाड़ियों ने एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए 2500 डॉलर लिए थे। इस कार्यक्रम का आयोजन डलास में किया गया था। इसके बाद एक अन्य कार्यक्रम आयोजित होना था पर कप्तान बाबर आजम और बाकी खिलाड़ियों को दी जाने वाले पैसे में अंतर के कारण इसे रद्द करना पड़ा था। अब ये सारे मामले पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की समीक्षा बैठक में उठाए जाने तय हैं। वहीं ये भी कहा जा रहा है कि खिलाड़ियों की अनुशासनहीन और लापरवाही के लिए टीम प्रबंधन भी जिम्मेदार है। उसने ही खिलाड़ियों को काफी रियायतें दी थीं। इसके अलावा टीम में मतभेद और गुटबाजी का भी मामला समीक्षा बैठक में उठान तय है। एक रिपोर्ट के अनुसार टीम दो गुटों में बंटी हुई है और कप्तानी को लेकर बाबर आजम और तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी के बीच मतभेद हैं। ऐसे में बड़े बदलाव होने की संभावना है। इसके साथ ही खिलाड़ियों के लिए आचार संहिता बनाने पर भी विचार किया जा रहा है, जिनकी टूर्नामेंट के दौरान परिवार को साथ लाने और प्रमोशनल इवेंट्स में जाने को लेकर आलोचना हो रही है। पाकिस्तान की टीम विश्वकप के पहले दौर में ही बाहर हो गई। उसे अमेरिका के खिलाफ अपने पहले ही मैच में हार का सामना करना पड़ा था।

अगले माह एशिया कप में होगा भारत-पाक की महिला क्रिकेट टीमों में मुकाबला

मुंबई, 27 जून (एजेंसियां)।

अब प्रशंसकों को एक बार फिर भारत और पाकिस्तान की क्रिकेट टीमों के बीच मुकाबला देखने को मिलेगा। एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के अनुसार ये मुकाबला अगले माह श्रीलंका में भारत और पाकिस्तान की महिला टीमों के बीच एशिया कप में खेला जाएगा। एशिया कप 19 से 28 जुलाई तक खेला जाएगा।

इसमें भारतीय टीम का पहला मुकाबला 19 जुलाई को पाकिस्तान से होगा। इस बार एशिया कप में मेजबान श्रीलंका सहित आठ टीमें भाग लेंगी। पिछली बार से अलग करते हुए इस साल आठ टीमों को दो ग्रुप में बांटा गया है। इसमें भारत, पाकिस्तान, यूएई और नेपाल को ग्रुप ए में जबकि श्रीलंका, बांग्लादेश, थाईलैंड और मलेशिया ग्रुप बी में रहेंगे।

भारतीय टीम 21 जुलाई को यूएई और 23 जुलाई को नेपाल से खेलेगी। प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीम सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। सेमीफाइनल मुकाबला 26 जुलाई को खेला जाएगा। वहीं फाइनल 28 जुलाई को होगा। टूर्नामेंट में एक बार मैच अधिकारी की भूमिका में सभी महिला अधिकारी नजर आयेंगी। अब एशिया कप में भारतीय टीम ने सबसे अधिक कुल सात बार इस खिताब जीता है। वहीं एक बार इसे बांग्लादेश ने जीता था।

लुइस किम्बर ने रॉबिन्सन को एक ओवर में रिकॉर्ड 43 रन ठोके

चेम्सफोर्ड, 27 जून (एजेंसियां)।

लीसेस्टरशायर के लुइस किम्बर ने काउंटी चैंपियनशिप मैच में ससेक्स के ओली रॉबिन्सन के ओवर में 43 रन ठोककर प्रथम श्रेणी क्रिकेट में एक ओवर में सर्वाधिक रन बनाकर क्रिकेट इतिहास रच दिया। डिवीजन टू काउंटी चैम्पियनशिप मैच के चौथे और अंतिम दिन, ससेक्स के रॉबिन्सन ने किम्बर को काउंटी चैम्पियनशिप के इतिहास का सबसे महंगा ओवर दिया। इस ओवर में किम्बर ने 43 रन बनाए, जो इंग्लिश प्रथम श्रेणी क्रिकेट में एक ओवर में सर्वाधिक रन बनाने का नया रिकॉर्ड है। रॉबिन्सन ने वास्तव में नौ गेंदें फेंकी, जिनमें से तीन नो-बॉल थीं।

ऐसा माना जाता है कि किम्बर की उपलब्धि प्रथम श्रेणी क्रिकेट में एक ओवर में बनाए गए सबसे अधिक रन हैं। यह 38 रनों के पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ देता है, जो 1998 में एलेक्स ट्यूडर और एंड्रयू फ्लिंटॉफ द्वारा संयुक्त रूप से और इस सप्ताह के शुरू में शोएब बशीर की गेंद पर डैन लॉरेंस द्वारा बनाया गया था।

लंच के समय तक किम्बर की आश्चर्यजनक पारी केवल 95 गेंदों पर 192 रन तक पहुंच गई, जो बेन कॉक्स के साथ आठवें विकेट के लिए 200 रनों की साझेदारी का हिस्सा थी। लीसेस्टरशायर सुबह के सत्र में 29 ओवरों में 236 रन बनाने में सफल रहा। किम्बर 127 गेंदों में 20 चौकों और 21 छक्कों की मदद से 243 रन बनाकर आखिरी बल्लेबाज के रूप में आउट हुए और ससेक्स ने यह मैच 18 रन से जीत लिया। लीसेस्टरशायर की पारी 464 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 445 रन पर सिमट गई।

श्रीलंका की बढ़ी मुश्किलें, क्रिस सिल्वरवुड ने मुख्य कोच के पद से दिया इस्तीफा

कोलंबो, 27 जून (एजेंसियां)।

टी20 विश्व कप में श्रीलंका की टीम का प्रदर्शन बेहद खराब था। यह टीम अपने देश लौट चुकी है, और अब निजी कारणों का हवाला देते हुए क्रिस सिल्वरवुड ने श्रीलंका क्रिकेट टीम के मुख्य कोच के पद से इस्तीफा दे दिया है। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने इसकी जानकारी शेयर की।

क्रिस सिल्वरवुड का इस्तीफा पूर्व कप्तान महेला जयवर्धने के टी20 विश्व कप में श्रीलंका के खराब प्रदर्शन के बाद सलाहकार कोच के पद से इस्तीफा देने के एक दिन बाद आया है।

जयवर्धने, जो पिछले जनवरी से एक साल के अनुबंध पर थे, ने छह महीने बाद ही इस्तीफा दे दिया।

सिल्वरवुड ने कहा, एक अंतरराष्ट्रीय कोच होने का मतलब है परिवार से लंबे समय तक दूर रहना। अपने परिवार के साथ लंबी बातचीत के बाद भारी मन से, मुझे लगता है कि अब मेरे लिए घर लौटने और उनके साथ कुछ अच्छा समय बिताने का समय आ गया है।

सिल्वरवुड ने अप्रैल 2022 में मुख्य कोच के रूप में अपनी नियुक्ति के बाद से उनके साथ काम करने वाले श्रीलंका क्रिकेट और अन्य विभागों को धन्यवाद दिया।

उन्होंने कहा, मैं श्रीलंका में अपने कार्यकाल के दौरान खिलाड़ियों, कोच, स्टाफ और एसएलसी के प्रबंधन को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। आपके समर्थन के बिना, कोई भी सफलता संभव नहीं होती। श्रीलंका क्रिकेट का हिस्सा बनना मेरे लिए वास्तव में सम्मान की बात है और मैं कई प्यारी यादें अपने साथ लेकर जाऊंगा।

उनके कार्यकाल में, श्रीलंका ने 2022 में टी20 एशिया कप जीता और 2023 एशिया कप में उपविजेता भी रहा।

इसके अतिरिक्त, टीम ने घरेलू और विदेशी दोनों ही जगहों पर कई द्विपक्षीय श्रृंखलाएं जीतीं। इनमें 50 ओवर के प्रारूप में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू श्रृंखला जीत और बांग्लादेश पर दो टेस्ट श्रृंखला जीत शामिल हैं।

एसएलसी ने कहा, श्रीलंका क्रिकेट क्रिस सिल्वरवुड को उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं और उनके कार्यकाल के दौरान उनके बहुमूल्य योगदान के लिए उन्हें धन्यवाद देता है।

मुख्य कोच और सलाहकार कोच दोनों के इस्तीफे की वजह टीम का टी20 विश्व कप अभियान का निराशाजनक प्रदर्शन रहा, जिसमें वे सुपर आठ के लिए क्वालीफाई करने में असफल रहे। श्रीलंका ने नीदरलैंड के खिलाफ केवल एक जीत दर्ज की, जबकि उसे दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश से हार का सामना करना पड़ा और ग्रुप चरण में नेपाल के खिलाफ उसका मैच बारिश की भेंट चढ़ गया।

महिलाओं की टेस्ट चैंपियनशिप बुरा विचार नहीं : मजूमदार

नई दिल्ली, 27 जून (एजेंसियां)।

भारतीय टीम बांग्लादेश में टी20आई और घर में साउथ अफ़्रीका को वनडे में क्लीन स्वीप करने के बाद साउथ अफ़्रीका के ख़िलाफ़ एक टेस्ट मैच खेलने के लिए तैयार है लेकिन प्रमुख कोच अमोल मजूमदार को लगता है कि टीम में हर विभाग में सुधार का दायरा है।

मजूमदार ने चेन्नई में शुरू होने वाले टेस्ट से दो दिन पहले कहा, हमारे पास मोमेंटम है, हम बांग्लादेश में जीते, हम साउथ अफ़्रीका के ख़िलाफ़ जीते। कई प्रारूप हैं, लेकिन इसी समय पर हम हर आने वाले मैच पर फ़ोकस करने की कोशिश कर रहे हैं। टेस्ट क्रिकेट खेलने की डिमांड अलग हैं। मुझे लगता है टीम तैयार है और जहां तक सुधार की बात है तो मुझे लगता है कि तीनों ही प्रारूप में बल्लेबाज़ी, गेंदबाज़ी, फ़ील्डिंग और फ़टिनेस में सुधार किया जा सकता है। भारत ने पिछला टेस्ट ऑस्ट्रेलिया के ख़िलाफ़ मुंबई में दिसंबर में खेला था जहां उन्होंने उन्हें आठ विकेट से हराया था। इससे पहले घर में इंग्लैंड के ख़िलाफ़ टेस्ट में भी भारत को जीत मिली थी। वहीं अधिकतर शीर्ष खिलाड़ी मार्च-अप्रैल में पुणे में हुई सीनियर महिला अंतर ज़ोनल मल्टी डे ट्रॉफ़ी में खेले थे। 23 जून को वनडे सीरीज़ ख़त्म होने के बाद टीम को साउथ अफ़्रीका के ख़िलाफ़ आगामी टेस्ट की तैयारी के लिए पांच दिन का समय मिला था, लेकिन मजूमदार को लगता है कि एक प्रारूप में दूसरे प्रारूप में जाने में दिक्कत नहीं आएगा, क्योंकि लाल गेंद का क्रिकेट उनके लंबे समय के प्लान का हिस्सा है। उन्होंने कहा, दिसंबर में हम इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के ख़िलाफ़ लगातार टेस्ट खेले। हम जानते हैं कि लाल गेंद वाला क्रिकेट आगे चलकर महिला क्रिकेट का हिस्सा होगा और इसलिए मुझे लगता है कि मार्च-अप्रैल में हुआ इंटर-जोनल बहुत महत्वपूर्ण था। ताकि खिलाड़ियों को भी यह संदेश मिले कि हम सिर्फ़ सफ़ेद गेंद वाले क्रिकेट या सिर्फ़ टी20 पर ध्यान केंद्रित नहीं कर रहे हैं। हम लाल गेंद क्रिकेट पर भी ध्यान दे रहे हैं और मुझे लगता है कि वे जागरूक हैं और वे मल्टी-डे प्रारूप में जाने के लिए तैयार और उत्सुक हैं। उसके साथ तालमेल बिठाना एक अलग कहानी है। यह आधुनिक क्रिकेट की डिमांड है। आप जानते हैं कि एक टीम के तौर पर आप इससे बच नहीं सकते हैं। तो हम सभी डिमांड पर ध्यान देने की कोशिश कर रहे हैं। यह आसान नहीं है, लेकिन इसी समय यह चुनौती है और हम इसे स्वीकार कर रहे हैं। वनडे से टेस्ट टीम में अधिक बदलाव नहीं है लेकिन सुभा सतीश, राजेश्वरी गायकवाड़ और मेघना सिंह टेस्ट टीम में चुनी गई हैं। मजूमदार ने कहा, मुझे लगता है कि वे चार खिलाड़ी अहम हैं। हमने 15 दिन पहले राष्ट्रीय क्रिकेट एकेडमी में कैंप किया था, उनको ख़ासतौर से कैंप में लाल गेंद से तैयारी कराई गई थी। उनके पास पहले से ही कार्य प्रबंधन था। कार्य प्रबंधन उनके साथ शेयर किया गया था और घर जाकर भी उन्हें कुछ चीज़ करने को कही थी। उनका सप्ताहिक चार्ट सही था। यहां तक कि जब वे टीम से जुड़े और हमने कल जब अभ्यास किया तो वे चारों खिलाड़ी बेहतरीन दिख रहे थे। साउथ अफ़्रीका के ख़िलाफ़ वनडे महिला चैंपियनशिप का हिस्सा थे।

मजूमदार ने कहा कि उन्हें पुरुषों की तरह विश्व टेस्ट चैंपियनशिप से ऐतराज नहीं है। हालांकि अभी चार टीम ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, भारत और साउथ अफ़्रीका टेस्ट क्रिकेट खेलती है। उन्होंने कहा, टेस्ट चैंपियनशिप का आइडिया बुरा नहीं है। हम इसके लिए तैयार हैं लेकिन इसका फ़ैसला बोर्ड को करना है। अगर यह होता है तो यह खेल के लिए अच्छा होगा, यह खेल के लिए भी अच्छा होगा। टेस्ट क्रिकेट हमेशा खास रहता है। आप जानते हैं कि हर मैच जरूरी है, चाहे वनडे हो टी20 हो या टेस्ट मैच हो। मैं जानता हूं कि अभी टेस्ट चैंपियनशिप का कोई विचार नहीं है, लेकिन इसी समय हर मैच जरूरी है। हम उन मैचों को जीतने के लिए उसमें भाग लेते हैं।

संपादकीय

भारत-बांग्लादेश के रिश्ते और मजबूत

एशिया में अपना दबदबा बनाने के लिए चीन लगातार प्रयासरत है। श्रीलंका से लेकर नेपाल तक को वह अपनी ओर खींचने का प्रयास कर रहा है। यही प्रयास पिछले कुछ समय से उसने बांग्लादेश के साथ शुरू किए हैं। लेकिन भारत की कूटनीति, विदेश नीति एवं पड़ोसी देशों के साथ आत्मीय संबंध चीन की विस्तारवादी सोच को सफल नहीं होने देते हैं। एक बार फिर भारत ने चीन के मंसूबों पर पानी फेर दिया है। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना की दो दिवसीय भारत यात्रा ने दोनों देशों के रिश्तों के विश्वास को न केवल मजबूत किया है बल्कि दोनों देशों के आपसी संबंधों में दरार डालने की कोशिश कर रही ताकतों को आईना भी दिखाया है। इस यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच 10 समझौतों और सहमतिपत्रों पर हस्ताक्षर हुए हैं। इन समझौतों में तीस्ता नदी के संरक्षण और प्रबंधन पर भारत द्वारा तकनीकि दल भेजे जाने के प्रस्ताव पर बनी सहमति विशेष रूप से उल्लेखनीय है। यह सहमति भारत के पड़ोसी देशों में अपना दखल बढ़ाने की चीनी प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने की दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण मानी जा रही है। तीस्ता नदी जल बंटवारा दोनों देशों के बीच एक जटिल मुद्दा माना जाता रहा है। वर्ष 2011 में ही दोनों देशों के बीच तीस्ता जल बंटवारे के एक सूत्र पर सहमति बन गई थी, लेकिन पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के विरोध के चलते उस पर बात आगे नहीं बढ़ सकी। इस पृष्ठभूमि में चीन ने 2020 में तीस्ता नदी के प्रबंधन और संरक्षण में दिलचस्पी दिखानी शुरू की। इससे जुड़ी भारत की चिंताओं के संदर्भ में मामले की संवेदनशीलता को सभी पक्ष समझते थे। लेकिन मुद्दे के समाधान में कोई पहलकदमी नहीं हुई। लेकिन पिछले साल दिसंबर में ढाका में चीन के राजदूत ने फिर से इस मामले को उठाया। इस बार चीन ने बांग्लादेश के सामने एक संशोधित प्रस्ताव भेजा, जिसमें लागत पहले के मुकाबले कम दिखाई गई थी। श्रीलंका, नेपाल, मालदीव जैसे देशों के उदाहरणों की रोशनी में देखें तो चीन का यह रुख नया नहीं था। लेकिन बांग्लादेश के साथ भारत के करीबी रिश्तों के मद्देनजर तीस्ता जल बंटवारे को लेकर उभरी असहमति ऐसी नहीं थी कि उससे दोनों देशों के बीच संदेह और अविश्वास की गुंजाइश बनती। स्वाभाविक ही दोनों पक्षों ने समय रहते अलग-अलग स्तरों पर द्विपक्षीय बातचीत के जरिए अपनी इस समझ को मजबूती दे दी कि साझा हितों से जुड़े मसलों पर तीसरे पक्ष को प्रवेश करने देना ठीक नहीं। दोनों देशों की यही साझा सोच तीस्ता नदी के संरक्षण और प्रबंधन के मसले पर भारत के तकनीकि दल के बांग्लादेश जाने पर बनी सहमति में नजर आती है। भारत का तकनीकि दल इस सवाल पर भी विचार करेगा कि मानसून से मिलने वाले अतिरिक्त पानी के रखरखाव के लिए किसी जलाशय के निर्माण की वास्तव में जरूरत है भी या नहीं। समझा जाता है कि चीन की ओर से बांग्लादेश को यही प्रस्ताव किया गया था। लेकिन भारत की सक्रियता और बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना की समझदारी ने इस मामले में चीन को किनारे कर दिया है। उम्मीद है कि बांग्लादेश का नेतृत्व आगे भी इसी सोच के साथ आगे बढ़ेगा। दोनों देशों के बीच आपसी रिश्ते में विश्वास और सहयोग बना रहे, यह दोनों देशों के लिए ही बेहतर है। चीन सहायता के नाम पर बाद में किस प्रकार का बर्ताव करता है, यह समझने के लिए श्रीलंका, नेपाल और पाकिस्तान की ओर देख लेना चाहिए।

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना की दो दिवसीय भारत यात्रा ने दोनों देशों के रिश्तों के विश्वास को न केवल मजबूत किया है बल्कि दोनों देशों के आपसी संबंधों में दरार डालने की कोशिश कर रही ताकतों को आईना भी दिखाया है। इस यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच 10 समझौतों और सहमतिपत्रों पर हस्ताक्षर हुए हैं। इन समझौतों में तीस्ता नदी के संरक्षण और प्रबंधन पर भारत द्वारा तकनीकि दल भेजे जाने के प्रस्ताव पर बनी सहमति विशेष रूप से उल्लेखनीय है। यह सहमति भारत के पड़ोसी देशों में अपना दखल बढ़ाने की चीनी प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने की दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण मानी जा रही है। तीस्ता नदी जल बंटवारा दोनों देशों के बीच एक जटिल मुद्दा माना जाता रहा है। वर्ष 2011 में ही दोनों देशों के बीच तीस्ता जल बंटवारे के एक सूत्र पर सहमति बन गई थी, लेकिन पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के विरोध के चलते उस पर बात आगे नहीं बढ़ सकी। इस पृष्ठभूमि में चीन ने 2020 में तीस्ता नदी के प्रबंधन और संरक्षण में दिलचस्पी दिखानी शुरू की। इससे जुड़ी भारत की चिंताओं के संदर्भ में मामले की संवेदनशीलता को सभी पक्ष समझते थे। लेकिन मुद्दे के समाधान में कोई पहलकदमी नहीं हुई। लेकिन पिछले साल दिसंबर में ढाका में चीन के राजदूत ने फिर से इस मामले को उठाया। इस बार चीन ने बांग्लादेश के सामने एक संशोधित प्रस्ताव भेजा, जिसमें लागत पहले के मुकाबले कम दिखाई गई थी। श्रीलंका, नेपाल, मालदीव जैसे देशों के उदाहरणों की रोशनी में देखें तो चीन का यह रुख नया नहीं था। लेकिन बांग्लादेश के साथ भारत के करीबी रिश्तों के मद्देनजर तीस्ता जल बंटवारे को लेकर उभरी असहमति ऐसी नहीं थी कि उससे दोनों देशों के बीच संदेह और अविश्वास की गुंजाइश बनती।

चीन का हस्तक्षेप भारत और बांग्लादेश में से बहने वाली नदी तीस्ता पर दिखाई नहीं देता था

तीस्ता नदी पर चीन को भारत का करारा जवाब

प्रमोद भार्गव

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना और भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच हुई द्विपक्षीय वार्ता में चीन की कोशिशों पर विराम लग गया है। दोनों देशों के शीर्ष नेताओं के बीच हुई बैठक में यह सहमति बनी है कि तीस्ता नदी जल प्रबंधन पर निर्णायक वार्ता के लिए जल्दी ही भारत का एक तकनीकी दल ढाका का दौरा करेगा, जो नदी में जमीं गाद को साफ करने के साथ नदी के पुराने स्वरूप को लौटाने के लिए रोडमैप तैयार करेगा।

अर्से से चीन बांग्लादेश की तीस्ता नदी के कायाकल्प के बहाने नदी के जल प्रबंधन का दायित्व हथियाने के प्रयास में लगा था। लेकिन बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना और भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच हुई द्विपक्षीय वार्ता में चीन की कोशिशों पर विराम लग गया है। दोनों देशों के शीर्ष नेताओं के बीच हुई बैठक में यह सहमति बनी है कि तीस्ता नदी जल प्रबंधन पर निर्णायक वार्ता के लिए जल्दी ही भारत का एक तकनीकी दल ढाका का दौरा करेगा, जो नदी में जमीं गाद को साफ करने के साथ नदी के पुराने स्वरूप को लौटाने के लिए रोडमैप तैयार करेगा। इसके साथ ही दोनों देशों ने गंगा जल बंटवारे समझौते को नए सिरे से अमल में लाने और एक समग्र कारोबारी समझौते पर भी बातचीत करने का फैसला लिया है। बैठक में दस महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए हैं। ये घोषणाएं दोनों प्रधानमंत्रियों ने संयुक्त पत्रकार वार्ता के दौरान कहीं हैं। चीन का हस्तक्षेप भारत और बांग्लादेश में से बहने वाली नदी तीस्ता पर दिखाई नहीं देता था। किंतु कुछ समय पहले इस नदी पर एक विशाल जलाशय बनाने के बहाने चीन ने बांग्लादेश की जमीन पर बहने वाली तीस्ता नदी पर विकास कार्यों में सहयोग बढ़ाने की इच्छा शेख हसीना को जताई थी। यह जानकारी बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने दी थी। किंतु भारत द्वारा आपत्ति उठाए जाने पर बांग्लादेश ने जवाब दिया था कि 'चीनी राजदूत याओ वेन ने बीजिंग से ढाका को तीस्ता जल भराव क्षेत्र के विकास हेतु कई प्रस्ताव दिए हैं। इनमें तीस्ता नदी में वृहद स्तर पर सफाई करने, जलाशय और तटबंध बनाने के प्रस्ताव शामिल हैं।' दरअसल तीस्ता नदी भारतीय राज्य सिक्किम व पश्चिम बंगाल से होते हुए बांग्लादेश में प्रवेश करती है। इसे सिलिगुड़ी गलियारा या चिकन नेक कहा जाता है। पश्चिम बंगाल में स्थित 28 किमी की भूमि का यह संकीर्ण क्षेत्र है। यह भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को शेष भारत से जोड़ता हैं। इसके इर्द-गिद नेपाल और बांग्लादेश हैं। भूटान का साम्राज्य इस गलियारे के उत्तरी क्षेत्र में स्थित है। इस लिहाज से यह भारत

के लिए अत्यंत संवेदनशील क्षेत्र है। अतएवं भारत इस क्षेत्र में किसी भी बहाने चीन का हस्तक्षेप नहीं चाहता है। इस परियोजना पर करीब 8 हजार 300 करोड़ रुपए खर्च होने की संभावना है। चीन ने इस कार्य को शत-प्रतिशत अपनी पूंजी से पूरा करने की इच्छा शेख हसीना को जताई थी। चीन को इस काम का ठेका मिलने का मतलब, इस क्षेत्र में दखल के साथ नदी के जल प्रवाह का डाटा भी हासिल हो जाता। चीन के साथ भारत के रिश्ते कटुता एवं विश्वास के बने होने के कारण भारत चीन की उपस्थिति अपनी सीमाओं के ईद-गिर्द नहीं चाहता है। विशेषज्ञों का मानना है कि चीनी भागीदारी से इस नदी पर भारत और बांग्लादेश के बीच जल-बंटवारे को लेकर चल रहा लंबा विवाद और गहरा सकता है? हालांकि 2009 में प्रधानमंत्री शेख हसीना के सत्ता पर काबिज होने के बाद से ही जल-बंटवारे पर सहमति से समझौते की बात चल रही है। दोनों पड़ोसी देश तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की 2011 में की गई बांग्लादेश की यात्रा के दौरान समझौते पर हस्ताक्षर के लिए लगभग तैयार थे, लेकिन पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अंतिम समय पर समझौते के विरुद्ध खड़ी हो गईं, नतीजतन तय प्रस्ताव को निलंबित कर दिया गया। भारत एवं बांग्लादेश के बीच 25 वर्षों से दोनों देशों के बीच बहने वाली नदियों के जल बंटवारे को लेकर समझौते की बातचीत चल रही है। शेख हसीना और नरेंद्र मोदी की 2022 में परस्पर हुई बातचीत के बाद कुशियारा नदी के संदर्भ में अंतरिम जल बंटवारा समझौते पर हस्ताक्षर भी हो गए हैं। 1996 में गंगा नदी जल-संधि के बाद इस तरह का यह पहला समझौता है। इसे अत्यंत महत्वपूर्ण समझौता माना गया है। यह भारत के असम और बांग्लादेश के सिलहट क्षेत्र को लाभान्वित करेगा। 54 नदियां भारत और बांग्लादेश की सीमाओं के आरपार जाती हैं और सदियों से दोनों देशों के करोड़ों लोगों की आजीविका का मुख्य साधन बनी हुई हैं। इन नदियों के किनारों पर मानव सभ्यता के विकास के साथ सृजित हुए लोक गीत और लोक कथाएं, धर्म एवं संस्कृति की ऐसी धरोहर हैं, जो मानव समुदायों को लोक कल्याण का पाठ पढ़ाने के साथ नैतिक बल मजबूत बनायें रखने का काम करती हैं। बावजूद दोनों देशों के बीच बहने वाली तीस्ता नदी के जल बंटवारे को अंतिम रूप अब तक नहीं दिया जा सका है। नदियों के जल-बंटवारे का विवाद अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ही नहीं राष्ट्रीय स्तर पर भी विवाद का विषय बना रहा है। ब्रह्मपुत्र को लेकर चीन से, तीस्ता का बांग्लादेश से, झेलम, सतलुज तथा सिंधु का पाकिस्तान से और कोसी को लेकर नेपाल से विरोधाभास कायम है । भारत और बांग्लादेश के बीच रिश्तों में खटास सीमाई क्षेत्र में कुछ भूखंडों, मानव-बस्तियों और तीस्ता नदी के जल बंटवारे को लेकर पैदा होता रही है। हालांकि दोनों देशों के बीच संपन्न हुए भू-सीमा समझौते के जरिए इस विवाद पर तो कमोबेस विराम लग गया, लेकिन तीस्ता की उलझन बरकरार है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2015 में बांग्लादेश यात्रा पर गए थे, तब ढाका में द्विपक्षीय वार्ता भी हुई थी, लेकिन तीस्ता की उलझन, सुलझ नहीं पाई थी। विदेश नीति में अपना लोहा मनवाने में लगे नरेंद्र मोदी से यह उम्मीद इसलिए ज्यादा है, क्योंकि शेख हसीना दोनों देशों में परस्पर दोस्ती की मजबूत गांठ बांधने के उद्देश्य से भारत आती रही हैं । यह उम्मीद इसलिए भी है, क्योंकि 2016 में मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने बांग्लादेश के साथ कुछ बस्तियों और भूक्षेत्रों की अदला-बदली में सफलता प्राप्त की थी।

दृष्टि कोण

विधवाओं की सुध लेता मानवाधिकार आयोग

हाल में अंतरराष्ट्रीय विधवा दिवस मनाया गया। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने 23 जून के पूर्व ही विधवाओं के हित में खास पहल की। अभी तक हर जगह विधवाओं की उपेक्षा की जाती रही है, लेकिन अब यह संभव नहीं होगा। अभी 12 जून को एनएचआरसी ने विधवाओं के मानवाधिकारों के संरक्षण पर परामर्श जारी किया है। विधवा महिलाओं के समग्र कल्याण पर विचार करते हुए एनएचआरसी ने अपने परामर्श में केंद्र, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा कार्रवाई के लिए 10 प्रमुख क्षेत्रों और अन्य उपायों पर ध्यान केंद्रित किया है। इनमें उनके उचित पहचान दस्तावेज सुनिश्चित करना, आश्रयगृहों का विकास और रखरखाव, संपत्ति तक पहुंच, अपने घरों से बेदखल होने से रोकना और शोषण से सुरक्षा, कौशल विकास का प्रावधान और स्थायी आजीविका तक पहुंच, आसान बैंकिंग और वित्तीय स्वतंत्रता तक पहुंच, स्वास्थ्य देखभाल, सामथ्र्य और उपलब्धता, मानसिक स्वास्थ्य, समुदाय आधारित नेटवर्क, निराश्रित विधवाओं के मुद्दों के बारे में डेटा सहित 17वीं लोकसभा में सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल द्वारा पेश विधवा (संरक्षण और रखरखाव) विधेयक-2015 भी शामिल है। मानवाधिकार आयोग ने महिला एवं बाल विकास मंत्रालय और संबंधित विभागों को भी सलाह दी है कि वे अपनी वेबसाइटों पर विधवाओं के लिए सभी सरकारी गृहों का एक केंद्रीकृत डेटाबेस रखें। इसी के साथ महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा जिला स्तर पर एक टीम की तैनाती की सिफारिश की गई है, जो इन आश्रमों और घरों का दौराकर स्वास्थ्य, मनोरंजन और कौशल विकास सुविधाओं सहित रहने की स्थिति की निगरानी करेगी, ताकि उन्हें रोजगार और वित्तीय स्वतंत्रता प्राप्त करने में मदद मिल सके। परामर्श में विधवाओं के लिए कल्याणकारी योजनाओं का लाभ एकल खिडक़ी प्रणाली के माध्यम से उन तक पहुंचना सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है। एनएचआरसी ने परामर्श जारी करने की आवश्यकता इसलिए महसूस की, क्योंकि उसने देखा कि विधवा महिलाओं को अपने पति को खोने के भावनात्मक संकट के अलावा, अक्सर कई अन्य चुनौतियों का भी सामना करना पड़ता है, जिनमें सामाजिक बहिष्कार, आय, यहां तक कि निवास का नुकसान भी शामिल है। एनएचआरसी के महासचिव भरतलाल के मुताबिक 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में विधवाओं की कुल आबादी 5.6 करोड़ है। विधवा महिलाओं को अक्सर अपने पति की मृत्यु के बाद खुद की देखभाल करने के लिए छोड़ दिया जाता है। अपने परिवारों से पर्याप्त सहायता और वित्तीय स्वतंत्रता की कमी के कारण उन्हें समुदाय से अलग-थलग कर दिया जाता है, यहां तक कि उन्हें अपना घर छोडक़र आश्रय गृहों/आश्रमों में शरण लेने के लिए मजबूर होना पड़ता है। निरक्षरता और बढ़ती उम्र के कारण उनकी स्थिति और भी खराब हो जाती है। परामर्श के मुताबिक प्रत्येक जिले में एक विधवा प्रकोष्ठ का गठन किया जाएगा जो विधवाओं की योजनाओं के लिए एकल खिडक़ी के रूप में काम कर सके। सभी आश्रयगृहों का विधवा प्रकोष्ठ में पंजीकरण सुनिश्चित किया जाए तथा यह सुनिश्चित किया जाए कि इनमें क्षमता से अधिक भीड़ न हो। आवंटित सार्वजनिक और निजी आश्रयगृहों में और उसके आसपास रहने वाली सभी विधवाओं के आधार कार्ड बनाए जाने चाहिए, ताकि उन्हें विभिन्न योजनाओं के लाभ सुनिश्चित किए जा सकें। विधवाओं को उचित पहचानपत्र उपलब्ध कराना, ताकि वे योजनाओं का लाभ उठा सकें तथा विवाह पंजीकरण प्रमाणपत्र के अभाव में उन्हें इनसे वंचित न किया जाए। कानूनी सहायता प्रदान करके उनके अधिकार के बारे में उनमें जागरूकता पैदा करके संपत्ति के उत्तराधिकार के उनके कानूनी अधिकार के उचित कार्यान्वयन को सुनिश्चित करना, उन्हें न्यू इंडिया लिटरेसी प्रोग्राम (एनआईएलपी) जैसे शिक्षा कार्यक्रमों में नामांकित करने का प्रयास करें, ताकि उन्हें वित्तीय साक्षरता सहित कम से कम बुनियादी साक्षरता दी जा सके। आश्रय गृह और आश्रम विधवाओं को प्रोत्साहित करने और उन्हें शिक्षा प्रदान करने के लिए स्थानीय गैर-सरकारी संगठनों के साथ साझेदारी कर सकते हैं। विधवाओं में स्वरोजगार और उद्यमशीलता की खातिर स्वयं सहायता समूह बनाने के लिए प्रोत्साहित करना, संबंधित एजेंसियों को यह सुनिश्चित करना कि सभी विधवाओं के पास प्रधानमंत्री जन-धन योजना के अंतर्गत व्यक्तिगत बैंक खाता हो, मानसिक स्वास्थ्य सहायता और देखभाल की आवश्यकता वाली विधवाओं के लिए विशेष देखभाल की व्यवस्था की जानी चाहिए और उनके सुधार को सक्षम बनाया जाना चाहिए। आंगनवाड़ी, अनाथालयों और प्राथमिक विद्यालयों में विधवाओं के ज्ञान और अनुभवों के उपयोग को प्रोत्साहित करना, ताकि उन्हें उद्देश्य की भावना मिल सके और बच्चों के कौशल में वृद्धि हो सके। पुनर्विवाह या जीवनसाथी खोजने की इच्छुक विधवाओं को उपयुक्त एजेंसियों से जोड़ा जाना चाहिए। विवाह या संबंध विफल होने या पति या पत्नी की मृत्यु हो जाने की स्थिति में विधवा को बिना किसी नई औपचारिकता के आश्रयगृह में लौटने का विकल्प होना चाहिए। राज्य सरकार विधवा पुनर्विवाह के लिए मौजूदा योजनाओं के तहत विवाह के लिए उपयुक्त धनराशि भी उपलब्ध करा सकती है।

कुछ अलग

इंद्र को ज्ञापन...

हे देवराज! हम तमाम शहरों के आम जन पहली बार अपनी अपनी जात, धर्म को भुला आपको साझा ज्ञापन भेज रहे हैं। हमें आशा ही नहीं, पूरा विश्वास है कि इस पर यथाशीघ्र एक्शन लिया जाएगा। माना हे सुरपति! जबसे ये देश आजाद हुआ है, तबसे जनता को कोई और बीमारी लगी हो या न, हर दिन किसी न किसी मंत्री को, किसी न किसी विभाग को ज्ञापन देने की लाइलाज बीमारी जरूर लगी है। पर हम इस बीमारी के बिना अब जी भी तो नहीं सकते हैं न? तुम ही बताओ, हमें यह ज्ञापन देने की बीमारी लगाई किसने? हे पुरंदर! तुम तो जानते ही हो कि हमारे अधिकार क्षेत्र में ज्ञापन और वोट देने के अतिरिक्त तीसरा और कुछ आता नहीं। इसलिए पहले उनके सब्जबागों में लेटकर चांद-तारों के सपने देखते उनको वोट देते हैं और फिर अगले चुनाव तक उनको ज्ञापन पर ज्ञापन। जब किसी विभाग को ज्ञापन लिखते हैं, तो लगता है, हमारे भी हाथ हैं। तब ज्ञापनों के मारे कभी हम पीडब्ल्यूडी विभाग को अपने मोहल्ले की सडक़ के गड्ढे भरने को ज्ञापन देते हैं तो कभी बिजली विभाग को। पर मजे की बात! न हमारे मोहल्ले की सडक़ के कभी गड्ढे भरते हैं और न कभी बिजली विभाग के सड़े खंभे। बस, अफसर बदलते रहते हैं। इसलिए सरकारी विभागों को हमारे ज्ञापन देने की परंपरा को देख ये समझिए कि हम सरकार को हर रोज ज्ञापन देकर अपना ज्ञापन धर्म निभा रहे हैं। हे अमरपति! उनको ज्ञापन देते-देते हम बहुत थक गए हैं। इस ज्ञापन के माध्यम से अब हम चाहते हैं कि अब तुम हमें पानी दो। अब तक सबके सामने बहुत पानी-पानी हो लिए। अब तो धूप में हमारा तन तो छोड़िए, मन भी दहक उठा है। शहर में सेलों से अधिक पानी के लिए हाहाकार मची है। आम जन पानी की खाली बाल्टियां लेकर कभी इस चौक भाग रहे हैं तो कभी उस चौक। उन्हें जहां से भी पता चलता है कि वहां सरकार का पानी का टैंकर आया है, वे उसी ओर बाल्टियां लिए हवा हो रहे हैं। पर हाय रे उनकी किस्मत! जितने को वे वहां पहुंचते हैं, उतने को सरकारी पानी का टैंकर बिक चुका होता है। और फिर वे खाली बाल्टियां लिए मुंह लटकाए और जगह से पानी के टैंकर आने की सूचना का व्हाट्सैप पर बदहवासी में इंतजार करने लग जाते हैं। हे देवेंद्र! ऐसा नहीं कि हमारे शहर में पानी नहीं आ रहा। शहर के अफसरों के नलों के मुंहों से ही पानी आ रहा है बस। वे दिन में चार चार बार नहा रहे हैं। अपनी क्यारियों के फूलों पर सावन की फुहार बरसा रहे हैं। काश! इस देश की हर जीव अफसर होता तो आज बूंद बूंद पानी को आंखों से बिन पानी बहे न रोता। सच कहें देवेश! महीनों हो गए जनता को नलों के मुंह से पानी की धार देखे बिना। जब कहीं जल नहीं तो ये नल क्यों? हे मेघराज! सच कह रहे हैं। हम महीने से नहाए नहीं हैं। दस दिनों से अपने चूल्हे पर का खाए नहीं हैं। ऐसे में कहीं कल को ऐसा न हो हमें अपने चूल्हे पर बनाने नहाने की आदत ही न रहे। अगर ऐसा हुआ तो हम दावे से कह रहे हैं, इसके लिए हम नहीं, केवल और केवल तुम जिम्मेदार रहोगे। तब हमारे बदन पर जो मैल जमा होगा, वह हमारे बदन पर नहीं, तुम्हारे बदन पर जमा होगा रे पुरंदर! हे सुरराज! सुराज में ऐसा नहीं कि कागजों में सरकार ने जनता को पानी की व्यवस्था न की हो। कागजों में तो ये देश बहुत आगे चल रहा है। सरकार ने कागजों में जिन पानी के टैंकरों के माध्यम से जनता को नहलाने की व्यवस्था की है, उन पर जल माफिया ने कब्जा कर लिया है। उनके टैंकरों के मुंह जनता के मोहल्लों के बदले कहीं और खुल रहे हैं। हे देवेश! आम जन बारिश के लिए जितने टोटके कर सकता था, करके हार गया। मेरे दोस्त ने पिछले हफ्ते बताया कि तुम प्रेमिका के बदले उसके सपने में आए और तुमने कहा कि गधे-गधी की शादी करो, वर्षा हो जाएगी। हमने तत्काल बंदों के विवाह रोक गधे-गधी की शादी बड़ी धूमधाम से करवाई।

देश दुनिया से

बलदेव सिंह कविता को आत्मा की अनुगूंज मानते थे

बलदेव सिंह की कविताओं में दिनचर्या की बारीकियां पंक्तियों में झांकती मिलती हैं। ठाकुर बलदेव सिंह ने मन ही मन चुस्कियां लेकर कविताएं लिखी हैं और वह प्राय: कहते भी थे कि कविता यदि झकझोरती नहीं तो फुसफुसी कही जाएगी। हिमाचल में मैं यदि उनकी कविताओं को तुलनात्मक दृष्टि से देखता हूं, तो लगता है कि उनकी कविताएं गंगथ के अनसंग कवि रामस्वरूप शर्मा से काफी मेल खाती हैं। उनमें प्रखरता है, संकेतों का अथाह सागर है, रामकृष्ण कौशल की सरलता एवं तरलता है।

व्यस्तता भरे आज के युग में कविता को गर्मी की ऋतु में आई फुहार के रूप में लिया जाता है, जो अचानक आ जाती है और संतप्त भावनाओं को शांत कर जााती है। फुहार और कविता का सादृश्य वस्तुतः सृजन प्रक्रिया को रेखांकित करने के लिए उपयुक्त लगा। और आज की अधिकांश कविता तो पतझड़ के पत्तों सी झड़ती लगती है। उसमें कोई ज्यादा गहराई या प्रयत्न दृष्टिगत नहीं होता, जबकि परिपाटी को यदि देखें तो ऐसी कविता ही जीवित रह पाई है जिसमें कुछ विचार, कुछ चिंतन निहित रहता है। ठाकुर बलदेव सिंह कविता को आत्मा की अनुगूंज मानते थे। उनका मानना था कि अल्लम गल्लम लिखने से न लिखना बेहतर है। उन्होंने बहुत ज्यादा नहीं लिखा, लेकिन जो लिखा, वह माणिक मोती की तरह चमकता हुआ है। केवल तीन पुस्तकें रचीं, अर्थात कचोटती कसक, हवा दक्खणी तथा इस ओर उस पार, दो काव्य संग्रह हिंदी में और एक कांगड़ी में। छिटपुट रचनाओं में एक बेहतरीन कहानी 'फिर मत कहना मैं वह बात बता दूंगी' और एक एकांकी। इसके अतिरिक्त कुछ लेख और अनुसंधान पत्र। उनकी कविताओं के अध्ययन से यह स्पष्ट हो जाता है कि कविता व्यक्तित्व का ही एक अंग होती है। अनुभवों की पोटली में से निकला कुछ अद्वितीय, जो लेखक को तो आनन्दित करता ही है, परन्तु पाठक को भी गुदगुदाता है। उसमें कवि का दार्शनिक अन्दाज भी हो सकता है या संवादात्मक उद्बोधन भी। बलदेव सिंह की कविताओं में दिनचर्या की बारीकियां पंक्तियों में झांकती मिलती हैं। ठाकुर बलदेव सिंह ने मन ही मन चुस्कियां लेकर कविताएं लिखी हैं और वह प्रायः कहते भी थे कि कविता यदि झकझोरती नहीं तो फुसफुसी कही जाएगी। हिमाचल में मैं यदि उनकी कविताओं को तुलनात्मक दृष्टि से देखता हूं, तो लगता है कि उनकी कविताएं गंगथ के अनसंग कवि रामस्वरूप शर्मा से काफी मेल खाती हैं। उनमें प्रखरता है, संकेतों का अथाह सागर है, रामकृष्ण कौशल की सरलता एवं तरलता है। घटाटोप बिम्बों या प्रतीकों की भरमार नहीं, जैसी प्रायः श्रीनिवास श्रीकांत की कविताओं में होती थी, या जैसे लटके झटके कुमार कृष्ण या अजेय या गणेश गनी की कविताओं में मिलते हैं। कुलराजीव पंत की सी कोमलता भी बलदेव सिंह की रचनाओं में विद्यमान है। और उन्होंने सही ही कहा है कि कविता तो आत्मा की अनुगूंज होती है, जैसे आत्मा-परमात्मा का मिलन होता है, वैसे ही पाठक और रचना का संवाद होता है। 'इस ओर उस पार' उनका अंतिम कविता संग्रह था, जिसमें परम पिता परमात्मा के प्रति उनकी लगन स्पष्ट झलकती है। ठाकुर साहिब केवल एक कुशल कवि ही नहीं थे, वह एक नेक, ईमानदार इनसान, कुशल अध्यापक, शालीनता से लबरेज सामाजिक प्राणी भी थे। बहुभाषाविद थे। उन्हें बीबी हरप्रकाश कालेज आफ एजुकेशन से ढूंढ कर लाने का श्रेय पालमपुर के बुटेल बंधुओं को जाता है। कन्हैया लाल बुटेल कन्या महाविद्यालय पालमपुर को वर्तमान ऊंचाइयों तक पहुंचाने का बड़ा श्रेय भी ठाकुर साहिब को जाता है। निष्ठा और प्राणपण से किसी शिक्षा संस्थान को सींचना महती कार्य तो है ही, पुण्य का कार्य भी है। बहुत सी छात्राएं दूर पार जाने में कतराती थीं, तो उन्होंने एमए हिन्दी तथा अंग्रेजी की प्राइवेट कक्षाएं शुरू करके हजारों बच्चियों को उच्च शिक्षा ग्रहण के योग्य बनाया। भवन निर्माण में रुचि लेकर विशालकाय भवन तैयार करवाए और आज यह क्षेत्र का अग्रणी कन्या महाविद्यालय है तथा अनेक कोर्सिज यहां चल रहे हैं। रचना साहित्य एवं कला मंच, पालमपुर की स्थापना में भी बलदेव सिंह ठाकुर जी ने डा. गुरमुख सिंह बेदी, डा. डीसी चम्बयाल, डा. जिया लाल हण्डू, सरोज परमार, शेष अवस्थी, डा. शमी शर्मा, सागर पालमपुरी आदि अनेक नए-पुराने लेखकों के साथ मिलकर इस यज्ञ को पूरा किया। यह बात सन्-70-72 की है। तभी धीरे-धीरे रचना त्रैमासिक पत्रिका के प्रकाशन का भी क्रम शुरू हुआ। पत्रिका आज भी छप रही है और इसके विशेषांक समय-समय पर चर्चित होते रहे हैं। रचना साहित्य एवं कला मंच आम तौर पर लेखकों को औपचारिक रूप से सम्मानित नहीं करता, परन्तु मात्र ठाकुर बलदेव सिंह ऐसी विभूति थे, जिन्हें मंच ने विधिवत सम्मानित किया था। उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर एक विशेषांक भी निकाला था। ठाकुर साहिब का जन्म मई 1929 में सलाह के एक गांव कक्ड़ें में हुआ था। पिता हकीम थे। बलदेव सिंह ने तीन-तीन विषयों में स्नातकोत्तर उपाधियां अर्जित कीं और शिक्षा के प्रसार में आजीवन लगे रहे। कभी रुके नहीं, कभी थके नहीं। भरे पूरे परिवार का सुख उन्हें अंत तक मिला। सताईस जून 2004 को उन्होंने जलोदर से पीड़ित होने पर इस नश्वर दुनिया से विदा ली। समाज एवं साहित्य जगत उन्हें सदा याद रखेगा। महान विभूति को शत्-शत नमन। वह शारीरिक रूप से अब जिंदा नहीं हैं, लेकिन साहित्य में हमेशा जिंदा रहेंगे।

आप का नजरिया

हिमाचल की आर्थिक अर्जियां

केंद्रीय बजट की तैयारियों में हिमाचल की अपेक्षाएं, अर्जियां और पर्वतीय आत्मनिर्भरता की अस्मिता दस्तक दे रही है। दिल्ली पहुंचे राज्य के उद्योग मंत्री हर्षवर्धन की फाइल और प्रदेश में आए 16वें वित्तायोग के सामने की गई अरदास अगर स्वीकार हो जाए तो पर्वतीय आकांक्षाओं का सवेरा हो जाएगा, वरना वित्तीय व्यवस्था का वर्तमान एक अति महंगा सफर है। केंद्रीय बजट से करीब दस हजार करोड़ की अपेक्षाएं अपनी मंशा प्रकट करती हैं, तो सामने आता है एक हरा-भरा प्रदेश जिसे इलेक्ट्रिक बसें खरीदने के लिए नाबार्ड से फंडिंग चाहिए। प्रदेश भानुपल्ली से निकली रेल लाइन को बिलासपुर से आगे लेह तक पहुंचाने के संकल्प के लिए इसे राष्ट्रीय योजना का आकार व प्रारूप ही तो मांग रहा है। पर्वतीय राज्यों के वित्तीय पन्नों पर केंद्र के हस्ताक्षर अगर खूबसूरती से हो जाएं, तो पहाड़ की तकदीर का रास्ता निकल आएगा, वरना राष्ट्रीय मानदंडों के आधार पर ज्यादतियां ही जारी रहेंगी। हिमाचल सरकार केंद्र से कांगड़ा एयरपोर्ट विस्तार के लिए 3500 करोड़ की एकमुश्त सहायता चाहती है ताकि पर्यटन आर्थिकी के मील पत्थर स्थापित किए जा सकें। यह आत्मनिर्भरता के खाते में केंद्र से दरख्वास्त है। जाहिर तौर पर हिमाचल में कनेक्टिविटी के हर स्तर पर केंद्रीय सहायता की अहम भूमिका रही है। वर्तमान दौर में चल रही फोरलेन परियोजनाओं में विस्तार के अलावा रेलवे मार्गों तथा हवाई अड्डों के निर्माण एवं विस्तार की दिशा में त्वरित फंडिंग की जरूरत है। यहां केंद्र में हिमाचल का प्रतिनिधित्व कर रहे तमाम सांसद एवं केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा की भूमिका से प्रदेश का यह पक्ष उदास नहीं हो सकता। प्रदेश ने इस बार भी मोदी सरकार में अपना सौ फीसदी योगदान दिया है और अटल बिहारी वाजपेयी के बाद देश के दूसरे ऐसे प्रधानमंत्री हैं जो हिमाचल को अपना दूसरा घर कहते आए हैं। ये सारी योजनाएं केंद्रीय बजट आबंटन की प्राथमिकताओं में लगातार समाहित रहती हैं। दूसरी ओर सोलहवें वित्तायोग की परवरिश में प्रदेश की आर्थिक स्थिति का विवेचन अगर तर्कपूर्ण समाधान को पाल पोस दे, तो तकदीर के कई बंद ताले खुल जाएंगे, लेकिन यह वित्तीय अनुशासन से सियासी खिलवाड़ तक के सवालों से गुत्थम-गुत्था हालात हैं। अब केंद्र के कायदे डबल इंजन के मायनों में अनूदित होते हैं। किसी न किसी बहाने पर्वतीय राज्यों को मिले आर्थिक समर्थन को कमतर किया जा रहा है। पहले ही राजस्व घाटा अनुदान घटा दिया गया है, जबकि विकास के कई मानदंड पूर्व की वचनबद्धता से घटा दिए गए हैं। मसलन स्मार्ट सिटी परियोजना की फंडिंग में राज्य की हिस्सेदारी को नब्बे : दस प्रतिशत के अनुपात से बढ़ाकर पच्चास : पच्चास की दर में पहुंचा दिया। इतना ही नहीं, पिछले वर्ष की आपदा राहत की अर्जियां आज तक अपना बंजरपन नहीं तोड़ पाईं, ऐसे में सोलहवें वित्तायोग के सामने हिमाचल का पक्ष उसके अधिकारों, पर्वतीय परिवेश, शांतिप्रिय राज्य और राष्ट्रीय भूमिका के साथ जुड़ता है। पर्वत की चोटियां कभी अपने लिए नहीं पिघलीं, लेकिन यहां की मिट्टी ने देश की हर सौगंध पूरी की। पूरे उत्तर भारत की धरती के नीचे हिमाचल में बड़े बांधों की कर्मठता छुपी है।

एमएसएमई में 2025 तक पैदा होंगे 2 लाख नए रोजगार के अवसर

नई दिल्ली, 27 जून (एजेंसियां)। भारतीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम (एमएसएमई) इकाइयों में साल 2025 तक करीब 1.2 करोड़ लोगों को रोजगार मिलेगा। इस दौरान देश में एमएसएमई इकाइयों में करीब दो लाख नए रोजगार के अवसर पैदा होंगे। जारी हुई एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।ग्लोबल टेक्नोलॉजी और डिजिटल टैलेंट सॉल्यूशंस प्रोवाइडर, एनएलबी सर्विसेज की ओर से जारी की गई रिपोर्ट में कहा गया कि नए रोजगार के अवसर शहरी और ग्रामीण दोनों में सर्विसेज और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में मिलेंगे।

एमएसएमई में नई उभरती हुई इंडस्ट्रीज जैसे ई-कॉमर्स, लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन मैनेजमेंट में रोजगार के अवसरों में बढ़त देखने को मिलेगी।

एनएलबी सर्विसेज के सीईओ, सचिन अलुग ने कहा कि भारत 633.9 लाख सूक्ष्म, लघु और मध्यम एंटरप्राइजेज का घर है, जो कि विशेषकर टियर 2 और टियर 3 शहरों में रोजगार देती है।

मौजूदा समय में लघु उद्योग जो कि कुल इंडस्ट्रियल यूनिट्स का 96 प्रतिशत है। भारत में दूसरा सबसे बड़ा नियोक्ता है।

जीडीपी में एमएसएमई क्षेत्र का योगदान 33 प्रतिशत है और यह देश के कुल रोजगार में 62 प्रतिशत का योगदान देता है।

अलुग ने आगे कहा कि अन्य उभरते हुए देशों में एमएसएमई का अर्थव्यवस्था में योगदान 77 प्रतिशत है जो कि दिखाता है कि भारत में अभी एमएसएमई के विकास के लिए काफी स्थान शेष है।

महामारी और डिजिटाइजेशन के बढ़ते चलन के कारण निर्माण, मैन्युफैक्चरिंग, ट्रांसपोर्टिंग और सप्लाई-चेन एमएसएमई में रोजगार के अवसर बढ़े हैं।

रिपोर्ट में बताया गया कि कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और तेलंगाना में नए रोजगार के अवसर सबसे अधिक पैदा होंगे। 24.44 प्रतिशत सूक्ष्म, 5.26 प्रतिशत लघु और 2.77 प्रतिशत मध्यम उद्योगों का नेतृत्व महिलाएं कर रही हैं। पुरुषों की अपेक्षा महिलाओं के नेतृत्व वाले एमएसएमई में ज्यादा अच्छी ग्रोथ देखी जा रही है।

आगे कहा कि अगले पांच वर्षों में महिलाओं के नेतृत्व वाले एमएसएमई में 20 से 25 प्रतिशत की बढ़त हो सकती है। इससे रोजगार के अवसर आने वाले समय में और बढ़ेंगे।

न्यूज ब्रीफ

2023 में भारत को विदेश से रिकॉर्ड 120 अरब डॉलर मिले, पिछले साल के मुकाबले 7.5 फीसदी की वृद्धि

वाशिंगटन । साल 2023 में भारत को विदेशों से रिकॉर्ड 120 अरब डॉलर मिले जो कि इसी दौरान मैक्सिको को मिले 66 अरब डॉलर के मुकाबले करीब दो गुना है। विश्व बैंक ने जारी अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी है। इसी अवधि में चीन को 50, फिलीपीन को 39 और पाकिस्तान को 27 अरब डॉलर हासिल हुए।

साल 2021-22 की अवधि में दुनिया में तेज वृद्धि दर्ज किए जाने के बाद साल 2023 में निम्न और मध्यम आय वाले देशों में विदेशों से आने वाला पैसा 656 अरब डॉलर तक पहुंच गया। रिपोर्ट में कहा गया है, भारत में विदेशों से आने वाला पैसा 7.5 फीसदी की दर से बढ़ा। इस दौरान महंगाई में कमी और भारत के दक्ष श्रमिकों के सबसे बड़े केंद्र अमेरिका के श्रम बाजार व अन्य देशों में दक्ष व कम दक्ष श्रमिकों की मांग में मजबूती का फायदा साफ नजर आया। विदेशों में मांग की यही स्थितियां पाकिस्तान की भी मदद कर सकती थीं लेकिन आतंरिक उथल-पुथल और आर्थिक कठिनाइयों के कारण वहां विदेश से पैसे की आवक 12 फीसदी घट गई। 2022 में पाकिस्तान को 30 अरब डॉलर मिले थे जिसमें इस बार 3 अरब की गिरावट दर्ज की गई। विश्व बैंक के अनुसार, भारत को संयुक्त अरब अमीरात के साथ फरवरी, 2023 में हुए समझौते का फायदा मिला जहां से उसे इसे बार 18 फीसदी राशि हासिल हुई है। यूएई इस मामले में अमेरिका के बाद दूसरे नंबर पर है। इसके बाद सउदी अरब, कुवैत, ओमान और कतर का नंबर है जहां से भारत को 11 फीसदी पैसा हासिल हुआ। विश्व बैंक ने अनुमान लगाया है कि 2024 में भारत को विदेशों से हासिल होने वाला पैसा 3.7 फीसदी की वृद्धि के साथ 124 अरब डॉलर रह सकता है। वहीं, 2025 में यह 4 फीसदी बढ़कर 129 अरब डॉलर पहुंच जाएगा।

जियो के प्लान में 25 प्रतिशत तक की वृद्धि

नयी दिल्ली 27 जून (एजेंसियां)।

देश की सबसे बड़ी दूरसंचार कंपनी रिलायंस जियो ने अपने सभी प्लान की कीमतों में 12.5 प्रतिशत से लेकर 25 प्रतिशत तक की बढोतरी करने के साथ ही नये प्लान भी लॉंच करने की घोषणा की है।

यह वृद्धि 3 जुलाई से प्रभावी होगी। कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि वर्तमान प्लान का उपयोग कर रहे ग्राहकों पर यह वृद्धि अभी प्रभावी नहीं होगी और जियो भारत या जियो फोन वर्तमान प्लान में कोई बदलाव नहीं किया गया है। कंपनी ने पोस्टपेड प्लान में भी बढोतरी की है। 299 रुपये वाला प्लान अब 349 रुपये का और 399 रुपये वाला प्लान अब 449 रुपये का हो गया है।

रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड के अध्यक्ष आकाश एम अंबानी ने कहा, नए प्लान की शुरुआत उद्योग में नवाचार को आगे बढ़ाने और 5जी और एआई तकनीक में निवेश के माध्यम से सतत विकास को आगे बढ़ाने की दिशा में एक कदम है। सर्वव्यापी, उच्च-गुणवत्ता वाला, किफायती इंटरनेट डिजिटल इंडिया की रीढ़ है और जियो को इसमें योगदान देने पर गर्व है। जियो हमेशा अपने देश और ग्राहक को सबसे पहले रखेगा और भारत के लिए निवेश करना जारी रखेगा।

कंपनी ने कहा कि 155 रुपये वाला मासिक प्लान अब 189 रुपये का हो गया है। इसी तरह से 209 वाला प्लान 249 रुपये का, 239 वाला प्लान 299 रुपये का, 299 रुपये वाला अब 349 रुपये का, 349 रुपये वाला अब 399 रुपये का और 399 रुपये वाला अब 449 रुपये का हो गया है। इसी तरह से 479 वाला द्विमासिक प्लान अब 579 रुपये और 533 रुपये वाला अब 629 रुपये का हो गया है।

कंपनी ने कहा कि त्रिमासिक प्लान में भी वृद्धि की गयी है और 395 रुपये वाला प्लान अब 479 रुपये का, 666 रुपये वाला अब 799 रुपये का, 719 रुपये वाला अब 859 रुपये का और 999 रुपये वाला प्लान 1199 रुपये का हो गया है। इसी तरह से 1559 रुपये वाला वार्षिक प्लान अब 1899 रुपये और 2999 रुपये वाला अब 3599 रुपये का हो गया है। इसके साथ ही एड ऑन टैरिफों में भी वृद्धि की गयी है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

आपातकाल संविधान...

इस बार भी महिलाओं ने बढ़-चढ़ कर मतदान में हिस्सा लिया। इस चुनाव की बहुत सुखद तस्वीर जम्मू-कश्मीर से भी सामने आई है। कश्मीर घाटी में वोटिंग के अनेक दशकों के रिकॉर्ड टूटे हैं। उन्होंने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव की चर्चा आज पूरी दुनिया में है। दुनिया देख रही हैं कि भारत के लोगों ने लगातार तीसरी बार स्थिर और स्पष्ट बहुमत की सरकार बनाई है। छह दशक बाद ऐसा हुआ है। ऐसे समय में जब भारत के लोगों की आकांक्षाएं सर्वोच्च स्तर पर हैं, लोगों ने मेरी सरकार पर लगातार तीसरी बार भरोसा जताया है। राष्ट्रपति ने कहा, मेरी सरकार का मत है कि दुनियाभर से निवेशकों को आकर्षित करने के लिए राज्यों में स्वस्थ स्पर्धा हो। यही कंपटीटिव को-ऑपरेटिव फेडरलिज्म की सच्ची स्पिरिट है। राज्य के विकास से देश का विकास, इसी भावना के साथ हम आगे बढ़ते रहेंगे।

राष्ट्रपति ने कहा कि सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन के संकल्प ने आज भारत को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना दिया है। 10 साल में भारत 11वें नंबर की अर्थव्यवस्था से ऊपर उठकर पांचवें नंबर पर पहुंचा है। साल 2021 से लेकर साल 2024 के बीच भारत ने औसतन 8 प्रतिशत की रफ्तार से विकास किया है। सरकार अर्थव्यवस्था के तीनों स्तंभों विनिर्माण, सेवाएं और कृषि को बराबर महत्व दे रही है। पीएलआई योजना और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस से बड़े पैमाने पर निवेश और रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं। पारंपरिक सेक्टर्स के साथ-साथ सनराइज सेक्टर्स को भी मिशन मोड पर बढ़ावा दिया जा रहा है। किसान अपने छोटे खर्चे पूरे कर सकें, इसके लिए पीएम किसान सम्मान निधि के तहत उन्हें 3 लाख 20 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा राशि दी जा चुकी है। मेरी सरकार के नए कार्यकाल के शुरूआती दिनों में ही किसानों को 20 हजार करोड़ रुपए से अधिक की राशि ट्रांसफर की जा चुकी है। सरकार ने खरीफ फसलों के लिए एमएसपी में भी रिकॉर्ड वृद्धि की है। उन्होंने कहा कि आजकल ऑर्गेनिक उत्पादों को लेकर दुनिया में डिमांड तेजी से बढ़ रही है। भारत के किसानों के पास इस डिमांड को पूरा करने की भरपूर क्षमता है। इसलिए सरकार प्राकृतिक खेती और इससे जुड़े उत्पादों की सप्लाई चेन को सशक्त कर रही है। ऐसे प्रयासों से किसानों का खेती पर होने वाला खर्च भी कम होगा और उनकी आय भी और बढ़ेगी।

राष्ट्रपति ने कहा कि आज का भारत, दुनिया की चुनौतियां बढ़ाने के लिए नहीं बल्कि दुनिया को समाधान देने के लिए जाना जाता है। विश्व-बंधु के तौर पर भारत ने अनेक वैश्विक समस्याओं के समाधान को लेकर पहल की है। जलवायु परिवर्तन से लेकर खाद्य सुरक्षा तक, पोषण से लेकर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर तक हम अनेक समाधान दे रहे हैं। आने वाला समय हरित युग का है। मेरी सरकार इसके लिए भी हर जरूरी कदम उठा रही है। हम हरित उद्योगों पर निवेश बढ़ा रहे हैं, जिससे हरित जॉब भी बढ़े हैं। हरित ऊर्जा हो या फिर ग्रीन मोबिलिटी, हर मोर्चे पर हम बड़े लक्ष्यों के साथ काम कर रहे हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि भारत में आज दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा डोमेस्टिक एविएशन मार्केट है। अप्रैल 2014 में भारत में सिर्फ 209 एयरलाइन रूट्स थे। अप्रैल 2024 में इनकी संख्या बढ़कर 605 हो गई है। हवाई यात्रा में हो रहे इस विस्तार का सीधा लाभ टीयर-2, टीयर-3 शहरों को हो रहा है। सरकार ने 10 वर्षों में पीएम ग्रामीण सड़क योजना के तहत गांवों में 3 लाख 80 हजार किलोमीटर से ज्यादा सड़कें बनाई हैं। आज भारत में नेशनल हाईवेज और एक्सप्रेसवेज का जाल बिछ रहा है। नेशनल हाईवे बनाने की गति में भी दोगुने से अधिक की वृद्धि हुई है। राष्ट्रपति ने कहा कि नॉर्थ ईस्ट में हर तरह की कनेक्टिविटी को बढ़ाया जा रहा है। शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन, रोजगार, हर क्षेत्र में विकास कार्यों को आगे बढ़ाया जा रहा है। असम में 27 हजार करोड़ रुपए की लागत से सेमीकंडक्टर प्लांट बनाया जा रहा है। यानि नॉर्थ ईस्ट, मेड इन इंडिया चिप्स का भी सेंटर होने वाला है।

उन्होंने कहा कि महिला नीत विकास के लिए समर्पित मेरी सरकार ने महिला सशक्तिकरण के एक नए युग की शुरूआत की है। देश की नारी शक्ति लंबे समय तक लोकसभा और विधानसभा में अधिक भागीदारी की मांग कर रही थी। आज उनके पास नारी शक्ति वंदन अधिनियम की ताकत है। भारत सरकार ने 3 करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का एक व्यापक अभियान चलाया है। इसके लिए सेल्फ हेल्प ग्रुप्स को आर्थिक मदद भी बढ़ाई जा रही है। सरकार का प्रयास है कि महिलाओं का कौशल बढ़े, कमाई के साधन बढ़े और उनका सम्मान बढ़े। नमो ड्रोन दीदी योजना इस लक्ष्य की पूर्ति में सहायक बन रही है। इस योजना के तहत हजारों सेल्फ हेल्प ग्रुप्स की महिलाओं को ड्रोन दिए जा रहे हैं, ड्रोन पायलट बनने की ट्रेनिंग दी जा रही है। मेरी सरकार ने हाल में ही कृषि सखी कार्यक्रम भी शुरू किया है। इसके तहत अभी तक सेल्फ हेल्प ग्रुप्स की 30 हजार महिलाओं को कृषि सखी के रूप में प्रमाण पत्र दिए गए हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि अब मेरी सरकार बिजली का बिल जीरो करने और बिजली बेचकर कमाई करने की योजना भी लाई है। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत घर की छत पर सोलर पैनल लगाए जा रहे हैं। इसके लिए मेरी सरकार प्रति परिवार 78 हजार रुपए तक की मदद कर रही है। राष्ट्रपति ने कहा कि 24 हजार करोड़ रुपए से अधिक की पीएम-जनमन जैसी योजना आज अति पिछड़े जनजातीय समूहों के उत्थान का माध्यम बन रही है। सरकार, पीएम सूरज पोर्टल के माध्यम से वंचित वर्गों तक आजीविका के अवसरों को पहुंचाने के लिए सुलभ ऋण भी उपलब्ध करा रही है। मेरी सरकार, दिव्यांग भाइयों और बहनों के लिए, किफायती और स्वदेशी सहायक उपकरण विकसित कर रही है।उन्होंने कहा कि डिजिटल इंडिया तथा डाकघरों के नेटवर्क का उपयोग करके दुर्घटना और जीवन बीमा के कवरेज को बढ़ाने का काम हो रहा है। पीएम स्वनिधि का विस्तार किया जाएगा और ग्रामीण और सेमी अर्बन क्षेत्रों के रेहड़ी-पटरी वाले भाई-बहनों को भी इसके दायरे में लाया जाएगा। राष्ट्रपति ने कहा कि हमारे सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक आज मजबूत और लाभदायक हैं। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का लाभ 2023-24 में 1.4 लाख करोड़ रुपए को पार कर गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 35 प्रतिशत अधिक है। हमारे बैंकों की मजबूती उन्हें ऋण आधार का विस्तार करने और राष्ट्र के आर्थिक विकास में योगदान करने के लिए सक्षम बनाती है।राष्ट्रपति ने कहा कि मोदी सरकार ने डिफेंस सेक्टर को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। ऑर्डिनेन्स फैक्ट्रीज के सुधार से डिफेंस सेक्टर को बहुत लाभ हुआ है। 40 से अधिक ऑर्डिनेन्स फैक्ट्रीज को 7 निगमों में संगठित करने से इनकी क्षमता और दक्षता दोनों बढ़ी हैं। ऐसे ही सुधारों के कारण भारत आज 1 लाख करोड़ रुपए से अधिक की डिफेंस मैनुफैक्चरिंग कर रहा है।राष्ट्रपति ने कहा कि सरकार एक डिजिटल विश्वविद्यालय बनाने की दिशा में भी काम कर रही है। अटल टिंकरिंग लैब्स, स्टार्टअप इंडिया और स्टैंड-अप इंडिया जैसे अभियान हमारे युवाओं का सामर्थ्य बढ़ा रहे हैं। इन्हीं प्रयासों से आज भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बन चुका है। सरकार ने युवाओं की राष्ट्र निर्माण में भागीदारी और बढ़ाने के लिए मेरा युवा भारत, मेरा भारत अभियान की शुरुआत भी की है। इसमें अब तक डेढ़ करोड़ से अधिक युवाओं का पंजीकरण हो चुका है। इस पहल से युवाओं में नेतृत्व कौशल और सेवा भावना का बीजारोपण होगा।

राष्ट्रपति ने कहा कि भारत सरकार ने सीएए कानून के तहत शरणार्थियों को नागरिकता देना शुरू कर दिया है। इससे बंटवारे से पीड़ित अनेक परिवारों के लिए सम्मान का जीवन जीना तय हुआ है। जिन परिवारों को सीएए के तहत नागरिकता मिली है मैं उनके बेहतर भविष्य की कामना करती हूं। राष्ट्रपति ने कहा, मेरी सरकार भविष्य निर्माण के प्रयासों के साथ ही भारतीय संस्कृति के वैभव और विरासत को फिर से स्थापित कर रही है। हाल में नालंदा यूनिवर्सिटी के भव्य कैंपस के रूप में इसमें एक नया अध्याय जुड़ा है। नालंदा सिर्फ एक यूनिवर्सिटी मात्र नहीं थी, बल्कि वो वैश्विक ज्ञान केंद्र के रूप में भारत के गौरवशाली अतीत का प्रमाण थी। सरकार, विकास के साथ ही विरासत पर भी उतना ही गर्व करते हुए काम कर रही है। विरासत पर गर्व का ये संकल्प आज अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, वंचित वर्ग और सर्वसमाज के गौरव का प्रतीक बन रहा है।राष्ट्रपति ने कहा कि आज पूरा विश्व हमें लोकतंत्र की जननी के रूप में सम्मान देता है। भारत के लोगों ने हमेशा लोकतंत्र के प्रति अपना पूर्ण विश्वास प्रकट किया है, चुनाव से जुड़ी संस्थाओं पर पूरा भरोसा जताया है। स्वस्थ लोकतंत्र को बनाए रखने के लिए हमें इस विश्वास को सहेज कर रखना है, इसकी रक्षा करनी है।

राष्ट्रपति ने कहा कि आज के समय में टेक्नॉलॉजी हर दिन और उन्नत हो रही है। ऐसे में मानवता के विरुद्ध इनका गलत उपयोग बहुत घातक है। भारत ने विश्व मंच पर भी इन चिंताओं को प्रकट किया है और एक ग्लोबल फ्रेमवर्क की वकालत की है। हम सभी का दायित्व है कि इस प्रवृत्ति को रोकें, इस चुनौती से निपटने के लिए नए रास्ते खोजें। उन्होंने कहा कि मेरी सरकार के प्रयासों से आज भारत, विश्व बंधु के रूप में दुनिया को नया भरोसा दे रहा है। मानव-केंद्रित अप्रोच रखने की वजह से भारत आज किसी भी संकट के समय प्रथम प्रत्युत्तर कर्ता और वैश्विक दक्षिण की बुलंद आवाज बना है। कोरोना का महासंकट हो, भूकंप जैसी कोई त्रासदी हो या फिर युद्ध की स्थितियां, भारत मानवता को बचाने में आगे रहा है।

राष्ट्रपति ने कहा, मेरी सरकार भी भारत के संविधान को सिर्फ राजकाज का माध्यम भर नहीं मानती, बल्कि हमारा संविधान जन-चेतना का हिस्सा हो, इसके लिए हम प्रयास कर रहे हैं। इसी ध्येय के साथ मेरी सरकार ने 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में मनाना शुरू किया है। अब भारत के उस भूभाग, हमारे जम्मू-कश्मीर में भी संविधान पूरी तरह लागू हो गया है, जहां आर्टिकल 370 की वजह से स्थितियां कुछ और थीं। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में जो सुधार हुए हैं, जो नया आत्मविश्वास देश में आया है, उससे हम विकसित भारत बनाने के लिए नई गति प्राप्त कर चुके हैं। हम सभी को ये हमेशा ध्यान रखना है कि विकसित भारत का निर्माण देश के हर नागरिक की आकांक्षा है, संकल्प है। इस संकल्प की सिद्धि में अवरोध पैदा न हो, ये हम सभी का दायित्व है। उन्होंने कहा कि ये सदी भारत की सदी है, और इसका प्रभाव आने वाले एक हजार वर्षों तक रहेगा। आइए, हम सब मिलकर पूर्ण कर्तव्यनिष्ठा के साथ, राष्ट्रीय संकल्पों की सिद्धि में जुट जाएं, विकसित भारत बनाएं।

संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करने के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू राष्ट्रपति भवन से घुड़सवार अंगरक्षकों के साथ संसद भवन पहुंचीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोकसभा और राज्यसभा के पीठासीन अधिकारियों ने संसद भवन के गज द्वार पर उनका स्वागत किया। यहां से उन्हें पारंपरिक राजदंड सेंगोल की अगुवाई में निचले सदन के कक्ष तक ले जाया गया।संविधान के अनुच्छेद 87 के अनुसार, राष्ट्रपति को हर लोकसभा चुनाव के बाद सत्र की शुरुआत में संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करना जरूरी है। राष्ट्रपति द्वारा हर साल संसद के पहले सत्र में दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को भी संबोधित किया जाता है। राष्ट्रपति के अभिभाषण के माध्यम से सरकार अपने कार्यक्रमों और नीतियों की रूपरेखा बताती है। यह अभिभाषण पिछले वर्ष सरकार के कामकाज का उल्लेख करता है। इस दौरान आगामी वर्ष के लिए प्राथमिकताओं को बताता है। राष्ट्रपति मुर्मू के अभिभाषण के बाद सत्तारूढ़ दल संसद के दोनों सदनों में धन्यवाद प्रस्ताव पेश करेगा, जिस पर सदस्य चर्चा करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी दो या तीन जुलाई को धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब देंगे।

नीतियों का विरोध...

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा, नीतियों का विरोध करना और संसदीय कामकाज में बाधा डालना दो अलग-अलग बातें हैं। जब संसद का कामकाज सुचारू रूप से चलता है, तो वहां स्वस्थ विचार-विमर्श होता है और दूरगामी फैसले लिए जाते हैं। इससे लोगों का न सिर्फ सरकार में बल्कि पूरी व्यवस्था में विश्वास बढ़ता है। इसलिए मुझे विश्वास है कि संसद के प्रत्येक क्षण का पूरा उपयोग किया जाएगा और जनहित को प्राथमिकता दी जाएगी।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा, हम सभी की जिम्मेदारी है कि विकसित राष्ट्र के संकल्प को प्राप्त करने में कोई बाधा न आए। उन्होंने कहा कि 18वीं लोकसभा में कई नए सदस्य पहली बार संसदीय प्रणाली का हिस्सा बने हैं और पुराने सदस्य भी नए उत्साह के साथ वापस आए हैं। राष्ट्रपति ने कहा, आप सभी जानते हैं कि वर्तमान समय भारत के लिए हर तरह से अनुकूल है। आने वाले वर्षों में सरकार और भारत की संसद द्वारा लिए गए निर्णयों और बनाई गई नीतियों पर पूरी दुनिया की नजरें रहेंगी। यह सुनिश्चित करना सरकार के साथ-साथ प्रत्येक सांसद की जिम्मेदारी है कि इस अनुकूल समय का देश को अधिकतम लाभ मिले। पिछले 10 वर्षों में हुए सुधारों और देश में आए नए आत्मविश्वास के साथ, हमने भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में एक नई गति प्राप्त की है।

पेपर लीक...

आती है तो यह उचित नहीं है। सरकारी भर्तियों और परीक्षाओं में शुचिता, पारदर्शिता बहुत जरूरी है। सरकार पेपर लीक की हालिया घटनाओं में निष्पक्ष जांच करने और दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। राष्ट्रपति ने कहा कि पहले भी कुछ राज्यों में पेपर लीक की घटनाएं हुई थीं, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि दलगत राजनीति से ऊपर उठने और राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत कदम उठाने की जरूरत है। राष्ट्रपति ने कहा कि संसद ने पेपर लीक के खिलाफ भी एक मजबूत कानून बनाया है। सरकार परीक्षा प्रक्रिया में सुधार लाने के लिए काम कर रही है।

आने वाले बजट...

सुधारों की गति बढ़ाई जाएगी। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार का मानना है कि निवेश के लिए राज्यों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा होनी चाहिए। उन्होंने कहा, यह प्रतिस्पर्धी-सहकारी संघवाद की भावना के अनुरूप है। मुर्मू ने कहा, भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। पिछले 10 वर्षों में सामान्य काल नहीं होने क बावजूद औसतन 8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। यह विकास दर वैश्विक महामारी और दुनिया के विभिन्न हिस्सों में संघर्षों के बावजूद हासिल की गई। यह पिछले 10 वर्षों के सुधारों का परिणाम है। अकेले भारत वैश्विक विकास में 15 प्रतिशत का योगदान दे रहा है। मेरी सरकार भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के लिए काम कर रही है।

मणिपुर का...

मणिपुर के 8 गांवों में शेल्टर होम में रह रहे घुसपैठियों की संख्या ही उन गांवों की मूल जनसंख्या से ज्यादा है।

पिछले साल मणिपुर में कई महीनों तक हिंसा और आपसी संघर्ष का माहौल रहा। अब पुलिस ने वहां ऐसे गिरोह का खुलासा किया है, जो फर्जी आधार और वोटर आईडी कार्ड बना कर विदेशी घुसपैठियों को बसा रहा है। एक विशेष पुलिस टीम इन्हें ट्रैक कर रही थी, और हाल ही में कई आरोपित गिरफ्तार हुए हैं। पुलिस ने चुराचांदपुर से म्यांमार के कई अवैध घुसपैठियों को गिरफ्तार किया। उनके पास से फर्जी आधार कार्ड और वोटर आईडी कार्ड मिले। पुलिस ऐसे कई मामलों की जांच कर रही है।

ये अपराधी घुसपैठियों को बताते हैं कि उन्हें दस्तावेज में अपने पते के रूप में किस जगह का नाम लिखना है। दक्षिणी मणिपुर सरकार द्वारा कफ्रजी दस्तावेज बनाने वाले गिरोह के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान का केंद्र है। राज्य सरकार कह चुकी है कि ये सिर्फ मणिपुर ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए खतरा हैं। म्यांमार में तानाशाही जुंटा सेना और लोकतंत्र समर्थकों के बीच हिंसा चल रही है। उसमें से कई भाग कर भारत पहुंच रहे हैं। मणिपुर में इनके बायोमेट्रिक्स रिकॉर्ड किए जाते हैं।

जी बायोमेट्रिक्स रिकॉर्ड कराने से बच जाते हैं, वो फर्जी आधार और वोटर आईडी बनाने वाले गिरोह से संपर्क करते हैं। सीमा पर स्थित जिले जिरबाम और मोरेह से 2018 में ऐसे दो गिरोह पकड़े गए थे। 10 गिरफ्तार आरोपितों में से 9 म्यांमार के मुस्लिम घुसपैठिए थे। वहीं तमिलनाडु की परिथा बेगम नामक एक महिला भी गिरफ्तार हुई थी। मोरेह में मोहम्मद तोम्बा के घर पर छापेमारी कर पुलिस ने 2 लैपटॉप, 4 आधार कार्ड, एक प्रिंटर मशीन, एक लैमिनेटिंग फिल्म मशीन, प्लास्टिक शीट्स, कई डीवीडी और फोटो पेपर जब्त किया था।

लोग कोरोना से...

विजय नायर के माध्यम से रिपोर्ट मनीष सिसोदिया के पास भेजी गई। इस पर चर्चा के लिए कोई बैठक नहीं बुलाई गई। उसी दिन हस्ताक्षर ले लिए गए और उसे अधिसूचित भी कर दिया गया। इतनी जल्दबाजी थी। जब कोरोना महामारी के दौरान मामलों को मुख्यमंत्री ही देख रहे थे। यह उन्हीं का निर्देश था। दक्षिण की लॉबी दिल्ली में बैठी है। यह देख रही थी कि क्या करना है। उसी के कहने पर नीति को अधिसूचित किया गया।

भारत ने ...

शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर और लद्दाख भारत के अभिन्न और अलग-अलग हिस्से हैं। बहस के दौरान अपना बयान समाप्त करने से पहले आर रवींद्र ने कहा, मुझे समय के हित में टिप्पणियों का संक्षेप में जवाब देने दें, जो स्पष्ट रूप से राजनीति से प्रेरित और निराधार थीं, जो मेरे देश के खिलाफ एक प्रतिनिधि द्वारा की गई थीं। मैं स्पष्ट रूप से इन आधारहीन टिप्पणियों को खारिज करता हूं और उनकी निंदा करता हूं।

उन्होंने कहा, यह और कुछ नहीं बल्कि बच्चों के खिलाफ गंभीर उल्लंघनों से ध्यान हटाने का एक और आदतन प्रयास है, जो उनके अपने देश में बेरोकटोक जारी है। यह इस साल महासचिव की बच्चों और सशस्त्र संघर्ष पर रिपोर्ट में उजागर किया गया है। जहां तक केंद्र शासित प्रदेशों जम्मू-कश्मीर और लद्दाख का सवाल है, वे भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा थे, हैं और हमेशा रहेंगे, भले ही यह विशेष प्रतिनिधि या उनका देश क्या मानता या चाहता हो।

उनकी यह टिप्पणी संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार परिषद में पाकिस्तान के प्रतिनिधि द्वारा जम्मू-कश्मीर का जिक्र किए जाने के बाद आई है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बहस के दौरान आर रवींद्र ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में वार्षिक बहस से सशस्त्र संघर्ष की स्थितियों में बच्चों के सामने आने वाली चुनौतियों पर ध्यान गया है और अंतरराष्ट्रीय समुदाय को बच्चों के खिलाफ उल्लंघन को रोकने के महत्व को पहचानने में मदद मिली है।

भारतीय दूत ने कहा, इस साल बच्चों और सशस्त्र संघर्ष पर सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 1261 को अपनाए जाने के 25 साल पूरे हो रहे हैं। पिछले कुछ सालों में, वार्षिक बहस ने सशस्त्र संघर्ष की स्थितियों में बच्चों के सामने आने वाली चुनौतियों को सामने लाया है और अंतरराष्ट्रीय समुदाय को बच्चों के खिलाफ उल्लंघनों को रोकने और समाप्त करने के महत्व को पहचानने में मदद की है। उन्होंने कहा कि इस दिशा में हम महासचिव के विशेष प्रतिनिधि के कार्यालय के काम की बहुत सराहना करते हैं। हालांकि, सशस्त्र संघर्षों के बदलते परिदृश्य और बच्चों के सामने आने वाली चुनौतियों को देखते हुए बहुत कुछ किया जाना बाकी है। साथ ही इस बात पर जोर दिया कि इस चुनौती पर केवल उस सरकार द्वारा दृढ़ कार्रवाई करके ही काबू पाया जा सकता है, जिसके क्षेत्र में ऐसी संस्थाएं संचालित होती हैं।

तेलंगाना में ...

तीनों विधेयक क्रमशः भारतीय दंड संहिता, 1860, दंड प्रक्रिया संहिता अधिनियम, 1898 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 की जगह लेंगे। तीनों कानूनों को पिछले साल 21 दिसंबर को संसद की मंजूरी मिली थी और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 25 दिसंबर को अपनी सहमति दी थी। केंद्रीय गृह मंत्रालय की अधिसूचना के अनुसार, नए कानूनों के प्रावधान एक जुलाई से लागू होंगे।

आरक्षण विरोधी ...

एक नेता ने ही कहा, आपातकाल लगाकर कांग्रेस ने संविधान को बौना बनाया और कारसेवकों पर गोलियां बरसाकर सपा ने लोकतंत्र के पर काटे। ऐसे नेता संविधान को पॉकेट प्रोडक्ट तो बनाएंगे ही।

बहरहाल, जब लोकसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शपथ ले रहे थे तब भी राहुल गांधी ने उनकी तरफ संविधान का पॉकेट प्रोडक्ट दिखाया। असल में ईस्टर्न बुक कंपनी ने इस संविधान को 2009 में पहली बार प्रिंट किया था। ये संविधान का कोट पॉकेट संस्करण है। कंपनी के निदेशकों में से एक सुमित मलिक ने जानकारी दी कि सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने पॉकेट एडिशन का आईडिया दिया था। उन्होंने कंपनी से कहा था कि वो संविधान की ऐसी पुस्तक प्रिंट करे, जो पॉकेट में समा जाए।

संविधान के पॉकेट प्रोडक्ट का आइडिया देने वाले गोपाल शंकरनारायणन सुप्रीम कोर्ट के प्रखर वकील हैं। लंबे समय से कानून की प्रैक्टिस कर रहे हैं और पिछले 25 वर्षों में मान्यता प्राप्त करने वाले सबसे युवा वरिष्ठ अधिवक्ता हैं। प्रदूषण के खिलाफ भी वो सक्रिय रहे हैं। आरक्षण के खिलाफ वे न्यायपालिका में काफी सक्रिय रहे हैं। उन्होंने ईडब्लूएस आरक्षण को चुनौती दी थी। उनका मानना है कि एससी-एसटी के अलावा जाति आधारित आरक्षण का प्रावधान संविधान में है ही नहीं। संविधान के पहले संशोधन के बाद ओबीसी आरक्षण का फार्मूला सामने आया।

गोपाल शंकरनारायणन कहते हैं कि एससी-एसटी और ओबीसी समाज में भी एक छोटा सा अभिजात्य वर्ग है जो उन्हें मिले 98-99 प्रतिशत आरक्षण का लाभ उठा रहा है। राष्ट्रपति द्वारा मान्यता प्राप्त दलित जातियों में 1200 जातियां ऐसी हैं जिन्हें कभी आरक्षण का लाभ मिला ही नहीं। महात्मा गांधी और भीमराव अंबेडकर अछूत दलितों के खिलाफ वर्षों से हो रहे भेदभाव पर अंकुश लगाने के लिए संविधान में विशेष उपाय करने के पक्षधर थे। लेकिन जैसे ही एससी-एसटी के अलावा आरक्षण अन्य समुदायों के लिए आगे बढ़ाया गया, वैसे ही इसका उद्देश्य खत्म होने लगा। सामाजिक रूप से मजबूत कई समुदायों को आरक्षण का लाभ मिलने लगा, जो उन्हें नहीं मिलना चाहिए था। इससे उनका अहित हुआ जिनके साथ इतिहास में भेदभाव हुआ। ओबीसी समुदाय में बड़ी संख्या में ऐसे हैं, जिन्होंने दलितों के साथ भेदभाव किया। अब आप दोनों को लाभार्थियों की समान श्रेणी में डाल रहे हैं। उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, बिहार, मध्य प्रदेश और राजस्थान में सत्ता में यही समुदाय हैं और सरकार में उनकी बड़ी भूमिका है। कई ऐसे समुदाय हैं जो ओबीसी बनना चाहते हैं, जैसे कई ओबीसी अब एससी का दर्जा पाना चाहते हैं।

सामाजिक और आर्थिक स्तर ऊपर आने के बावजूद आज तक राष्ट्रपति ने पिछड़ों की सूची से एक भी जाति को हटाया नहीं। इससे आरक्षण के लाभार्थियों की संख्या बढ़ती ही चली गई। क्या आरक्षण का यही उद्देश्य था कि अधिक से अधिक लोग पिछड़े हो जाएं? यह सवाल सामने रखने वाले गोपाल शंकरनारायणन ने वह याचिका दाखिल की थी, जिसके आधार पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से पूछा था कि क्या शिक्षा और नौकरी के क्षेत्र में एससी-एसटी और ओबीसी के जो क्रीमीलेयर हैं, अर्थात जो सम्पन्न और शिक्षित हैं, उन्हें आरक्षण का लाभ न दिया जाए? गोपाल शंकरनारायणन का मानना है कि आरक्षण से क्रीमीलेयर को हटा देने पर गरीबों और पिछड़ों को इसका वास्तविक लाभ मिल पाएगा।

आश्चर्य है कि ओबीसी-ओबीसी का रट्टा लगाने वाले राहुल गांधी संविधान की वही पुस्तक लेकर घूम रहे हैं, जो एक ऐसे अधिवक्ता की संकल्पना है जो ओबीसी आरक्षण के विरोधी हैं। राहुल गांधी कभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार से पूछते हैं कि उनके प्रशासन में कितने ओबीसी सचिव हैं। जबकि वो भूल जाते हैं कि पीएम मोदी खुद ओबीसी समुदाय से आते हैं। मोदी मंत्रिमंडल में सबसे अधिक ओबीसी मंत्रियों की संख्या है। ओबीसी समाज के लिए कई योजनाएं चल रही हैं।लब्बोलुबाव यह है कि तार्किक आधार पर आरक्षण का विरोध करने वाले वकील के सुझाव पर बने पॉकेट संविधान को जेब में डालने और हिलाते रहने वाले राहुल गांधी क्या सार्वजनिक तौर पर यह बताएंगे कि वे गोपाल नारायणन के विचारों से सहमत हैं। अगर नहीं तो वे पॉकेट से संविधान का बोंसाई-एडिशन निकाल कर हटा दें। वैसे, जिस कांग्रेस ने आपातकाल लाने जैसा घोर संविधान-विरोधी अपराध किया हो, उस पार्टी के राजकुमार का संविधान का पॉकेट प्रोडक्ट लेकर घूमना बेशर्मी से सिवा कुछ नहीं।

आपातकाल के ...

वर्ष 1975 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा देश में आपातकाल लगाए जाने की निंदा की थी। उन्होंने कहा था, इतिहास के निंदनीय कृत्यों से भावी पीढ़ियों को सीख लेने की जरूरत है। ऐसे कृत्यों की प्रशंसा थोड़े ही की जाएगी!

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शुक्रवार, 28 जून, 2024

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

फोन टैपिंग मामला: तीन निलंबित पुलिस अफसरों की जमानत याचिका खारिज

हैदराबाद, 27 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।
शहर की एक अदालत ने गुरुवार को कथित फोन टैपिंग मामले में आरोपी तीन निलंबित पुलिस अधिकारियों की जमानत याचिका खारिज कर दी। अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट कोर्ट ने पूर्व अतिरिक्त एसपी भुजंगा राव और तिरुपथन्ना और पूर्व डीएसपी प्रणीत राव को जमानत देने से इनकार कर दिया। अदालत ने बुधवार को अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था और गुरुवार को फैसला सुनाया। आरोपियों ने इस आधार पर जमानत मांगी थी कि जब उन्होंने आवेदन दिया था तो पुलिस ने आरोपपत्र दाखिल नहीं किया था।

अभियुक्तों के वकीलों ने तर्क दिया था कि पुलिस ने एफआईआर दर्ज होने की तारीख से 90 दिनों की अनिवार्य अवधि के भीतर आरोप पत्र दायर नहीं किया था। हालांकि, सरकारी वकील ने अदालत को बताया कि आरोप पत्र 10 जून को अदालत में प्रस्तुत किया गया था, लेकिन कुछ त्रुटियों के कारण, अदालत ने आरोप पत्र वापस कर दिया था और इसे फिर से प्रस्तुत किया गया था।

गौरतलब है कि अदालत द्वारा दो बार लौटाए जाने के बाद पुलिस को 25 जून को तीसरी बार आरोप पत्र दाखिल करना पड़ा था।

बीआरएस की पिछली सरकार के दौरान राज-नेताओं, व्यापारिक लोगों, मशहूर हस्तियों और यहां तक कि कुछ न्यायाधीशों के फोन की कथित टैपिंग से संबंधित मामले में अब तक तीन सेवारत पुलिस अधिकारियों और एक पूर्व अधिकारी को गिरफ्तार किया गया है।

तत्कालीन कांग्रेस सांसद और वर्तमान तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी सहित कई विपक्षी नेता, तत्कालीन सत्तारूढ़ पार्टी के असंतुष्ट, व्यवसायी और पत्रकार उन लोगों में से थे जिनके फोन कथित तौर पर विशेष खुफिया ब्यूरो (एसआईबी) के भीतर एक टीम द्वारा टैप किए गए थे। बीआरएस द्वारा कांग्रेस के हाथों सत्ता गंवाने के बाद फोन टैपिंग और जा-सूसी विवाद सामने आया और एसआईबी का एक अधिकारी, जो ऑपरेशन का हिस्सा था, एकत्रित डेटा को नष्ट करते हुए पाया गया। मार्च में, अतिरिक्त एसपी, एसआईबी डी. रमेश द्वारा याचिका दायर किए जाने के बाद पंजागुट्टा पुलिस में मामला दर्ज किया गया था। प्रणीत राव को पिछले साल दिसंबर में कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद कथित तौर पर हार्ड डिस्क और अन्य डेटा नष्ट करने के बाद गिरफ्तार किया गया था। बाद में, पुलिस ने भुजंगा राव, तिरुपथन्ना और पूर्व पुलिस उपायुक्त पी. राधा किशन राव को गिरफ्तार कर लिया।

शहर में बिगड़ती कानून-व्यवस्था को नियंत्रित करें सीएम : राजा सिंह

हैदराबाद, 27 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।
गोशामहल से भाजपा विधायक ठाकुर राजा सिंह ने शहर में अपराध की घटनाओं में वृद्धि के लिए मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी की आलोचना की। भाजपा विधायक ने सोशल मीडिया पर कहा कि सरकार और विशेष रूप से मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन पार्टी (एआईएमआईएम) के हाथों में खेल रहे हैं और हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी की बात मान रहे हैं।

राजा सिंह ने कहा पुलिसिंग में एआईएमआईएम विधायकों और नेताओं के अनुचित प्रभाव के कारण कानून-व्यवस्था की स्थिति खराब हो रही है। एआईएमआईएम पुलिस को स्वतंत्र रूप से काम नहीं करने दे रही है, जिसके कारण पुराने शहर में हत्याएं हो रही हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को शहर में बिगड़ती कानून-व्यवस्था की स्थिति को नियंत्रित करने पर ध्यान देना चाहिए।

उन्होंने कोमपल्ली में एक आभूषण की दुकान को लूटने के प्रयास के मामले का हवाला देते हुए कहा, शहर में दिनदहाड़े डकैतियां हो रही हैं। राजा सिंह ने अपने वीडियो में पिछले कुछ हफ्तों में शहर में बड़े संपत्ति अपराधों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा रेवंत रेड्डी, किसी से डरना नहीं चाहिए। उनके पास एक पुलिस विभाग है और उन्हें उन्हें निडर होकर काम करने का निर्देश देना चाहिए।

हैदराबाद में झमाझम बारिश से कई इलाकों में हुआ जल भराव

हैदराबाद, 27 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।
गुरुवार को दोपहर बाद हैदराबाद में भारी बारिश हुई। भारी बारिश के चलते शहर के कई इलाकों में बड़े पैमाने पर जलभराव हो गया जिससे यातायात बाधित हुआ।

तेलंगाना डेवलपमेंट एंड प्ल-ानिंग सोसाइटी के आंकड़ों के अनुसार शाम पांच बजे तक बंदलागुडा, शैकपेट, खैरताबाद, मेरेडपल्ली और सिकंदराबाद सहित शहर के कई हिस्सों में मध्यम से भारी बारिश हुई। बंदलागुडा में 18.5 मिमी की महत्वपूर्ण वर्षा दर्ज की गई। शहर के तापमान में भी उल्लेखनीय गिरावट देखी गई, अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस के आसपास दर्ज किया गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, शुक्रवार को आमतौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे, रुक-रुक कर हल्की से मध्यम बारिश और गरज के साथ 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। करीमनगर, विकाराबाद, कुमरम भीम आसिफाबाद, आदिलाबाद, संगारेड्डी, रंगारेड्डी और मेडचल-मलकजगिरी सहित तेलंगाना के अन्य जिलों में भी भारी बारिश हुई। विशेष रूप से, करीमनगर के मनकोंदुर में 51.3 मिमी की पर्याप्त वर्षा दर्ज की गई। मौसम पूर्वानुमान के अनुसार आदिलाबाद, कुमरम भीम आसिफाबाद, मंचेरियल, निर्मल, निज़ामाबाद, जगितियाल, राजन्ना सिरसिला, करीमनगर, पेद्दापल्ली, जयशंकर भूपालपल्ली, मुलुगु, भद्राद्री कोठागुडेम, खम्मम, महबुबाबाद, वारंगल, हनमकोंडा, जनगांव, रंगारेड्डी, मेडचल-मल्काजीगिरी और हैदराबाद सहित विभिन्न जिलों में अलग-अलग स्थानों पर तेज़ हवाएं जारी रहेंगी।

सीपी तरूण जोशी और कलेक्टर शशांक के निर्देशन में राचाकोंडा पुलिस आयुक्तालय में एंटी नारकोटिक्स एवं मानव तस्करी विरोधी वॉकथॉन का आयोजन किया गया।

पित्ती ट्रस्ट-अग्रवाल सेवा दल का 129वां नि:शुल्क मेगा मेडिकल 30 जून को

हैदराबाद, 27 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।
बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट-अग्रवाल सेवा दल द्वारा निर्मला देवी कैलाशचंद केडिया चैरिटी ट्रस्ट के सहयोग से 129वां नि:शुल्क मेडिकल कैम्प रविवार 30 जून को सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक काटेदान स्थित रविस ब्रिलियंट हाई स्कूल के प्रांगण में आयोजित किया जायेगा।

अग्रवाल सेवा दल के प्रचार संयोजक अजीत गुप्ता ने गुरुवार को बताया कि शिविर में मेडिकवर अस्पताल के जनरल फिजिशियन द्वारा ईसीजी-2डी इको-बीएमडी, आरबीएस, रक्तचाप की जांच की जाएगी तथा शिविर में एलसीएस डूंडू नेत्र संस्थान वेस्ट मैरेडपल्ली के चिकित्सकों द्वारा नेत्रों की जांच के पश्चात जरूरतमंदों को नि:शुल्क चश्मे और योग्य के लिए नि:शुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन की व्यवस्था की जाएगी।

फिजियोथैरेपी की सेवा बजाज फिजियो केयर की डॉ. मीता बजाज द्वारा की जाएगी। दंत की जांच ललिता डेंटल क्लीनिक के डॉ.संजय सूर्यवंशी द्वारा की जाएगी। अवसर पर आर्थोपेडिक और कार्डियोलॉजी आर्थोपेडिक, कार्डियोलॉजी, गायनेकोलॉजी की सेवा दी जाएंगी। अवसर पर श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति हैदराबाद के द्वारा नि:शुल्क कृत्रिम अंग, हैंड किट्स, कैलिपर्स, हैंडस एवं डायलिसिस रोगियों के लिए नि:शुल्क डायलिसिस की सेवा प्रदान की जाएगी।

सभी से शिविर का अधिक से अधिक लाभ लेने का आग्रह किया गया है। शिविर के लिए नाम पंजीकरण सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक किया जाएगा और कैंप दोपहर 2 बजे तक जारी रहेगा।

अधिक जानकारी के लिए कैम्प के संयोजक प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेन्द्र गोयल, निर्मला देवी, नवीन कुमार केडिया, रजनीकांत से संपर्क किया जा सकता है।

केंद्रीय कैबिनेट सचिव ने राज्यों के मुख्य सचिवों से जल शक्ति अभियान पर की चर्चा

तेलंगाना की मुख्य सचिव शांति कुमारी सहित कई अन्य अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंस में हुए शामिल

हैदराबाद, 27 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।
केंद्रीय कैबिनेट सचिव डॉ. राजीव गौबा ने गुरुवार को जल शक्ति अभियान पर मुख्य सचिवों, राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के प्रशासकों और केंद्रीय मंत्रालयों के सचिवों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने सभी राज्यों को जियो टैगिंग और वैज्ञानिक योजना तैयार करने सहित सभी जल निकायों का पूरा आविष्कार करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने सुझाव दिया कि मनरेगा, सीएएमपीए, वित्त आयोग आदि के तहत उपलब्ध धनराशि का उपयोग जल संरक्षण गतिविधियों के लिए किया जा सकता है। उन्होंने आजादी का अमृत महोत्सव के तहत पिछले साल अमृत सरोवर कार्यक्रम के तहत 75 हजार से अधिक नए जल निकायों के निर्माण के लिए मुख्य सचिवों की सराहना की।

चूंकि इस वर्ष के जल शक्ति अभियान का विषय नारी शक्ति से जल शक्ति है, इसलिए केंद्रीय कैबिनेट सचिव ने राज्यों से महिला एसएचजी को शामिल करने और उन्हें जल प्रबंधन और रखरखाव में प्रशिक्षित करने के लिए कहा। उन्होंने जल के उपयोग पर निर्णय लेने में महिलाओं की भूमिका बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। वह यह भी चाहते थे कि राज्य ग्रामीण और शहरी जल आपूर्ति के लिए एक व्यापक ओएंडएम नीति लागू करें। उन्होंने उचित क्लोरीनीकरण के माध्यम से पेयजल आपूर्ति की गुणवत्ता बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया। अधिकारियों से कहा गया कि वे वर्षा जल संचयन उपनियमों को सख्ती से लागू करें और शहरी क्षेत्रों में जल निकायों के अतिक्रमण पर भी अपना ध्यान केंद्रित करें।

एकल विद्यालय सिर्फ एक शिक्षा आंदोलन से कहीं अधिक है, यह सामाजिक-सांस्कृतिक-आर्थिक विकास में एक क्रांति है। बुनियादी शिक्षा के साथ-साथ पारंपरिक मूल्यों को प्रदान करके, एकल बच्चों को स्थानीय संसाधनों का उपयोग करने और आगे बढ़ने के लिए सशक्त बनाता है। 73 लाख छात्रों के उत्तीर्ण होने के साथ एकल के पूर्व छात्र सेना, शिक्षण, खेल और अन्य क्षेत्रों में अपनी पहचान बना रहा रहा है।

विवाह समारोह एवं रक्षाबंधन पर विशेष नेत्रा फ़ैशन बाजार प्रदर्शनी आरंभ

हैदराबाद, 27 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। दो दिवसीय विवाह समारोह एवं रक्षाबंधन पर विशेष लाइफ स्टाइल नेत्रा की फैशन बाजार प्रदर्शनी-सह-बिक्री गुरुवार, दि. 27 जून को कच्छी भवन, रामकोट में आरंभ हुई।

प्रदर्शनी का उद्घाटन प्रसिद्ध समाज सेवी गोपाल बल्दवा एवं अमृत कुमार जैन ने किया।

28 जून तक चलने वाली इस प्रदर्शनी-सह-बिक्री का विशेष आकर्षण वैवाहिक समारोहों के अनुकूल मनमोहक डिजाइनर परिधानों का मनमोहक संकलन है। नेत्रा द्वारा आयोजित फ़ैशन बाजार में विभिन्न प्रकार के डिजाइनर व पारंपरिक परिधान, आकर्षण तथा फ़ैशन आधारित साड़ियां, कलात्मक आभूषण, एसेसरीज, फुटवेयर, हैंडबैग आदि के साथ-साथ रक्षाबंधन से जुड़े मनमोहक उत्पादों के वृहद संकलन को प्रदर्शित किया गया है। प्रदर्शनी-सह-बिक्री का आकषण गृहसज्जा आधारित उत्पाद हैं। प्रदर्शनी सुबह 11.30 से रात्रि 9.00 बजे तक रहेगी, जिसमें प्रवेश निः शुल्क है।

जी. किशन रेड्डी, किंजरापु राममोहन नायडू और भूपतिराजू श्रीनिवास वर्मा जिन्होंने नरेंद्र मोदी के मंत्रिमंडल में तेलुगु राज्यों से मंत्री के रूप में शपथ ली, हरियाणा भवन में आयोजित रात्रिभोज में हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने उन्हें आमंत्रित कर सम्मानित किया।

अग्रवाल समाज बंजारा सेंट्रल शाखा की चारधाम यात्रा सफलतापूर्वक सम्पन्न

हैदराबाद, 27 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज, बंजारा सेंट्रल शाखा के तत्वावधान में केदारनाथ, बद्रीनाथ इत्यादि चारधाम यात्रा का सुगम एवं सुफल आयोजन गत दिनों सम्पन्न हुआ।

शाखा के केंद्रीय समिति सदस्य सुनील कुमार अग्रवाल द्वारा प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार उपरोक्त यात्रा का सफल आयोजन दि. 5 से 16 जून, 20024 के बीच किया गया। जिसमें शाखा के पदाधिकारियों, कार्यकारिणी सदस्यों व अन्य सदस्यों ने अपने परिवार सहित भाग लिया। यात्रा का अत्यंत सुव्यवस्थित आरामदेह आयोजन के लिए शाखाध्यक्ष कमलकिशोर अग्रवाल ने अपार हर्ष व्यक्त करते हुए संयोजक रमेश अग्रवाल व सहसंयोजक जयदीप गुप्ता का आभार प्रकट किया।

शाखा मानदमंत्री मनीष अग्रवाल ने सूचित किया कि यात्रा की सफलता व शांतिपूर्वक संपन्न होने के उपलक्ष्य में शाखा द्वारा जियागुड़ा स्थित श्री रंगनाथ स्वामी देवालय में शनिवार दि. 29 जून, 2024 को रात्रि 7.00 बजे से सभी सदस्य परिवारों के लाभार्थ दर्शन व प्रसाद की व्यवस्था की जाएगी। जिसमें सभी से भरपूर संख्या में उपस्थित होकर आयोजन को सफल बनाने का विनम्र निवेदन किया गया है।

बचपन, जवानी व बुढापा मनुष्य जीवन के तीन पड़ाव हैं

जैन श्री संघ मलकपेट के तत्वावधान में चतुर्विध संघ समागम आयोजित

हैदराबाद, 27 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। कुणसी नंदन, शताब्दी नायक, 18 भाषाओ के ज्ञाता 102 वर्षीय 778 अठ्ठम तप (तेला) आराधक प.पू. आचार्य भगवंत श्रीमद्विजय राजतिलक सूरीश्वरजी म.सा., पुज्य मुनिराज श्री मोक्षतिलक विजयजी म.सा. आदि ठाणा 3 एवं राजगुरु माता कश्मीर प्रचारिका पूज्य श्री उमरावकुंवरजी म. सा. अर्चना की सुशिष्या राजस्थान प्रवर्तिनी पूज्य महासती डॉ.श्री सुप्रभाजी म.सा.'सुधा' आदि ठाणा 6 बम्ब सिंघी भवन, मलकपेट में सुख साथा पूर्वक विराज रहे है।

चातुर्मास प्रधान संयोजक गिरिराज सिंघी व पारस डोसी ने गुरुवार को बताया कि जैन श्री संघ के तत्वावधान में आज मलकपेट स्थित बम्ब सिंघी भवन में चतुर्विध संघ समागम हुआ जहां पर संत-साध्वी-श्रावक-श्राविका का एक अनूठा पल का लाभ मिला। सर्वप्रथम पूज्य महासती श्री शमितप्रभाजी म.सा ने अपनी वाणी से मंगलाचरण द्वारा प्रवचन का शुभारंभ किया। पूज्य महासतीजी ने अपने उदबोधन में कहा कि जीवन मे परिवर्तन बहुत ज़रूरी है। मनुष्य के पास सारी सम्पदा होते हुए भी वो अशांति में जी रहा है। दर्द भरा जीवन जी रहा है। सुख के सब साधन होते हुए भी वो खुश नही है इसका मूल कारण यह है कि मनुष्य जिनवाणी तो सुनता है पर उस जिनवाणी के वचनों को अपने जीवन मे नही उतारता है। अनंत

चौबीसी तीर्थंकर भगवंतों ने धर्म की प्रेरणा की है। संसार के चक्र से छुटकारा पाने के लिए (जन्म-मरण से) तो जीवन मे परिवर्तन ज़रूरी है। उदहारण देते हुए बताया कि जिस तरह दूध से दही, दही से मक्खन, मक्खन से घी में परिवर्तित करते है उसी तरह परिवर्तन से लक्ष्य समिकित की प्राप्ति होती है। तत्पश्चात सुरभि बहु मंडल के सदस्यों एवं संजय सिंघवी ने गीतिका द्वारा संत-सती मंडल का स्वागत किया। श्री वर्धमान स्थानवासी जैन श्रमनोपसक संघ के अध्यक्ष किशोर मुथा ने अपने विचार रखते हुए पूज्य महासतीजी के आगे के नगर विचरण कार्यक्रम की सूचना दी। आगे पूज्य महासती श्री डॉ. सुप्रभाजी म.सा ने अपने उद्धबोधन में बताया कि मनुष्य जीवन मे तीन महत्वपूर्ण चीज़ें है जो बाजार में नही मिलती। वो है आत्मविश्वास, साहस व चरित्र। आत्मविश्वास ऐसे ही नही होता है उससे पाना पड़ता है। हम जितना अपने भीतर में प्रवेश करेंगे उतना आत्मविश्वास बढ़ता है। वैसे ही धर्म मे जीने के लिए हमारे अंदर साहस का प्रवेश होना ज़रूरी है। जीवन मे चरित्र इतनी आसानी से नही बनता है। इससे परिश्रम करके कमाना पड़ता है। यह कही पर भी खरीदा नही जा सकता है। चरित्र मानुष जीवन का सबसे अमूल्य व बहुत ही महत्वपूर्ण सम्पदा है।

आगे पूज्य आचार्य श्रीमद्विजय राजतिलक सूरीश्वरजी म.सा.व पुज्य मुनिराज श्री मोक्षतिलक विजयजी म.सा.ने अपने उध्बोधन में बताया कि मनुष्य जीवन के तीन पड़ाव होते है जो है बचपन, जवानी व बुढापा। इन तीन पड़ाव के बाद मानुष का अंत है। मानुष अपने जीवन मे कड़ी मेहनत करके जो कमाता है वोही सही धर्म का पालन न करते हुए कमाया हुआ होता है। अपने प्रवचन के माध्यम से पूज्य श्री ने हमे कैसा जीवन जीना चाहिए और हम धर्म के प्रति सच्ची श्रद्धा रखें इसके बारे में अवगत कराया। धर्म सभा मे त्रयनगर के कई गणमान्य श्रावक-श्राविकाओं, संघ के पदाधिकारीगण, सदस्यगण, महिला मंडल के पदाधिकारीगण, सदस्यगण एवं अनके श्रावक-श्राविकाएं उपस्थित रहे।

सिकंदराबाद के उज्जैनी महांकाली अम्मावरी मंदिर में आषाढ़ माह में आयोजित होने वाले बोनालू मेले के मद्देनजर गुरुवार को बीसी कल्याण और परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर के साथ एक समीक्षा बैठक की गई। बैठक में मेयर गडवाल विजया लक्ष्मी, डिप्टी मेयर मोथे श्रीलता शोभन रेड्डी ने भी भाग लिया।

राजभाषा कार्यान्वयन राष्ट्रीय दायित्व का अति महत्वपूर्ण कार्य है : अनुराग कुमार

ईसीआईएल में राजभाषा कार्यान्वयन समिति बैठक आयोजित

हैदराबाद, 27 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड हैदराबाद में अनुराग कुमार, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक की अध्यक्षता में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 167वीं बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अन-ुराग मालवीया, निदेशक (कार्मिक) सहित राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सभी सदस्य उपस्थित रहे। कॉरपोरेशन के प्रबंधक (राजभाषा) तथा प्रभारी, राजभाषा अनुभाग डॉ. राजनारायण अवस्थी ने राजभाषा कार्यान्वयन के प्रमुख बिन्दुओं का प्रस्तुतीकरण दिया। अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने कहा कि राजभाषा कार्यान्वयन एक राष्ट्रीय दायित्व का अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य है।

इसके संवैधानिक प्रावधानों एवं राजभाषा नीति संबंधी विभिन्न दिशा-निर्देशों का अनुपालन करना अनिवार्य है। इसके लिए राजभाषा संबंधी विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन का प्रचार-प्रसार करना चाहिए। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि राजभाषा के विकास में प्रादेशिक भाषाओं का भी अध्ययन करना चाहिए। इसके लिए स्थानीय स्तर पर हिंदी एवं प्रादेशिक भाषा के संप्रेषण कौशल को बढ़ाने के लिए निरंतर कार्यशालाओं का आयोजन किया जाना चाहिए।

राष्ट्र की सामासिक एकता को सुदृढ़ करने के लिए भारत के संविधान में विनिर्दिष्ट समस्त भाषाओं के प्रमुख शब्दों का समावेश करना आवश्यक है। कॉरपोरेशन के सभी आंचलिक कार्यालयों का निरीक्षण एवं उसकी समीक्षा अत्यंत आवश्यक है। आंचलिक कार्यालयों में राजभाषा नीति एवं विभिन्न संवैधानिक प्रावधानों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए राजभाषा कार्यान्वयन के सदस्यों को कॉरपोरेशन के आंचलिक कार्यालयों का नोडल अधिकारी नियुक्त करने का निदेश दिया गया।

बैठक में समीक्षा के दौरान अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने ईसीआईएल के मुख्यालय तथा आंचलिक कार्यालयों में राजभाषा कार्यान्वयन की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की।

अध्यक्ष ने निदेश दिया कि ईसीआईएल के राजभाषा कार्यान्वयन को अखिल भारतीय स्तर पर एक उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किया जाए। अध्यक्ष महोदय ने निर्देश दिया कि आगामी तीन वर्षों के लिए कॉरपोरेशन में राजभाषा कार्यक्रमों की रूपरेखा बनाई जाए। समीक्षा के अनुसरण में निदेशक (कार्मिक) ने भी सभी सदस्यों से अपील की कि वे अपना अधिक से अधिक सरकारी काम हिन्दी में करें। अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने ईसीआईएल में उत्कृष्ट राजभाषा कार्यान्वयन के लिए सभी सदस्यों की प्रशंसा की। कार्यक्रम में समिति के सभी सदस्यों ने राजभाषा कार्यान्वयन को प्रभावी बनाने के लिए अपने-अपने विचार रखे। बैठक की समापन टिप्पणी में अध्यक्ष महोदय ने कहा कि किसी भी संकल्प में समय प्रबंधन, योजना तथा निरंतर समीक्षा का समन्वय होगा तो सफलता अवश्य प्राप्त होगी। इस कार्यक्रम में डॉ. सीएच. अंबेडकर, वी.कनका महालक्ष्मी, कनिष्ठ हिन्दी अनुवादक तथा अजहर सुल्तान, प्रवर श्रेणी लिपिक द्वारा ईसीआईएल में राजभाषा कार्यान्वयन की अद्यतन स्थिति का प्रस्तुतीकरण दिया गया।

केबीआर पार्क में इच्छा पूर्ति गणेश की पूजा आयोजित

हैदराबाद, 27 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। बंजारा हिल्स स्थित केबीआर पार्क के इच्छा पूर्ति गणेश भगवान की पूजा हर बुधवार को की जाती है।

उसके अनुसार इस बुधवार को भी पूजा अर्चना की गई। उसके पश्चात् आरती एवं प्रसाद का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के संयोजक राजेंद्र कुमार अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि पार्क में सवेरे आने वाले प्रायः सभी लोग गणेश जी की पूजा, आरती में सम्मिलित होते हैं तथा अंत में सभी में प्रसाद बांटा जाता है।

यह पूजा की सेवा पिछले कई वर्षों से की जाती है। आज की सेवा में राजेंद्र कुमार अग्रवाल, गोपाल बल्दवा, सुरेंद्र अग्रवाल, सांवरमल अग्रवाल, विठ्ठल दास अग्रवाल, विनोद टिकमानी, अशोक सरायवाला, डागा, इन्नानी, अनिल पित्ती, सुधाकर रेड्डी, नरसिम्हा मूर्ति, माया अग्रवाल, सरला डागा आदि उपस्थित रहे।

केंद्र ने एसबीएम-यू 2.0 के तहत बंगाल के लिए 860.35 करोड़ रुपए की दी मंजूरी

नई दिल्ली, 27 जून (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने पश्चिम बंगाल में शहरी स्वच्छता बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के लिए स्वच्छ भारत मिशन-एसबीएम-यू 2.0 के तहत 860.35 करोड़ रुपए देने का निर्णय लिया है। केंद्रीय आवास एवं शहरी विकास मंत्रालय की ओर से गुरुवार को जारी विज्ञप्ति के अनुसार मंत्रालय ने एसबीएम-यू 2.0 के तहत पश्चिम बंगाल के लिए 860.35 करोड़ रुपए देने की मंजूरी प्रदान की है। मंत्रालय ने बताया है कि एसबीएम-यू (2014-19) के पहले चरण में राज्य को कुल 911.34 करोड़ रुपए का फंड आवंटित किया गया था, जिसे एसबीएम-यू 2.0 (2021-26) में 1.5 गुना बढ़ाकर 1449.30 करोड़ कर दिया गया है।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि मंत्रालय अपशिष्ट प्रबंधन एवं स्वच्छता में प्रगति हासिल करने के लिए पश्चिम बंगाल के साथ मिलकर काम कर रहा है। मौजूदा समय में राज्य में 118 पुराने अपशिष्ट डंप स्थल हैं, जिनमें से केवल पांच प्रतिशत कचरे का ही निपटारा किया जाता है। मंत्रालय ने कहा है कि कोलकाता का मुख्य नगरपालिका डंपिंग ग्राउंड धापा लैंडफिल 1987 से ही बायो-माइनिंग और बायोरेमेडिएशन से गुजर रहा है, जो विरासत में मिले कचरे को साफ करने के लिए राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण (एनजीटी) द्वारा अपनायी गयीं विधियाँ हैं और जो कचरे से उपयोगी सामग्री निकालने की अनुमति देती हैं।

विज्ञप्ति के अनुसार पश्चिम बंगाल के शहरों में प्रतिदिन लगभग 4,046 टन ठोस अपशिष्ट उत्पन्न होता है। एसबीएम-यू 2.0 के तहत राज्य ने इस विशाल मात्रा के अपशिष्ट के प्रबंधन के लिए परियोजनाओं का प्रस्ताव दिया है, जिसमें 4800 से अधिक खाद संयंत्र और 4500 सामग्री पुनर्प्राप्ति सुविधाएं (एमआरएफ) शामिल हैं। पर्यावरण की दृष्टि से सुरक्षित तरीके से ठोस अपशिष्ट के निपटान की सुविधा के लिए राज्य द्वारा 2216 सुरक्षित लैंडफिल सुविधाएं (एसएलएफ) प्रस्तावित की गई हैं। एसबीएम-यू 2.0 के तहत 100 से अधिक यूएलबी में पुराने अपशिष्ट डंपसाइटों के सुधार के लिए 217 करोड़ रुपये के प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है। स्वच्छता एवं अपशिष्ट प्रबंधन के लिए राशि का निर्बाध प्रवाह बनाए रखने के लिए केंद्र सरकार ने राज्य द्वारा प्रस्तावित परियोजनाओं को तेजी से आगे बढ़ाने हेतु 209 करोड़ रुपये की अतिरिक्त किश्त जारी की है। स्वच्छ भारत मिशन-शहरी के तहत 2026 तक राज्य के सभी शहरों में अपशिष्ट प्रसंस्करण संयंत्र लगाने का लक्ष्य है।

अभ्यास का सफल परीक्षण, राजनाथ ने दी बधाई

नई दिल्ली, 27 जून (एजेंसियां)। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) ने ओड़ीशा की चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज से हाई स्पीड एक्सपेंडेबल एरियल टारगेट अभ्यास के लगातार छह और परीक्षण सफलतापूर्वक पूरे कर लिए हैं। इसके साथ ही अभ्यास के सिस्टम के दस सफल परीक्षण पूरे हो गए।

रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि ये परीक्षण बेहतर रडार क्रॉस सेक्शन, विजुअल और इन्फ्रारेड वृद्धि प्रणालियों के साथ किए गए थे। परीक्षणों के दौरान, बूस्टर के सुरक्षित लॉन्च, लॉन्चर क्लीयरेंस और सहनशक्ति प्रदर्शन को कवर करने वाले विभिन्न उद्देश्यों को सफलतापूर्वक संपन्न किया गया था। आधे घण्टे के अंतराल में एक के बाद एक दो प्रक्षेपण किए गए, जो न्यूनतम रसद के साथ संचालन में आसानी का प्रदर्शन करते हैं। सेनाओं के वरिष्ठ अधिकारियों ने उड़ान परीक्षण देखा। अभ्यास को डीआरडीओ के वैमानिकी विकास प्रतिष्ठान, बेंगलुरु द्वारा डिजाइन किया गया है, और हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड और लार्सन एंड टुब्रो के माध्यम से विकसित किया गया है। यह हथियार प्रणालियों के अभ्यास के लिए एक यथार्थवादी खतरे का परिदृश्य प्रस्तुत करता है। यह स्वदेशी प्रणाली एक ऑटो पायलट, विमान एकीकरण, उड़ान-पूर्व जांच और स्वायत्त उड़ान के लिए एक लैपटॉप-आधारित ग्राउंड कंट्रोल सिस्टम की मदद से स्वायत्त उड़ान के लिए डिज़ाइन की गई है। इसमें उड़ान के बाद के विश्लेषण के लिए उड़ान के दौरान डेटा रिकॉर्ड करने की सुविधा भी है। बूस्टर को एडवांस्ड सिस्टम्स लेबोरेटरी और नेविगेशन सिस्टम को रिसर्च सेंटर इमारात द्वारा डिजाइन किया गया है। अभ्यास अब उत्पादन के लिए तैयार है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अभ्यास के परीक्षणों के लिए डीआरडीओ, सशस्त्र बलों और उद्योग जगत की सराहना की है। उन्होंने कहा कि सफल परीक्षण वैज्ञानिकों और उद्योग के बीच तालमेल का उल्लेखनीय प्रमाण है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव और डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ. समीर वी कामत ने सफल उड़ान परीक्षण से जुड़ी टीमों को बधाई दी।

आईएनएस ताबर मिस्र के अलेक्जेंड्रिया पहुंचा

नई दिल्ली, 27 जून (एजेंसियां)। अफ्रीका और यूरोप में अपनी मौजूदा तैनाती के तहत भारतीय नौसेना की अग्रिम पंक्ति का युद्धपोत, आईएनएस ताबर गुरुवार को सद्भावना यात्रा के लिए मिस्र के ऐतिहासिक बंदरगाह शहर अलेक्जेंड्रिया पहुंचा।

अलेक्जेंड्रिया में 27 से 30 जून तक तीन दिवसीय प्रवास के दौरान जहाज का चालक दल सामाजिक गतिविधियों के अलावा मिस्र की नौसेना के साथ कई पेशेवर बातचीत करेगा। इसके बाद दोनों नौसेनाएं समुद्र में पैसेज एक्सरसाइज या पीएएक्स-सएसईएक्स के माध्यम से बंदरगाह अभ्यास को मजबूत करेंगी।

इन बातचीत का उद्देश्य दोनों नौसेनाओं द्वारा अपनाई जाने वाली प्रक्रियाओं में समानता को मजबूत करना और दोनों नौसेना-ओं के बीच अंतरसंचालनीयता के दायरे को व्यापक बनाना है जो आम समुद्री खतरों के खिलाफ संयुक्त अभियानों में सहायता कर सके। भारत और मिस्र के बीच कई शताब्दियों से सांस्कृतिक संबंधों और आर्थिक संबंधों की समृद्ध विरासत रही है।

डिजिटल अरेस्ट कर महिला से ऐंठे 2.71 करोड़

लखनऊ, 27 जून (एजेंसियां)। डॉक्टर की पत्नी को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में संदिग्ध बताते हुए जालसाजों ने तीन घंटे तक डिजिटल अरेस्ट रख 2.71 करोड़ ऐंठ लिए। पीड़िता ने साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में केस दर्ज कराया है। हजरतगंज के अशोक मार्ग पर डॉक्टर पंकज रस्तोगी पत्नी दीपा के साथ रहते हैं। दीपा के मुताबिक गत नौ जून को दोपहर करीब दो बजे उनके पास एक कॉल आई। फोनकर्ता ने खुद को एसबीआई कस्टमर केयर सर्विस विभाग का कर्मचारी बताते हुए कहा कि आपने गत दो अप्रैल को क्रेडिट कार्ड जारी कराया था। इस कार्ड से एक लाख नौ हजार की खरीदारी की हुई है। दीपा ने इससे इन्कार किया तो उसने इसकी शिकायत करने की बात कही और एक फर्जी पुलिस अधिकारी से वीडियो कॉल कराई।

वीडियो में दीपा को एक वर्दी पहने युवक दिखा, जिसने अपना नाम रवि कुमार बताया और आईकार्ड दिखाने के बाद अपना कैमरा बंद कर लिया। इसके बाद कहा कि आपकी आईडी का गलत इस्तेमाल हुआ है। दीपा से उनका आधार कार्ड मांगने के बाद व्हाट्सएप पर ही उन्हें अरेस्ट वारंट भेज दिया। इसके बाद कहा कि आप मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में संदिग्ध हैं, इसलिए किसी से बात नहीं कर सकती हैं।

रवि ने दीपा को बताया कि आप का कार्ड सुरेश के पास मिला है। साथ ही आप के बैंक खाते में 25 लाख डाले गए हैं। आपको सिर्फ नवजीत सिम्मी ही बचा सकती हैं। इसके बाद नवजीत भी वीडियो कॉल पर आई। उनसे कहा कि मनी लॉड्रिंग में आपका अरेस्ट वारंट होल्ड पर रखा गया है। इसके बाद उसने दीपा को मोबाइल पर सुप्रीम कोर्ट का एक लिंक भेजा। लिंक खोलने पर दीपा से डायरी ईयर भरने को कहा, जिसे भरते ही उन्हें अरेस्ट वारंट मिल गया। उन्हें बोला कि यदि आप अरेस्ट होने से बचना चाहती हैं तो आपको दो करोड़ 71 लाख 10 हजार रुपए देने होंगे। आपको यह रकम बैंक जाकर ट्रांसफर करनी होगी। आप की सुरक्षा के लिए हम सादे कपड़ों में तीन किमी के दायरे में रहेंगे। इस पर दीपा ने रकम का भुगतान कर दिया और साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई।

लालकृष्ण आडवाणी को एम्स से मिली छुट्टी

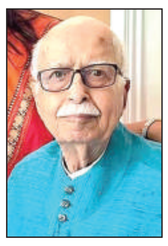

नई दिल्ली, 27 जून (एजेंसियां)। पूर्व उप प्रधानमंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी को गुरुवार को राजधानी के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) से छुट्टी मिल गई। उन्हें बुधवार देर रात तबीयत खराब होने पर एम्स में भर्ती किया गया था। इससे पहले अस्पताल के सूत्रों ने बताया कि भाजपा के दिग्गज नेता की हालत स्थिर है। श्री आडवाणी को आज जांच के बाद अपराह्न एक बजे अस्पताल से छुट्टी दे दी गयी।

सूत्रों ने बताया कि श्री आडवाणी (96) के पेशाब में संक्रमण की शिकायत के बाद उन्हें कल शाम छह बजे जांच के लिये एम्स ले जाया गया और रात करीब 11 बजे उन्हें यूरोलॉजी विभाग में भर्ती कराया गया। सूत्रों ने कहा कि एम्स के डॉक्टर वयोवृद्ध नेता जराचिकित्सा विभाग के डॉक्टरों की निगरानी में थे। अब वह पूरी तरह से स्वस्थ हैं और अपराह्न एक बजे घर वापस पहुंच गये। श्री आडवाणी काफी समय से वृद्धावस्था संबंधित स्वास्थ्य समस्याओं का सामना कर रहे हैं और सार्वजनिक कार्यक्रमों में उनका आना-जाना बंद हो गया है। आमतौर पर डॉक्टर उनकी घर पर ही जांच करते हैं, लेकिन कल रात उन्होंने पेशाब में संक्रमण की शिकायत की, जिसके बाद उन्हें एम्स ले जाया गया।उल्लेखनीय है कि केंद्र में तीसरी बार राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार बनने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित भाजपा के तमाम नेता उनसे आशीर्वाद लेने उनके आवास पर पहुंचे थे। उस समय उनका स्वास्थ्य ठीक था।

स्मार्ट सिटी योजना के फिर आने की उम्मीद

लखनऊ, 27 जून (एजेंसियां)। वर्ष 2014 में शुरू केंद्र सरकार की स्मार्ट सिटी योजना चार दिन बाद समाप्त हो जाएगी। हालांकि, इससे पहले ही इसे फिर से लॉन्च करने की तैयारी है। राजधानी में इस बार पूरा शहर इसके दायरे में आने की उम्मीद है। योजना को लेकर बृहस्पतिवार को दिल्ली में बुलाई गई विशेष बैठक में शामिल होने के लिए स्मार्ट सिटी के अफसर भी गए हैं।

योजना के तहत 100 शहरों को अपने इलाकों को चुनकर उन्हें पानी, सफाई, सीवर, बिजली, परिवहन सहित सभी सुविधाओं के लिहाज से मॉडल बनाना था। राजधानी में 813 एकड़ क्षेत्रफल में योजना लागू की गई, जिसे एबीडी (एरिया बेस्ड डवलपमेंट) क्षेत्र कहते हैं। इसमें कैसरबाग, हुसैनगंज के बाईं ओर का क्षेत्र, शिवाजी मार्ग, लाटूश रोड, बर्लिंग्टन चौराहे से बाईं ओर कैंट रोड, बीएन रोड, लालबाग, नॉवेल्टी, भोपाल हाउस, हलवासिया, परिवर्तन चौक, हाईकोर्ट, डीएम कार्यालय, राजस्व परिषद, रेजीडेंसी चौराहा और उससे बाएं रिवर बैंक कॉलोनी व उसके पास का इलाका आता है।

इन क्षेत्रों में ही योजना के तहत काम कराए गए। ऐसे में अन्य इलाकों को भी योजना में शामिल करने की लगातार मांग उठी। पूर्व शहरी विकास मंत्री कौशल किशोर ने भी दो साल पहले मांग को उठाया और कहा था कि वे इसके लिए प्रयास करेंगे। शहरवासी व पार्षद पूरे शहर तक योजना का दायरा करने की मांग करते रहे हैं।

अमृत मिशन योजना वर्ष 2014 में लॉन्च हुई थी। लखनऊ वर्ष 2016 में फास्ट ट्रैक राउंड में चुना गया। यहां के लिए करीब 2100 करोड़ की योजनाएं बनीं। इनमें से ज्यादातर अमृत मिशन व अन्य योजनाओं से मिलने वाले बजट से पूरी की जानी थीं। इसके अलावा 850 करोड़ की योजनाओं का काम केंद्र और राज्य सरकार से योजना को लेकर मिलने वाले बजट से हुआ।

स्मार्ट सिटी योजना का समय मार्च 2022 में पूरा हो गया। इसके बाद जून 2023 तक का वक्त काम पूरा करने के लिए इस शर्त के साथ दिया गया कि जो खर्च आएगा शहर उसे खुद उठाएंगे। जून 2023 तक भी काम पूरा न हो पाने पर एक साल का समय और बढ़ाया गया। अब सभी काम जून 2024 तक पूरे किए जाने हैं, जिसमें चार दिन बचे हैं। इसी बीच योजना को फिर से लॉन्च करने की तैयारी है।

जनेश्वर मिश्र पार्क को आधुनिक स्पोर्ट्स जोन बनाने की तैयारी

लखनऊ के गोमती नगर में पार्क के मेकओवर का काम शुरू

लखनऊ, 27 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने के लिए कृत संकल्प योगी सरकार ने प्रदेश की राजधानी लखनऊ स्थित जनेश्वर मिश्र पार्क के वृहद कायाकल्प की प्रक्रिया शुरू कर दी है। लखनऊ के गोमती नगर में स्थित इस पार्क में लंबे वक्त से एक स्पेशलाइज्ड स्पोर्ट्स एरीना होने की कमी यहां जाने वाले लोगों को महसूस होती थी। इस जरूरत को भांपते हुए योगी सरकार ने पार्क के कायाकल्प की एक विस्तृत कार्ययोजना तैयार की थी। सीएम योगी के विजन अनुसार बनी इस कार्ययोजना को क्रियान्वित करते हुए लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) ने स्पोर्ट्स जोन के विकास के लिए प्रक्रिया शुरू कर दी है। कार्ययोजना के अनुसार, 10.16 करोड़ रुपए के व्यय से सभी विकास कार्यों को पूर्ण किया जाएगा।

खास बात ये है कि इन विकास कार्यों के जरिए जिन स्पोर्ट्स एमिनिटीज से पार्क को लैस किया जाएगा उनमें क्रिकेट, फुटबॉल व वॉलीबॉल ग्राउंड समेत टेनिस कोर्ट मुख्य है। इन सभी निर्माण कार्यों को पर्यावरण संरक्षण के मानकों व अन्य महत्वपूर्ण गाइडलाइंस का पालन करते हुए पूरा किया जाएगा तथा सभी निर्माणों की उच्च गुणवत्ता को सुनिश्चित करने के लिए भी एक मॉनिटरिंग मैकेनिज्म बनाया जाएगा।

पार्क में स्पोर्ट्स जोने के विकास को लेकर होने वाले सभी कार्यों को पूरा करने के लिए एलडीए द्वारा टू बिड प्रक्रिया को क्रियान्वित किया गया है। इस प्रक्रिया के जरिए एक एजेंसी का चयन होगा और वह ही इन सभी कार्यों को पूर्ण करने के साथ ही एलडीए के अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर कार्यों की डेडलाइन, उच्च गुणवत्ता समेत सभी मानकों के पालन व क्रियान्वयन का मार्ग प्रशस्त करेगी। कार्यावंटन के उपरांत एजेंसी की कोशिश होगी कि सभी विकास कार्यों को 9 महीने की अवधि में पूरा कर लिया जाए। 168 करोड़ रुपए की लागत से लगभग 376 एकड़ में विकसित किया गया पार्क में लंबे वक्त से स्पोर्टिंग इवेंट्स के संचालन के लिए एक स्पोर्ट एरीना की कमी महसूस हो रही थी। अब इसी कमी को पूरा करते हुए योगी सरकार के विजन अनुसार वृहद स्पोर्ट्स जोन के निर्माण की प्रक्रिया शुरू हो गई है। एलडीए द्वारा शुरू की गई इस प्रक्रिया के पूर्ण होने पर लखनऊ वासियों तथा देश-विदेश से पार्क घूमने आने वाले लोगों को विभिन्न स्पोर्टिंग इवेंट्स का हिस्सा बनने का मौका मिलेगा। विकास कार्यों की पूर्ति के जरिए यहां पर नियमित रूप से विभिन्न स्पोर्टिंग एक्टिविटीज के संचालन का मार्ग प्रशस्त होगा। विकसित होने वाले सभी स्पोर्ट्स एमिनिटीज को आधुनिक स्प्रिंकलर्स, लाइटिंग व अन्य सुविधाओं से पूर्ण किया जाएगा।

फर्जी दस्तावेजों पर नौकरी कर रहे चार प्रिंसिपल और एक शिक्षक बर्खास्त

श्रावस्ती, 27 जून (एजेंसियां)। फर्जी और कूट रचित दस्तावेज के सहारे बेसिक शिक्षा विभाग में तैनात चार प्रधानाध्यापक व एक सहायक शिक्षक को मंगलवार को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। इनके विरुद्ध एफआईआर कराने के साथ ही उनसे नियुक्ति से अब तक के वेतन की रिकवरी भी कराई जाएगी। कुछ अन्य शिक्षक भी संदेह के दायरे में हैं जिनके विरुद्ध विभागीय जांच कराई जा रही है।

सिरसिया विकास क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बगही में तैनात प्रधान शिक्षक अनूप कुमार ने फर्जी मार्कशीट व कूटरचित दस्तावेज के सहारे बेसिक शिक्षा विभाग में नौकरी हथियाया था। जो मौजूदा समय प्रधानाध्यापक के पद पर तैनात था। इसकी जांच में पुष्टि के बाद उसे मंगलवार सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है।

इसी तरह गिलौला विकास क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय पिपरी में तैनात प्रधान शिक्षिका रीता देवी, हरिहरपुरानी के प्राथमिक विद्यालय असई पुरवा में तैनात प्रधान शिक्षक सुभाष चंद्र, गिलौला के प्राथमिक विद्यालय परेवपुर में तैनात प्रधान शिक्षिका चंद्रप्रभा त्रिपाठी व जमुनहा के प्राथमिक विद्यालय हरदत्त नगर गिरंट में तैनात सहायक अध्यापक रामनवल पर भी फर्जी मार्कशीट व कूटरचित दस्तावेज के सहारे बेसिक शिक्षा विभाग में नौकरी हथियाने का आरोप लगाया गया था। जिसकी जांच में पुष्टि के बाद सभी को

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने मंगलवार सेवा से बर्खास्त कर दिया है साथ ही सभी के विरुद्ध स्थानीय थाने में एफआईआर दर्ज कराने तथा सभी से तैनाती से अब तक मिले वेतन व अन्य मदों के पैसों की रिकवरी का आदेश दिया है।

विदित हो कि जिन आरोप लगने के बाद से यह सभी प्रधानाध्यापक व सहायक शिक्षक विद्यालय से फरार थे। इस बीच प्राथमिक विद्यालय बगही में तैनात प्रधान शिक्षक अनूप कुमार ने उच्च न्यायालय में स्थगन आदेश के बाद से कभी कभार विद्यालय आता रहता था। वहीं कुछ अन्य शिक्षक भी संदेह के घेरे में हैं। जिनके विरुद्ध जांच कराई जा रही है। बेसिक शिक्षा अधिकारी अमिता सिंह का कहना है कि इन शिक्षकों के विरुद्ध विभागीय जांच कराई जा रही थी जिन्हें कई बार अपना पक्ष प्रस्तुत करने के लिए नोटिस जारी कर कार्यालय बुलाया गया था। लेकिन वह अपना पक्ष रखने कार्यालय नहीं पहुंचे। इस लिए इनकी नियुक्ति निरस्त कर दी गई है। जिनके विरुद्ध एफआईआर कराने का आदेश किया गया है साथ ही उनसे वेतन आदि की रिकवरी भी कराई जाएगी।

मुश्किल में अभिनेता राजपाल यादव

14 करोड़ न दिए तो फिर जाएंगे जेल

शाहजहांपुर, 27 जून (एजेंसियां)। फिल्म अभिनेता राजपाल यादव की मुश्किलें एक बार फिर से बढ़ने वाली हैं। चेक बाउंस होने के मामले में 29 मई को दिल्ली की कड़कड़डूमा अदालत ने राजपाल को 29 जून तक लगभग 14 करोड़ रुपए जमा करने का आदेश दिया है। आदेश का पालन न होने पर राजपाल यादव को जेल जाना पड़ सकता है। वहीं राजपाल ने इस मामले में फिलहाल प्रतिक्रिया व्यक्त करने से इनकार कर दिया है।

मुरली प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर उद्योगपति माधोगोपाल अग्रवाल ने बताया कि राजपाल यादव ने 2010 में फिल्म अता पता लापता बनाने के लिए उनसे पांच करोड़ रुपए ब्याज पर लिए थे। ब्याज समेत जब रकम 10 करोड़ पहुंच गई तो उन्होंने वापस करने के लिए कहा। कई बार कहने के बाद राजपाल ने पांच करोड़ रुपए का चेक दिया। यह चेक बैंक में लगाया गया तो बाउंस हो गया। तब कंपनी ने उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया।

मामले में राजपाल को जेल भी जाना पड़ा था। इस मामले में दिल्ली की कड़कड़डूमा अदालत में 29 मई को सुनवाई हुई। अदालत ने राजपाल यादव को 30 दिन के अंदर लगभग 14 करोड़ की रकम उन्हें देने का आदेश दिया है। माधोगोपाल के मुताबिक अदालत ने रकम न देने की स्थिति में राजपाल को तीन महीने के लिए जेल भेजने का आदेश दिया है।

अभी तक उन्हें रकम प्राप्त नहीं हुई है। राजपाल उन्हें सीधे रकम दे सकते हैं या फिर कोर्ट में डिमांड ड्राफ्ट जमा कर सकते हैं। वहीं इस मामले में राजपाल यादव से संपर्क करने का प्रयास किया गया तो उन्होंने कहा कि वह अभी इस मामले में बात नहीं करेंगे। समय आने पर वह जवाब देंगे।

शेयर मार्केट

बीएसई : 79,243.18
+568.93 +0.72% ↑
एनएसई :24,044.50
175.70 (0.74%) ↑

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरट गोल्ड)
सोना : 73,780/- (प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 90,050/- (प्रति किलोग्राम)

तेलंगाना के विकास के लिए केंद्र से समर्थन मांगेगी सरकार : रेवंत

हैदराबाद/नई दिल्ली, 27 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

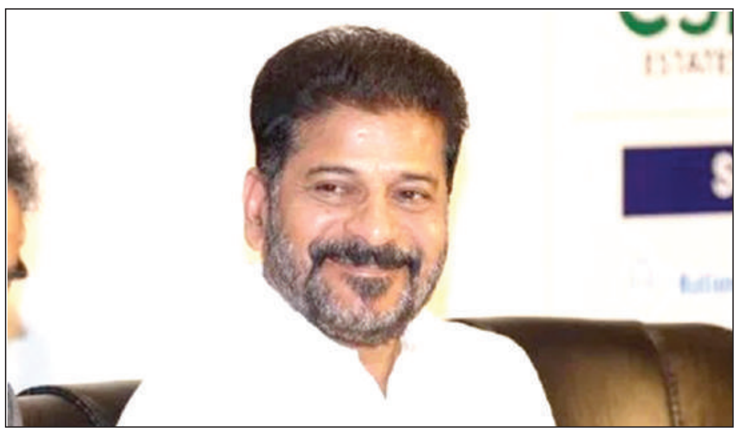

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि उनकी सरकार को आंध्र प्रदेश में टीडीपी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार के साथ कोई कोई समस्या नहीं है। राज्य विभाजन के संबंध में किसी भी मुद्दे पर वह आंध्र सरकार से बातचीत करने और उन्हें हल करने के लिए तैयार हैं। नई दिल्ली में मीडिया को संबोधित करते हुए रेवंत रेड्डी ने कहा कि चुनाव खत्म होने के साथ, राज्य के विकास पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। जैसा कि राहुल गांधी ने वादा किया था, राज्य सरकार शीघ्र ही कृषि ऋण माफ करने की तैयारी कर रही है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार केंद्र सरकार से भी समर्थन मांगेगी और तेलंगाना के कल्याण और विकास के लिए केंद्र के साथ काम करेगी। उन्होंने कहा हमने आगामी बजट में तेलंगाना के लिए धन आवंटन के संबंध में कुछ केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात की है। हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से भी मिलेंगे।

पार्टी में आंतरिक मुद्दों पर, विशेष रूप से अन्य दलों के नेताओं को शामिल करने पर एमएलसी टी जीवन रेड्डी के असंतोष पर, मुख्यमंत्री ने कहा कि पार्टी जीवन रेड्डी के अनुभव का उपयोग करेगी। उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों ने जीवन रेड्डी की शिकायतों से राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश की है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नए अध्यक्ष की नियुक्ति पर उन्होंने कहा कि आलाकमान से नए पीसीसी अध्यक्ष की नियुक्ति की अपील की गई थी क्योंकि उनका कार्यकाल 7 जुलाई को समाप्त हो जाएगा। उन्होंने कैबिनेट विस्तार की खबरों को अनावश्यक बताते हुए खारिज कर दिया।

उन्होंने बीआरएस पर विधायकों के दल-बदल कराने के आरोपों को भी खारिज कर दिया और कहा कि बीआरएस के पास दल-बदल पर सवाल उठाने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है, क्योंकि बीआरएस ने पहले भी विधायकों को एक पार्टी से दूसरे पार्टी में जाने के लिए प्रोत्साहित किया था। बीआरएस नेता केटी रामा राव और हरीश राव ने खुले तौर पर कहा था कि कांग्रेस एक महीने में गद्दी से उतर जाएगी।

शॉर्ट सर्किट से लगी आग में एक घर जलकर खाक

मंचेरियाल, 27 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जिले के रेबेना मंडल में शॉर्ट सर्किट से एक घर कर खाक हो गया। जानकारी के अनुसार गो-लेटी टाउनशिप के सिंगरेनी क्वार्टर में रहने वाले सिरिकोंडा तिरुपति के घर में बिजली के शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग गई।

स्थानीय लोगों ने देखा और आग बुझाई। घर में रखे उपकरण पहले ही जल चुके थे। घटना में 30 हजार रुपए नकद सहित सोना, बिस्तर, पंखा, कूलर, कपड़े और बिरुआ में रखे खाना बनाने के बर्तन जल गये। सूचना पाकर एएसआई प्रेम किरण मौके पर पहुंचे। पंचनामा किया गया और अनुमान लगाया गया कि 1,13,500 रुपये की संपत्ति की क्षति हुई है।

तेलंगाना एचसी ने केसीआर की याचिका पर सुनवाई शुक्रवार तक स्थगित

केसीआर ने नरसिम्हा रेड्डी आयोग की कार्यवाही पर रोक लगाने को दाखिल की थी याचिका

हैदराबाद, 27 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना उच्च न्यायालय ने कांग्रेस सरकार द्वारा गठित न्यायमूर्ति एल. नरसिम्हा रेड्डी आयोग की सभी आगे की कार्यवाही पर रोक लगाने की मांग करने वाली पूर्व मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव की याचिका पर सुनवाई शुक्रवार तक के लिए स्थगित कर दी है। न्यायमूर्ति आलोक अराधे और न्यायमूर्ति अनिल कुमार जुकांति की खंडपीठ ने गुरुवार को भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) प्रमुख द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई की। केसीआर के वकील, आदित्य सोंधी ने तर्क दिया कि आयोग कानून के विपरीत काम कर रहा है, उन्होंने दावा किया कि न्यायमूर्ति नरसिम्हा रेड्डी ने जांच के विवरण की घो-षणा करने के लिए एकतरफा प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित करके सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के खिलाफ काम किया।

आयोग ने केसीआर को नोटिस जारी कर बिजली खरीद समझौतों और बिजली संयंत्रों के निर्माण से संबंधित विवरण मांगा था। चूंकि वह लोकसभा चुनाव के प्रचार में व्यस्त थे, इसलिए उन्होंने जवाब देने के लिए और समय मांगा था। सोंधी ने कहा, इससे पहले कि वह अपना जवाब दाखिल कर पाते, न्यायमूर्ति नरसिम्हा रेड्डी ने एक संवाददाता सम्मेलन आयोजित कर कहा कि बिजली खरीद समझौतों और बिजली संयंत्रों के निर्माण में अनियमितताएं थीं। अदालत को बताया गया कि पूर्व मुख्यमंत्री ने कथित अनियमितताओं के बारे में बोलने के लिए प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित करने की उनकी कार्रवाई पर आपत्ति जताते हुए न्यायमूर्ति नरसिम्हा रेड्डी को पत्र लिखा था, लेकिन आयोग ने उन्हें फिर से नोटिस भेजा। केसीआर के वकील ने अदालत के संज्ञान में यह भी लाया कि जब तेलंगाना राज्य का गठन हुआ था, तब बिजली की भारी कमी थी। सोंधी ने कहा कि बिजली खरीद समझौते विद्युत नियामक आयोग (ईआरसी) के एक फैसले के बाद किए गए थे, उन्होंने कहा कि ईआरसी एक न्यायिक निकाय भी है और इसके फैसलों को चुनौती देने के लिए इसके समक्ष अपील दायर की जा सकती है।

आयोग ने यह भी कहा कि मनुगुरु में भद्राद्री थर्मल पावर प्लांट और टीएस गेन्को द्वारा दमारा-चेरला में यदाद्री थर्मल पावर प्लांट के निर्माण में तकनीकी खामियां थीं। इस पर बीआरएस प्रमुख के वकील ने कहा कि देश में कई बिजली संयंत्रों का निर्माण एक ही तकनीक का उपयोग करके किया गया है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण ने बिजली संयंत्रों के निर्माण के लिए अपनी मंजूरी दे दी है। केसीआर के वकील ने तर्क दिया कि वर्तमान सरकार ने यह जानने के बावजूद आयोग का गठन करने का आदेश जारी किया कि ईआरसी के निर्णयों की समीक्षा के लिए इसका गठन नहीं किया जा सकता है। याचिकाकर्ता ने सरकारी आदेश, न्यायिक आयोग के गठन और उसके द्वारा जारी नोटिस को रद्द करने का निर्देश देने की मांग की। सोंधी ने यह भी दलील दी कि आयोग निष्पक्ष रूप से काम नहीं कर रहा है और इसका गठन राजनीतिक कारणों से किया गया है। केसीआर के वकील की दलीलें सुनने के बाद, उच्च न्यायालय ने सुनवाई शुक्रवार तक के लिए स्थगित कर दी जब महाधिवक्ता और बिजली विभाग के वकील अपनी दलीलें पेश करेंगे।

रेवंत ने गडकरी से आरआरआर दक्षिण को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने का किया आग्रह

हैदराबाद/नई दिल्ली, 27 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने केंद्रीय सड़क परिवहन और राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से प्रस्तावित क्षेत्रीय रिंग रोड (आरआरआर) के दक्षिणी हिस्से को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने और इसे चौड़ा करने का अनुरोध किया। हैदराबाद-विजयवाड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग छह लेन का। रेवंत रेड्डी ने राष्ट्रीय राजधानी में गडकरी से मुलाकात की और राष्ट्रीय राजमार्गों से संबंधित विभिन्न राज्य-विशिष्ट मुद्दों पर चर्चा की।

मुख्यमंत्री कार्यालय के अनुसार, केंद्रीय मंत्री से आरआ-रआर के दक्षिणी हिस्से को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने और इस वर्ष भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की वार्षिक योजना में धनराशि देने का अनुरोध किया गया था। रेवंत रेड्डी ने हैदराबाद-विजयवाड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच 65) को तुरंत छह लेन तक चौड़ा करने की आवश्यकता को भी रेखांकित किया, क्योंकि उन्होंने राजमार्ग पर तेजी से बढ़ते वाहन यातायात के कारण बढ़ती दुर्घटनाओं और जानमाल के नुकसान पर चिंता व्यक्त की। इस विशेष राजमार्ग पर प्रतिदिन 60,000 से अधिक वाहन चल रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने उल्लेख किया कि हालांकि हैदराबाद-विजयवाड़ा का चौड़ीकरण अप्रैल 2024 तक पूरा होना था, लेकिन अनुबंध एजेंसी ने इस बहाने छह लेन परियोजना को शुरू नहीं किया है कि विभाजन के बाद वाहनों का यातायात कम हो गया था और एजेंसी नहीं थी उचित आय प्राप्त हो रही है। उन्होंने एनएचएआई और ठेका कंपनी के बीच विवाद सुलझाकर जल्द काम शुरू करने की अपील की। रेवंत रेड्डी ने गडकरी से चौटुप्पल से अमंगल-शादनगर-संगारेड्डी (181.87 किमी) तक की सड़क को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने की भी अपील की। केंद्रीय मंत्री को बताया गया कि संगारेड्डी से नरसापुर-तूप्रान-गजवेल-जगद-वपुर-भोंगिर-चौटुप्पल 158.645 किलोमीटर की सड़क को पहले ही राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित किया जा चुका है और इसकी भूमि अधिग्रहण लागत का आधा हिस्सा राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाएगा।

सीएम ने गडकरी के ध्यान में यह भी लाया कि हैदराबाद (ओआरआर गौरेली जंक्शन) से वलिगोंडा-थोर्रूर-नेल्लिकुडुरु-महबूबाबाद-कोठागुडेम तक स्वीकृत राष्ट्रीय राजमार्ग के लिए 69 किलोमीटर की दूरी पर केवल एक पैकेज के लिए निविदाएं बुलाई गई हैं और काम शुरू हो गया है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री से इस राष्ट्रीय राजमार्ग के शेष तीन पैकेजों (165 किमी) पर तुरंत काम शुरू करने का अनुरोध किया। उन्होंने यह भी मांग की कि कलवाकुर्थी से कोल्हापुर-सोमासिला-कारीवेना-नंदयाल (एनएच-167के) सड़क को राष्ट्रीय राजमार्ग बनाया जाए और 142 किलोमीटर लंबी सड़क पर काम शुरू करने के लिए निविदाएं बुलाई जाएं। सीएम ने कहा कि शेष 32 किमी के कार्यों और प्रतिष्ठित पुल के निर्माण के लिए निविदाएं बुलाई गईं और तुरंत काम शुरू करने का अनुरोध किया गया। प्रस्तावित राष्ट्रीय राजमार्ग पूरा हो जाने पर हैदराबाद और तिरूपति के बीच की दूरी 70 किमी कम हो जाएगी। केंद्रीय मंत्री से हैदराबाद और कलवाकुर्थी (एनएच 765के) के बीच दो-लेन सड़क को चार लेन में अपग्रेड करने के लिए कहा गया है।

सीएम ने कहा कि तेलंगाना, कर्नाटक और महाराष्ट्र को जोड़ने वाले हैदराबाद-मन्नेगुडा चार-लेन राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच -163) की घोषणा के बाद भूमि अधिग्रहण पूरा हो गया है। टेंडर बुलाए गए लेकिन नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल में मामला लंबित होने के कारण काम शुरू नहीं हुआ। एनएचएआई ने केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय द्वारा निर्धारित मानदंडों के अनुसार मार्ग के किनारे बरगद के पेड़ों के स्थानांतरण पर सहमति व्यक्त की। सीएम ने कहा कि इस स्तर पर सरेखण नहीं बदला जाना चाहिए और केंद्रीय मंत्री से संबंधित विभागों को उचित निर्देश जारी करने और तुरंत काम शुरू करने का अनुरोध किया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.